3 | राजधानी
जामिया के बाहर प्रदर्शन छात्राओं ने संभाला मोर्चा

6 | अभिमत
टिकाऊ विकास लक्ष्यों की ओर प्रगति

10 | स्पोर्ट्स
भारत की नजरें दसवीं शृंखला जीतने पर

12 | विदेश
फलस्तीन में हुए युद्ध अपराधों की जांच करेगी आईसीसी

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 50
नई दिल्ली, रविवार, 22 दिसंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

प्रगति के नए प्रयोगों की दस्तक
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

बलवाइयों-हिंसक प्रदर्शनकारियों की चपेट में यूपी

अब तक 15 मरे, महिलाओं-बच्चों को बना रहे ढाल

● एक्शन में योगी सरकार, शुरू की गई उपद्रवियों से जुर्माना वसूली की कवायद, कानपुर और रामपुर में फसाद, 15 जिलों में इंटरनेट बंद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में शनिवार को कानपुर में उपद्रवियों ने जमकर हिंसा और आगजनी की और एक पुलिस चौकी मे आग लगा दी

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर प्रदेश के दो दर्जन से अधिक जिलों में तीन दिनों से हो रहे हिंसक प्रदर्शन के दौरान अब तक कुल 15 लोगों की मौत हुई है। आईजी कानून-व्यवस्था प्रवीण कुमार ने इसकी पुष्टि की है। इनमें से मेरठ में चार, फिरोजाबाद में तीन, कानपुर और बिजनौर में दो-दो, वाराणसी, संभल, रामपुर और लखनऊ में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। उपद्रवी महिलाओं और बच्चों को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

शनिवार को कानपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गयी जबकि रामपुर में भी हिंसक प्रदर्शन और फायरिंग हुई। प्रदेश भर में 124 एफआईआर दर्ज कर 705 लोगों को जेल भेजा गया है। 4500 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया गया। अब तक हुई हिंसा में 264 पुलिस कर्मी भी जख्मी हुए हैं, जिनमें 57 को गोली लगी है। लखनऊ सहित 15 जिलों में इंटरनेट सोमवार तक बंद कर दिया गया है। उधर योगी सरकार ने उपद्रवियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है और उनसे जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि घटनास्थलों से 405 नॉन प्रतिबंधित बोर के खोखा कारतूस व अवैध तमंचे भी बरामद हुए हैं। सम्प्रति साक्ष्य संकलन एवं उपद्रवियों की गिरफ्तारी एवं षडयंत्रकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से प्रचलित है। आईजी ने कहा कि सीएए के विरोध में जनपद रामपुर में उग्र प्रदर्शनकारियों द्वारा सुनियोजित रूप से तोड़फोड़ करते हुए पुलिसकर्मियों पर हमला व फायरिंग भी की गयी। पुलिस बल द्वारा संयम बरतते हुए विधिसम्मत कार्रवाई की गयी। अमरोहा में एक मोटर साइकिल के जलाये जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। जांच के मध्य यह प्रकाश में आया कि यह घटना एक ही सम्प्रदाय के व्यक्तियों के मध्य आपसी विवाद की है, जिसके क्रम में तारिक अजीम के द्वारा सम्बन्धित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी जा रही है।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने में 102 गिरफ्तार

आईजी ने बताया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो पर किए गए आपत्तिजनक भ्रामक पोस्टों, मैसेज आदि के संबंध में प्रदेश में अब तक कुल 63 अभियोग पंजीकृत कर 102 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। कुल 14101 सोशल मीडिया पोस्टों के विरुद्ध कार्रवाई की गयी, जिसमें 5965 ट्विटर पोस्टों, 7995 फेसबुक व 141 यूट्यूब एवं अन्य प्रोफाइल पोस्टों को रिपोर्ट कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नागरिकता कानून के खिलाफ कानपुर में हंगामा हिंसक हो गया। शहर के कई इलाकों में शनिवार को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी कर रहे। परेड यतीमखाना इलाके में हिंसा पर उतारू भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया और पुलिस चौकी को आग लगा दी। परेड यतीमखाना इलाके में एकत्र प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पथराव में कई लोगों के घायल होने की खबर है। हिंसक भीड़ ने यतीमखाना पुलिस चौकी को फूंक दिया, जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक प्रेम प्रकाश ने बताया कि सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी और पूर्व विधायक एवं सपा नेता कमलेश दिवाकर को एहतियातन गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों नेताओं की गाड़ियों को भी सीज कर दिया गया है। प्रकाश ने बताया कि भीड़ सड़कों पर है। बाबूपुरवा, नई सड़क, मूलगंज, दलेलपुरवा, हलीम कालेज और अन्य मुस्लिम बहुल इलाकों में लोग सड़कों और गलियों में एकत्र होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। भारी पुलिस बंदोबस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि भीड़ को समझने के लिए शहर काजी की मदद ली जा रही है। इस बीच हिंसा में जिन दो लोगों की शुक्रवार को मौत हुई थी, उनके शव अभी दफन नहीं किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि शवों को पुलिस निगरानी में ही दफनाया जाएगा। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है या जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए वे तभी सड़कों से वापस जाएंगे।

कड़े पहरे में दिल्ली, लंबे तनाव के बाद थोड़ा चैन

नई दिल्ली में हिंसा के आरोप में गिरफ्तार अपने परिजन से मिलने की आस में दरियागंज थाने के बाहर बैठी एक महिला फोटोः रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● चंद्रशेखर समेत 27 गिरफ्तार, अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को कई स्थानों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के विरोध में पुरानी दिल्ली और सीमापुरी इलाकों में जहां प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी, वहां पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

जामिया मिल्लिया के हजारों छात्रों ने आज फिर विश्वविद्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। इसमें महिलाएं, पूर्व छात्र और स्थानीय लोगों ने भी शिरकत की। इसके अलावा जंतर मंतर और राजघाट पर भी सीएए के विरोध में कुछ प्रदर्शन हुए। शनिवार को दिल्ली पुलिस ने दरियागंज और सीमापुरी इलाके में हुई हिंसा के सिलसिले में 27 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुक्रवार को हुए दरियागंज हिंसा मामले में भीम आर्मी के चंद्रशेखर समेत 16 लोगों को जबकि 11 लोग सीमापुरी से गिरफ्तार किए गए। अदालत ने चंद्रशेखर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा ' पुलिस ने सीमापुरी (शेष पेज 9)

बिहार में बंद, राजद कार्यकर्ताओं ने तोड़े वाहन-रोका यातायात

पायनियर समाचार सेवा। पटना

पटना में पार्टी का झंडा उठाए आगजनी करते राजद कार्यकर्ता

बिहार में संशोधित नागरिकता कानून और प्रस्तावित एनआरसी के खिलाफ विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान शनिवार को बड़े पैमाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की। इसके चलते रेल एवं सड़क यातायात बाधित रहा। बांस के डंडे और पार्टी के झंडे हाथ में लिए हुए बंद समर्थक सर्द हवाओं की परवाह किए बगैर राज्य के सभी जिलों में बस अड्डों, रेल की पटरियों और अन्य स्थलों पर एकत्रित हो गए। वे बंद आहूत करने के लिए विभिन्न स्थानों में रेल की पटरियों पर बैठ और बस टर्मिनलों को अवरुद्ध कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने भागलपुर, मुजफ्फरपुर और पटना के बाहरी इलाकों में बंद आहूत करने के लिए सड़कों पर चल रही टैक्सियों तथा बसों की खिड़कियों के शीशे तोड़ तोड़ दिए और साइकिल रिक्शा को क्षतिग्रस्त कर दिया। कई स्थानों पर बच्चों समेत बंद समर्थक अपने अंतर्वस्त्र ही पहने रहे।

बच्चों की आयु 10-15 साल से अधिक नहीं थी। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के वारिस माने जाने वाले तेजस्वी यादव ने यहां बीर चंद पटेल मार्ग में पाटी कार्यालय से डाक बंगला क्रॉसिंग तक एक बड़े जुलूस के साथ मार्च किया जिससे व्यस्त फ्रेजर रोड तथा बेली रोड पर यातायात थम-सा गया।

बुद्धिजीवियों ने किया सीएए का समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संशोधित नागरिकता कानून के समर्थन में भारत और विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के करीब 1,100 शिक्षाविदों और शोध विशेषज्ञों ने शनिवार को एक बयान जारी किया। बयान में हस्ताक्षर करने वालों में राज्यसभा के सदस्य स्वपन दासगुप्ता, आईआईएम शिलांग के प्रमुख शिशिर बजोरिया, नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति सुनैना सिंह, जेएनयू के डीन एसएलएल और सीएसी नुल हसन, इंस्टीट्यूट फार पीस एंड कन्फ्लिक्ट स्टडीज में सीनियर फेलो अजिभीत अय्यर मित्रा और पत्रकार कंचन गुप्ता शामिल हैं।

यह बयान से समय में आया है, जब देश भर में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र भी इन प्रदर्शनों में शामिल हो रहे हैं। अपने बयान में इन शिक्षाविदों ने समाज के प्रत्एक वर्ग से, संयम बरतने और दुष्प्रचार, सांप्रदायिकता एवं अराजकता के जाल में नहीं फंसने की अपील की है। बयान में कहा गया, हम बेहद गुस्से के साथ इस बात की ओर भी ध्यान दिलाना चाहते हैं कि जानबूझ कर तनाव एवं भय की अफ्वाह फैला कर देश में डर एवं उन्माद का माहौल बनाया जा रहा है, जिससे देश के कई हिस्सों में हिंसा हो रही है। इस बयान के हस्ताक्षरकर्ताओं ने, भुलाए गए अल्पसंख्यकों के साथ खड़े होने और भारत के सभ्यतागत स्वभाव को बरकरार रखने तथा, धार्मिक प्रताड़ना के कारण भाग कर आने वालों को शरण देने के लिए संसद को बधाई भी दी। इसमें कहा गया कि यह कानून पाकिस्तान, बांगलादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक प्रताड़ना झेलने वाले अल्पसंख्यकों को शरण देने की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करता है।

करोड़ों परिवारों से संपर्क कर गलतफहमी दूर करेगी भाजपा

नागरिकता कानून

● विपक्षी साजिश को बेनकाब करने को छेड़ेगी विशेष अभियान, रैलियां-सभाएं व पत्रकार वार्ताओ में बताएगी सच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जेपी नड्डा

संशोधित नागरिकता कानून पर देश भर में हो रहे बवाल और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच भाजपा आम लोगों तक सीधे पहुंचकर उनके भ्रम व आशंकाएं दूर करेगी। शनिवार को भगवा दल के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट के जरिये और महासचिव भूपेंद्र यादव ने संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष खासकर कांग्रेस के झूठ को बेनकाब कर जनता का भरोसा जीतने के लिए विशेष संपर्क अभियान चलाने की जानकारी दी।

सत्ताधारी पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह संशोधित नागरिकता कानून को लेकर भ्रम फैला रही है। विपक्ष के झूठ की राजनीति का जवाब देने के लिए भाजपा 10 दिनों का विशेष अभियान चलाएगी। इसके तहत तीन करोड़ से ज्यादा परिवारों से संपर्क साधा जाएगा। नड्डा ने ट्वीट किया किकांग्रेस और पाकिस्तान की भाषा मिलती-जुलती है और इन दोनों का वैचारिक मेल देश के लिए घातक है। भाजपा को दोगुनी ताकत से कांग्रेस के दोहरे रवैए और नागरिकता संशोधन कानून की आड़ में रचे जा रहे कुचक्र को जनता के सामने बेनकाब करना है। नड्डा ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ संशोधित नागरिकता कानून, 2019 पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी और कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों द्वारा रची जा रही देश में हिंसा और नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने की साजिश का खुलासा करने के लिए आने वाले दिनों में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। पार्टी हर मंच पर विपक्षी षड्यंत्र का भांडा फोड़ेगी कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियों के गैर-जिम्मेदाराना व निराशाजनक रवैये के चलते भाजपा की जिम्मेदारी और (शेष पेज 9)

मौसम
अधिकतम 18.0°C (-3)
न्यूनतम 9.5°C (+1)

बाजार

सेंसेक्स	41,681	
निफ्टी	12,271	
सोना	38,894	/10g
चांदी	45,786	/kg

क्विक न्यूज

भारत-चीन सीमा पर शांति बनाए रखने को सहमत

नई दिल्ली। भारत और चीन ने इस पर सहमति जताई कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति रखना जरूरी है। साथ ही द्विपक्षीय संबंधों के सामरिक दृष्टिकोण के जरिए सीमा से जुड़े मुद्दों पर वार्ता करने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग ई के बीच वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने सीमा से जुड़े मुद्दों का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान निकालने के लिए प्रयास को तेज करने का संकल्प लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत रचनात्मक रही। इस दौरान द्विपक्षीय विकास साझेदारी को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

महातिर को भारत की दो-टूक अंदरूनी मामले में न दें दखल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मलेशियाई राजनयिक को तलब कर पीएम महातिर की सीएए संबंधी टिप्पणी पर दर्ज कराई आपत्ति

संशोधित नागरिकता कानून को लेकर मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर बिन मोहम्मद की आलोचनात्मक टिप्पणी पर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उसका कहना है कि इस तरह की टिप्पणी किसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने के स्थापित राजनयिक चलन के अनुरूप नहीं है। साथ ही, मलेशियाई दूतावास के प्रभारी (चार्ज ऑफ अफेयर्स)को विदेश मंत्रालय तलब कर नई दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर भी अपनी नाराजगी दर्ज कराई है।

सूत्रों ने भारत के कड़े रुख से अवगत कराते हुए कहा कि मलेशिया के राजनयिक को स्पष्ट रूप से जता दिया गया कि उनके प्रधानमंत्री की टिप्पणी गलत सूचनाओं पर आधारित और असंवेदनशील है। इसमें तथ्यों का नितांत अभाव है। यह न तो दूसरों के अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देने की प्रथा का पालन करती है और न ही द्विपक्षीय संबंधों का। मलेशिया को भारत के अंदरूनी मामलों पर खास तौर से तथ्यों की समझ के बगैर, टिप्पणी करने से बचना चाहिए। उसे दोनों देशों के आपसी संबंधों को दीर्घकालिक एवं रणनीतिक नजरिये से देखना होगा।

मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर बिन मोहम्मद ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि कुछ मुसलमानों (शेष पेज 9)

चारों आरोपियों के शवों का फिर होगा पोस्टमार्टम

हैदराबाद रेप-हत्या मामला

● तेलंगाना हाईकोर्ट ने फर्जी मुठभेड़ संबंधी याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया आदेश

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

फाइल फोटो

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने पशुचिकित्सक से दुष्कर्म एवं हत्या मामले में कथित मुठभेड़ में मारे गए चार आरोपियों के शवों का फिर से पोस्टमार्टम करने का आदेश शनिवार को दिया। उच्च न्यायालय के आदेश पर चारों आरोपियों के शव यहां गांधी अस्पताल में सुरक्षित रखे गए हैं। इन चारों की न्यायएतर हत्या का आरोप लगाते हुए जनहित याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाओं में छह दिसंबर को हुई इस मुठभेड़ के फजी होने का दावा किया गया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आरएस चौहान और न्यायमूर्ति ए अभिषेक रेड्डी की खंडपीठ ने तेलंगाना के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक से दूसरा पोस्टमार्टम करने के लिए अपराध विज्ञान के तीन विशेषज्ञों की एक मेडिकल टीम गठित करने का अनुरोध करने का निर्देश दिया।

खंडपीठ ने यह निर्देश भी दिया कि अंत्यपरीक्षण 23 दिसंबर से पहले किया जाए और उसकी रिपोर्ट उच्च न्यायालय महापंजीयक के समक्ष दाखिल की जाए।

उच्च न्यायालय ने कहा कि दूसरे पोस्टमार्टम के बाद शव इन चारों के रिश्तेदारों को सौंपे जा सकते हैं। डॉक्टरों को उनके द्वारा एकत्र किए गए सबूतों के आधार पर स्वतंत्र राय रखने की भी सलाह दी गई है। खंडपीठ ने इस मुठभेड़ की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के प्रमुख को केस डायरी, पुलिस अधिकारियों के आवाजाही रजिस्टर, मुठभेड़ में शामिल हथियारों की फेहरिस्त जैसी सभी सामग्री जब्त कर लेने का भी निर्देश दिया।

रांची की निर्भया के दोषी को फांसी की सजा

रांची। तीन वर्ष पूर्व 2016 में 15 और 16 दिसंबर की मध्य रात्रि को दीपा टोली इलाके में इंजीनियरिंग की एक छात्रा को दुष्कर्म के बाद जलाकर मारने वाले मुख्य आरोपी राहुल राज को द्रुत गति से की गई एक माह की अदालती सुनवाई के बाद शनिवार को फांसी की सजा सुनाई गई। सीबीआई की एके मिश्रा की एक विशेष अदालत ने इस मामले में मुख्य आरोपी राहुल राज को आज फांसी की सजा सुनाई और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने उसे कल दोषी करार दिया था। वर्ष 2016 के इस मामले को 28 मार्च, 2018 को सीबीआई को सौंपा गया था और लगभग 15 माह की जांच के बाद सीबीआई ने जून, 2019 में इस मामले का खुलासा किया और लखनऊ से राहुल राज को धर दबोचा। जांच में पता चला कि राहुल अपराध की दुनिया में रचा बसा था और दिसंबर, 2016 में इस नृशंस घटना को अंजाम देकर वह लखनऊ भाग गया था। सीबीआई ने हत्याकांड के आसपास की बस्ती के लोगों की डीएनए प्रोफाइलिंग करके और घटनास्थल पर रांची की निर्भया के शव और कपों से बरामद डीएनए सैंपल से उसका मिलान कर राहुल राज को दबोचा।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 22 दिसंबर 2019

यात्रियों को राहत, नहीं बढ़ेगा यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल

नोएडा प्राधिकरण बोर्ड बैठक का फैसला- सुरक्षा के ठोस इंतजाम करने के बाद ही होगी बढ़ोतरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा से आगरा तक बने यमुना एक्सप्रेस-वे पर टोल दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। शनिवार की बोर्ड बैठक में टोल बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया जिसे बोर्ड ने खारिज कर दिया। इससे पहले बोर्ड में इस बात पर चर्चा हुई की लोगों की सेफ्टी को लेकर पहले कदम उठाए जाए तब जाकर ही टोल बढ़ाने पर विचार किया जाएगा।

हालांकि यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में कई निर्णय लिए गए। इसमें प्राधिकरण मूंला वन और क्रिकेट टीम को नीलाम करेगा। वहीं, ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर यमुना प्राधिकरण भी सेक्टर 29 में एक्सपो मार्ट का निर्माण कराने की योजना बना रहा है। इसका प्रस्ताव भी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। जेवर में बनने

वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर के तमाम आयोजन यीडा सिटी में होंगे। एक्सप्रेस-वे के किनारे बनने वाले एक्सपो मार्ट में आयोजन और संगोष्ठियां आयोजित हो सकेंगी।

सेक्टर 29 में अप्रैल पार्क बनाने और सेक्टर 32 में कौशल विकास केंद्र खोलने पर भी मंजूरी मिल सकती है। इसके अलावा यीडा सिटी में औद्योगिक गतिविधियां भी बढ़ाई जाएंगी। किसान के एक खसरा नंबर की जमीन का कुछ हिस्सा अगर किसी परियोजना में आ रहा है तो उस खसरा नंबर की कुल जमीन लेकर पूरा मुआवजा देने का प्रस्ताव भी बोर्ड एजेंडे में शामिल है। इसके अलावा री-शेड्यूलमेंट की अवधि बढ़ाने, इंडस्ट्री के आवंटियों को जीरो पीरियड का लाभ देने, आवासीय संपत्ति खरीदने वालों को बिना पेनाल्टी रजिस्ट्री कराने का अतिरिक्त समय देने, जेवर व फलैंदा बांगर के गोशाला को और बेहतर बनाकर रखरखाव करने आदि का फैसला लिया जा सकता है। ज्ञात हो कि ताज नगरी आगरा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाला यमुना एक्सप्रेस-वे कुल 165 किलोमीटर लंबा है और इस हाईवे के किनारे नई टाउनशिप और बिजनेस सेंटर बसाने की योजना है, जिस पर काम चल रहा है।

6 लेन वाले इस सुपर हाईवे के शुरू होने पर दिल्ली से आगरा की दूरी केवल 1.5 घंटे में तय की जा रही है। यमुना एक्सप्रेस वे अपने आप में देश के आधुनिकतम एक्सप्रेस-वे में है, जिसमें कई खूबियां है।

जेपी को हर माह जमा करनी होगी 25 फीसद आमदनी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जय प्रकाश ग्रुप पर यमुना प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने 1000 हेक्टेयर जमीन का आवंटन भी रद्द कर दिया है। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेसवे पर से हो रही हर महीने की कुल आमदनी में से 25 फीसद धनराशि प्राधिकरण को देनी होगी।

इस राशि से प्राधिकरण यमुना एक्सप्रेस वे का रखरखाव करेगा। इतना ही नहीं 25 फीसद धनराशि नहीं जमा करने पर प्राधिकरण और सख्त कदम उठाने को मजबूर होगा। प्राधिकरण यमुना एक्सप्रेस-वे को भी अपने कब्जे में ले सकता है।

जेपी के प्रोजेक्टों के निवेशकों का पैसा भी वापस करेगा। यमुना प्राधिकरण। 11 प्रोजेक्टों में करीब तीन हजार निवेशक हैं।

इन सभी निवेशकों को प्राधिकरण ब्याज समेत धनराशि लौटाएगा। जेपी ने अपनी जमीन पर 11 बिल्डरों को एफएसआइ कर दी थी, इनका सब-लीज का आवंटन भी रद कर दिया गया है। प्राधिकारण के इस कदम से पात्र लोगों को लाभ मिल सकता है।

नागरिकता बिल पर बवाल

साढ़े तीन हजार के खिलाफ केस दर्ज, 80 पकड़े, इंटरनेट सेवा बहाल

कैला भट्ठा क्षेत्र में शुक्रवार को प्रदर्शन के दौरान हुए बवाल के बाद क्षेत्र में डेरा डाले बैठे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- बलवा और तोड़फोड़ के साथ जानलेवा हमले की धाराओं में केस दर्ज

नागरिकता संशोधन एक्ट और भारतीय राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के विरोध को लेकर गाजियाबाद में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। हालांकि गाजियाबाद में इंटरनेट सेवा फिर से बहाल कर दी गई है।

शुक्रवार को पूरे दिन गाजियाबाद में अलग-अलग स्थानों पर स्थिति तनावपूर्ण रही। कुछ स्थानों पर सीएए कानून का विरोध करने वालों ने पुलिस को खूब छकाया। स्थिति को नियंत्रण करने के उद्देश्य से गाजियाबाद के जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय और एसएसपी सुधीर कुमार सिंह भी दिनभर क्षेत्रों का दौरा करते रहे। इसके बावजूद जिले भर में लोगों ने जमकर बवाल मचाया। पुलिस ने अलग-अलग थानों में कुल 3500 बवालियों के खिलाफ बलवा और सरकारी कार्य में बाधा डालने एवं तोड़फोड़ के साथ जानलेवा हमले की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इसके साथ ही देर रात तक पुलिस ने करीब 80 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को बलवा करने वाले और माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कई थानों में कुल 3500 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ ही करीब 80 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की कोशिश जारी है। इनमें से शहर कोतवाली ने 11 लोगों को नामजद कर 550 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। इसके अलावा साहिबाबाद इलाके में 44 नामजद व 250 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। इनमें से 44 लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि मुरादनगर थाने में 40 नामजद समेत 600 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। इनमें से 20 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ठीक इसी तरह लोनी थाने में भी 150 नामजद और 1500 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा मसूरी थाने में भी कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

लाखों की स्टाम्प चोरी के मामले में बिल्डर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद की शहीद नगर कॉलोनी में दिन प्रतिदिन बिल्डरों द्वारा अवैध रूप से बिल्डिंग बनाकर फ्लैट बेचने और खरीदने में की गई स्टाम्प चोरी के मामले पकड़ में आते जा रहे है।

साहिबाबाद के राजेन्द्र नगर में रहने वाले एक आरटीआई एक्टिविस्ट राजीव शर्मा ने अगस्त माह में प्रदेश शासन और स्टाम्प विभाग को शिकायत भेजकर स्टाम्प चोरी कर ब्लैक मनी के माध्यम से खरीदे गए भूखण्डों और उन पर बिल्डिंग बनाकर बेचने और स्टाम्प चोरी करने वाले बिल्डरों के खिलाफ कार्यवाही करने एवम स्टाम्प चोरी की धनराशि की वसूली करने की मांग की थी। इसी मामले में शहीद ने डिप्टी रजिस्ट्रार सुरेशचंद्र मौर्य द्वारा शहीद नगर के सी ब्लाक में बिल्डिंग संख्या 474/ 2 की जाँच की तो पाया कि इस भूखण्ड को बिल्डर ने मार्च 2014 में ब्लैक मनी के 27 लाख 50 हजार रुपये में 100 रुपये के स्टांप पेपर पर खरीदा था जिस पर 5 मंजिल बिल्डिंग में 5 फ्लैट और 1 दुकान बनाकर अलग-अलग लोगों को 100 100 के स्टाम्प पेपर पर ही बेच डाला था।

बिल्डर को इस भूखंड पर खरीदने में 2 लाख 10 हजार की स्टाम्प ड्यूटी स्टाम्प विभाग को अदा करनी थी जो कि उसने नहीं की डिप्टी रजिस्ट्रार सुरेश चंद्र मौर्य ने एआईजी को बिल्डर के खिलाफ स्टांप चोरी का वाद दर्ज करने के लिए पत्र लिखा है।

फर्जी मार्कशीट बनाने वाले तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद। मुरादनगर पुलिस ने दुहाई में छापा मारकर विभिन्न विश्व विद्यालय व इंटर की फर्जी मार्कशीट व डिग्री बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

इनके कब्जे से 35 फर्जी मार्कशीट, दो लैपटॉप, एक लग्जरी कार, 17 हजार की नकदी, पांच मोबाइल फोन और देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व बोर्ड मोनोग्राम भी बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) नीरज जादौन ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में हरियाणा के सोनीपत निवासी प्रदीप कुमार तथा तरुण कुमार शर्मा तथा जिंदल रोड अंकुर विहार लोनी गाजियाबाद निवासी साकिब पुत्र निसार है। यह गिरोह काफी सक्रिय रहा है।

पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार, एक मरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

घने कोहरे की वजह से थाना साइड-5 क्षेत्र में एक धर्मकांटे के पास एक कार खड़े ट्रक में घुस गई। इस दौरान कार सवार अरुण पुत्र सतीश की मौत हो गई, जबकि कृष्ण पुत्र संजय घायल हो गए। घटना रात्रि करीब 2:10 बजे थाना साइट 5 क्षेत्र अंतर्गत पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर सिरसा के पास एक टाटा मैजिक गाड़ी का अज्ञात वाहन से एक्सीडेंट हो गया, जिससे टाटा मैजिक सवार जयप्रकाश उम्र करीब 32 वर्ष पुत्र रामवीर निवासी ग्राम झासियाबाड़ा पक्का बाग सिकंदराबाद, थाना सिकंदराबाद जिला बुलंदशहर गाड़ी से बाहर गिर गए। इसके बाद मौके पर ही पीछे से आ रहे अज्ञात वाहनों से कुचल कर मृत्यु हो गई। पलवल की ओर से दादरी की ओर जा रहे थे। इस दौरान दीपक सैनी उम्र करीब 28 वर्ष पुत्र रामजी लाल सैनी निवासी छाछा वाला सिकंदराबाद थाना सिकंदराबाद जिला बुलंदशहर घायल हो गए हैं। जिन्हें तत्काल राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान कासना अस्पताल में उपचार हेतु हाइवे की एम्बुलेंस द्वारा लाया गया।

प्राधिकरणों में स्थायी पदों पर संविदा भर्ती पर रोक

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी में स्थायी पदों के लिए संविदा पर भर्ती करने पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यदि अथॉरिटी अधिकारियों ने संविदा पर स्थायी कर्मचारियों की भर्ती की तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई कोर्ट की अवमानना से भी बड़ी होगी।

तीनों अथॉरिटी में अधिकारी अभी तक रिक्त स्थायी पदों पर प्लेसमेंट के जरिये कर्मचारियों की नियुक्ति कर लेते हैं। यह कर्मचारी प्राइवेट एजेंसी के जरिये रखे जाते हैं। जो बाद में अपने आप को स्थायी करने का दावा करते हैं। बताया जाता है कि आरएस टेक्निकल सॉल्यूशन कंपनी ने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट याचिका दायर की थी।

संक्षिप्त समाचार

19वां वैश्य वैवाहिक परिचय सम्मेलन 5 को

गाजियाबाद। वैश्य समाज गाजियाबाद के तत्वावधान में आगामी पांच जनवरी को गोविंदपुरम स्थित इम्पीरियल फार्मस में 19 वां परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आशय की जानकारी यहां आयोजित एक प्रेसवार्ता में दिनेश गोयल ने दी। उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 20 वर्षों से दहेज व कन्या भ्रूण हत्या के अंत के लिए लगातार कार्यरत है। प्रेसवार्ता में महेश चंद, नानक चंद, राजकुमार, अतुल मित्तल, नरेंद्र बंसल, सौरभ जायसवाल, रमेशचंद आदि उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

गाजियाबाद। खेलकूद प्रतियोगिताएं सर्वांगीण शारीरिक विकास के साथ-साथ देश की एकता और अखंडता का संदेश भी देती हैं । जिला विकास अधिकारी भालचंद त्रिपाठी ने शनिवार को महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम से जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में यह बात कही। वह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। बतौर मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं में खेलकूद बेहद जरूरी है । खेलकूद से शारिरिक एवं मानसिक फायदे होते है और वह एक खुशहाल जीवन जी सकता है। प्रतियोगिता में तुषार चौधरी भोजपुर , मुदस्सिर लोनी एवं प्रशान्त चौधरी लोनी ने क्रमश: प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद 1500 मीटर पुरुषों की दौ ? में जोनी कुमार भोजपुर , निक्की मुरादनगर , सोनू मुरादनगर ने क्रमश: प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सीएए के समर्थन में डीएम कार्यालय पहुंचे पूर्व सैनिक

गाजियाबाद। एक तरफ जहां देशभर में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं वहीं शनिवार को गाजियाबाद में पूर्व सैनिकों ने सीएए के समर्थन में शांति मार्च निकालते हुए देश की संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा है कि मुस्लिम भाइयों को इस कानून से कोई नुकसान नहीं है। वे चंद लोगों के बहकावे में आकर उपद्रव न करें। राजनगर स्थित जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे पूर्व सैनिकों ने शनिवार को डीएम के नाम ज्ञापन सौंपते हुए जगह-जगह हो रहे दंगों को बेहद शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह देशहित में नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए लोगों को लगातार भड़का रहे हैं। उबार-बार लोगों को यह बताया जा रहा है कि नए कानून से यहां के मुस्लिम भाइयों को कोई नुकसान नहीं है।

ग्रेनो प्राधिकरण पर 23 को प्रदर्शन करेंगे किसान

नोएडा। अखिल भारतीय किसान सभा के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने गांव बिसरख में ं मीटिंग की। मीटिंग में सैकड़ों की संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे पंचायत की अध्यक्षता रंगीलाल ढहभाटी ने की। सभी वक्ताओं ने 23 दिसंबर के आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुद्ध नगर इकाई पिछले 1 महीने से 23 दिसंबर के आंदोलन के लिए गांवों में व्यापक प्रचार प्रसार कर रही है। किसान सभा के प्रवक्ता डॉ रुपेश वर्मा ने पंचायत में बोलते हुए कहा बीजेपी सरकार आने के बाद प्राधिकरण ने किसानों का एक भी काम नहीं किया है। किसानों की लीज बैक के 2,000 से अधिक प्रकरण लंबित पड़े हैं। पुश्तैनी किसानों की आबादी की लीजबैक के प्रस्तावों की जांच के नाम पर लीज बैक की कार्यवाही रोक रखी है जबकि शासन ने जांच कमेटी का गठन गैर पुश्तैनी किसानों द्वारा लीजबैक नीति का नाजायज लाभ उठाने के संबंध में किया है।

मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना में नई पहल

कॉर्नर के प्लॉट बनाए जाएंगे व्यावसायिक केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) अब एक नई पहल करने जा रहा है जिसके तहत महत्वकांशी मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना में चौराहे पर कोने के प्लाटों को अब व्यवसायिक रूप से विकसित करने के बाद नीलामी के जरिए बेचा जाएगा। इन प्लॉटों के विकसित होने से आवासीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को छोटे-मोटे खरीदारी करने के लिए दूर नहीं नहीं जाना पड़ेगा ।

जीडीए उपाध्यक्ष कंचन वर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि इस योजना का विकास बहुत ही व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा रहा है। हमने कॉलोनी के अंदर ही कुछ व्यवसायिक केंद्र हेतु विकसित करने का निर्णय लिया है। जीडीए की आवासीय योजनाओं में इस प्रकार का यह पहला प्रयोग होगा। उन्होंने बताया कि अगर यह प्रयोग सफल रहा तो जीडीए की आने वाली योजना में भी इसका प्रयोग होगा। आपको बता दें कि मधुबन बापूधाम शहर से करीब 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है यहां पर जीडीए का कार्यालय भी जल्द शिफ्ट होने जा रहा है। इस इलाके में रैपिड रेल योजना विकसित होने जा रही हैं,साथ ही विधायकों को प्लॉटिंग भी इसी योजना के आसपास हुई है। साथ ही बड़े स्तर का बुनकर मार्ट भी यहां पर बनने जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा के चार लोगों का उच्च न्यायिक सेवा में चयन

नोएडा। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायिक सेवा की परीक्षा और इंटरव्यू के बाद आए रिजल्ट में ग्रेटर नोएडा के 4 लोगों का चयन एडीजे पोस्ट के लिए हुआ है। एडीजे पोस्ट के लिए चयनित होने वालों में 3 लोग गांव के हैं। दुजाना गांव के रहने वाले जयवीर नागर जिला बदायूं में एपीओ के पद पर कार्यरत हैं।

इसके साथ ही जयवीर नागर ने उत्तर प्रदेश हायर जुडिशल के लिए भी मेहनत की और दो लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के बाद सफलता प्राप्त की है। माधवी सिंह ग्रेटर नोएडा की रहने वाली हैं। इनका भी हायर जुडिशल में एडीजे की पोस्ट पर सलेक्शन हुआ है।

वार्ड-58 के चुनाव में 26 तक नामांकन, 31 को मिलेगा चिन्ह

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी अजय शंकर पांड्ये ने वार्ड 58 में चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है।

इस वार्ड में होने वाले उपचुनाव में 26 दिसंबर तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने का समय दिन में 11 बजे से 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच का कार्य 27 दिसंबर को दिन में 11 बजे से पूरे दिन किया जाएगा। चुनाव के दौरान जो प्रत्याशी अपना आवेदन वापस लेना चाहते है उनके लिए 30 दिसंबर को 11 बजे से 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इस दिन प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले सकते है। नामांकन पत्रों की जांच के बाद 31 दिसंबर को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा।

वहीं जिलाधिकारी ने बताया कि 14 जनवरी को सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा और यह शाम 5 बजे तक चलगा। 16 जनवरी को मतगणना का काम सुबह 8 बजे से शुरू होगा। देर शाम तक चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

सेब की पेटियों में शराब तस्करी, चार गिरफ्तार

हापुड़। पिलखुवा कोतवाली पुलिस ने 555 पेटी अवैध शराब के साथ चार शराब तस्करों को दो कैंटरों सहित गिरफ्तार किया। हरियाणा से तस्करी कर झारखंड ले जाई जा रही अवैध शराब की कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है।

वहीं थाना प्रभारी महावीर सिंह चौहान ने मय टीम के साथ की तस्करों की गिरफ्तार किया। एएसपी सर्वेश मिश्र ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि पिलखुआ कोतवाली पुलिसने चेकिंग के दौरान दो ट्रक से करीब 556 पेटी अंग्रेजी अवैध शराब बरामद की है जिनकी कीमत करीब 30 लाख की बताई जा रही है।

कड़ाके की सर्दी में मेयर ने किया रैन बसेरों का औचक निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मेयर आशा शर्मा ने कड़ाके की ठंड में शहर के विभिन स्थानों पर स्थापित रेन बसेरों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर निगम अधिकारियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मेयर अपने आवास से देर रात में राज नगर स्थित ग्रीन हाउस, नासिरपुर फाटक, पुराने बस अड्डा, घंटा घर समेत अन्य स्थानों पर गयी और वहां पर स्थापित रैन बसेरों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि रैन बसेरों में गद्दे, कंबल, चादर, रसोई के सामान, मनोरंजन हेतु एल ई डी, स्वच्छ पानी, शौचालय, स्नान घर, आग से सुरक्षा हेतु फायर सिलेंडर, सुरक्षा हेतु गार्ड, सम्पूर्ण प्रकाश व्यवस्था, शीत लहर से बचाव हेतु अलाव की व्यवस्था आदि की सुविधाएं नगर निगम डेरा दी जाती हैं। जिसकी उन्होंने जांच की जांच में सभी उचित पर्याप्त मिली।

रैन बसेरों में रुके हुए लोगों से मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसी भी रेन बसेरों में तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराये और किसी सुविधा से यहां ठहरने वाले लोगों को वंचित ना होने दें।

रैन बसेरे का निरीक्षण करतीं गाजियाबाद की मेयर आशा शर्मा

कॉलेज के छात्रों ने बनाया निर्भया सुरक्षा कवच

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गलगोटिया कॉलेज के छात्र अनुभव ने एचओडी डॉक्टर अंबिका पथी की प्रेरणा से इलेक्ट्रिक सुरक्षा कवच बनाया है।

यह डिवाइस महिलाओं की सुरक्षा करेगा। इसका नाम निर्भया सुरक्षा कवच रखा गया है। यदि कोई व्यक्ति महिला को छूता है तो इस सुरक्षा कवच की मदद से उसे करंट का झटका लगेगा जबकि महिला को इसका कोई नुकसान नहीं होगा। छात्र अनुभव और एचओडी डॉक्टर अंबिका पथी ने बताया कि देश की बेटियों की सुरक्षा के लिए इस इलेक्ट्रिक सुरक्षा कवच का निर्माण किया गया है।

ठंड और घने कोहरे से घरों में दुबके लोग

पहाड़ों में बर्फीली हवा के चलते रात का न्यूनतम तापमान गिरकर 7 से 8 डिग्री के बीच पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पिछले चार पांच दिनों से लगातार ठंड का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। ठंडी हवाओं और कोहरे के चलते तापमान 10 से 12 डिग्री तक पहुंच गया है। रात का न्यूनतम तापमान गिरकर 7 से 8 डिग्री के बीच पहुंच गया है।

इसकी वजह से रात में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिन में हाड कंपाने वाली ठंड की वजह से सड़कों पर सन्नाटा छाया हुआ है। लोगों ने सड़कों पर कोयला की भट्टियां जलाई ताकि बढ़ती ठंड से निजात मिल सके। शुक्रवार को नागरिकता संशोधन बिल के विरोध और आंदोलन को लेकर मामला गर्माया हुआ था। लेकिन बढ़ी ठंड की वजह से लोगों का घर से निकलना भारी पड़ रहा है। शनिवार को सुबह का तापमान 10 डिग्री तक पहुंच गया था। इसकी वजह से लोगों का घर से निकलना कम हो गया है। वैसे ही प्रशासन ने स्कूलों में दो दिन की छुट्टी बढ़ाकर शनिवार को भी कर दी थी। इसकी वजह से सुबह स्कूली वाहन भी सड़क पर नजर नहीं आए। लोग आवश्यक काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे है।

शुक्रवार को शाम को छोटे दुकानदारों और चाय खोमचे वालों ने सात बजे के बाद ही दुकान बढ़ानी बंद कर दी थी। आने वाले दो दिनों में भी ठंड बढ़ने की संभावना कम है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि आगे कुछ दिनों मौसम का मिजाज ठंड ही रहने वाला है। वहीं अगर ठंड इसी तरह जारी रही तो प्रशासन कुछ और दिनों के लिए स्कूली बच्चों की छुट्टियां जारी रख सकता है।

शराब की दुकान में लगी आग दमकल कर्मियों ने पांच को बचाया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना साहिबाबाद के राजेंद्र नगर में मेट्रो स्टेशन के नजदीक एक वाइन शॉप में शुक्रवार को भीषण आग लगने से लाखों नगदी और माल जलकर खाक हो गया। इस दौरान वाइन शॉप के प्रथम तल पर फंसे पांच लोगों को दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन के पीछे वाइन शॉप में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान प्रत्यक्षदर्शियों अशोक ने बताया कि कि इमारत के प्रथम तल पर बने रेस्टोरेंट में कुछ लोग फंसे हुए हैं। जिसके बाद एफएसओ साहिबाबाद मामचंद और उनके सहियोगियों ने आग के बीच में से निकलकर प्रथम तल पर फंसे पांच लोगों को अपने कंधों पर उठाकर आग से बाहर सुरक्षित निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची लगभग 1 घंटे की के बाद आग पर काबू पाया गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

जामिया के बाहर प्रदर्शन, छात्राओं ने संभाला मोर्चा

आंदोलन में शामिल हुए छात्र, संस्थान के पुराने विद्यार्थी और बाहरी लोग

फोटो : रंजन डिमरी

सीएए का विरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने शनिवार को फिर से विश्वविद्यालय परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ दिन पहले ही इसके परिसर और इसके आसपास पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच हिंसक प्रदर्शन हुए थे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा शुरू किए गए प्रदर्शन में बाद में छात्र, संस्थान के पुराने विद्यार्थी और बाहरी भी शामिल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने लड़ के लेंगे आजादी और इन्कलाब जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए छात्राओं ने उनसे प्रदर्शन के दौरान गाली-गलौच या असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं करने के लिए कहा।नागरिकता कानून के विरोध में विश्वविद्यालय विवादों के केंद्र में है।

प्रदर्शन में हिस्सा ले रही 76 वर्षीय महिला नाफीज इकरम ने कहा, आप सभी गलत के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। पीछे मत हटिए। पुलिस से मत डरिए। आप सही पुलिस वाले हैं जो संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। बिहार से आए एक प्रदर्शनकारी ने कहा, धनी लोगों के पास पहचान का सबूत है या वे इसे कहीं से खरीद लेंगे। बिहार और उत्तरप्रदेश से आए मजदूर और श्रमिक कैसे जुटा पाएंगे। पुलिस रविवार को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में बाहरी लोगों और हिंसा एवं आगजनी में शामिल लोगों की तलाश में घुसी थी।

इंडिया गेट पर भी प्रदर्शन किया

इंडिया गेट पर शनिवार को सैकड़ों छात्रों, पेशेवरों और नागरिक समाज संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने संशोधित नागरिकता कानून 'सीएए के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए और और कहा कि नए कानून से देश की धर्मनिरपेक्ष तानाबाना तार-तार हो सकता है। नाम नहीं बताने की शर्त पर दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र ने कहा, बहुत से शिक्षित लोगों को यह जानकारी नहीं है कि देश में क्या हो रहा है। कानून देश के धर्मनिरपेक्ष तानबाने को नष्ट कर सकता है। राष्ट्रीय नागरिक पंजी 'एनआरसी और सीएए मिलकर बड़ी समस्या खड़ी कर सकते हैं।

मारे गए लोगों के परिवारों को 5.5-5.5 लाख रुपये देगा वक्फ बोर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को वह 5.5-5.5 लाख रुपए की वित्तीय मदद देगा। बोर्ड अध्यक्ष और आप विधायक अमानतुल्ला खान ने एक फेसबुक पोस्ट में दावा किया कि सीएए और एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान कर्नाटक के मंगलूर और उत्तर प्रदेश में पुलिस की गोलियों के कारण कई लोग मारे गए। उन्होंने प्रदर्शनों में मारे गए लोगों का विवरण मांगा और कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। इससे पहले खान ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र मोहम्मद मिन्हाजुद्दीन को वक्फ बोर्ड में स्थाई नौकरी और पांच लाख रुपए की मदद दी थी। पिछले सप्ताह पुलिस ने परिसर में कथित रूप से लाठी चार्ज किया था जिससे छात्र की बाइ' आंख की रोशनी चली गई थी।

यूपी भवन के बाहर चार छात्र हुए गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यहां चाणक्यपुरी में उत्तर प्रदेश भवन के समीप संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे चार विद्यार्थियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया। ये विद्यार्थी हाथों में बैनर लेकर उत्तर प्रदेश भवन के बाहर इकट्ठा हुए थे। इन बैनरों पर नो सीएए, नो एनआरसी और सेव कंस्टीट्यूशन लिखा था। पुलिस के मुताबिक विद्यार्थियों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्र हैं। मामला गर्म होने पर पुलिस अभी इन छात्रों से पूछताछ भी कर रही है।

थाने के बाहर अपनों का इंतजार करते रहे परिजन

मध्य जिला स्थित थाना दरियागंज में जमा हुए लोग। फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दरियागंज में हुए हिंसक प्रदर्शन के संबंध में गिरफ्तार किए गए 15 लोगों के परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों की एक झलक पाने के लिए शनिवार को थाने के बाहर इंतजार में खड़े रहे।

गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक के परिवार सदस्य ने थाने के बाहर इंतजार करते हुए कहा, मेरा दामाद अपनी पत्नी को यहां दरियागंज के पास छोड़ने आया था लेकिन उसे हिंसा में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया। इरफान के ससुर मोहम्मद सलीम ने कहा कि इरफान को उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वह नमाज पढ़ने मस्जिद गया था और इसी दौरान नए नागरिकता कानून के खिलाफ शुक्रवार को हो रहा प्रदर्शन अचानक उग्र हो गया था। सलीम ने कहा, उन्होंने (पुलिस ने) हमें उससे बात नहीं करने दी और हमें बताया गया कि गिरफ्तार किए गए लोगों को तीस हजारी अदालत ले जाया गया है।

वहीं एक परिवार के सदस्यों का कहना है कि वह अपने प्रियजनों की खबर पाने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मुकीर को अपने पिता को हिरासत में लिए जाने की जानकारी एक टीवी चैनल से मिली। उसने कहा, मेरे 60 वर्षीय पिता, इलाके में वेल्डिंग की दुकान में काम करते हैं। हंगामे की खबर सुन कर वह बाहर आए थे। लेकिन मैंने टीवी चैनलों पर दो पुलिसकर्मियों को उन्हें ले जाते हुए देखा।

विस में 67 से ज्यादा सीट जीतने का लक्ष्य रखें : केजरीवाल

- राष्ट्रीय परिषद की 8 वीं बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओ को संबोधित किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में 2015 के चुनावों में जीती गई सीटों की अपेक्षा ज्यादा सीट जीतने का लक्ष्य तय करने की जरूरत है। यह बात दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पार्टी सदस्यों से कही। गौरतलब है कि 2015 के विधानसभा चुनावों में आप ने 70 में से 67 सीटें पर जीत दर्ज की थी।

उन्होंने कहा कि पार्टी सदस्यों को आगामी चुनाव पूरी ताकत से लड़नी चाहिए। उन्होंने आठवें राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पार्टी के सदस्यों से कहा, विधानसभा चुनावों में महज एक महीने से थोड़ा अधिक वक्त बचा हुआ है और चूंकि दिल्ली पार्टी का गढ़ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई, इसलिए हमें मजबूती से चुनाव लड़ना होगा। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य भी बहुत बड़ा है। पिछली बार हम 67

सीटों पर जीते और इस बार हमें उससे कम नहीं, बल्कि उससे ज्यादा हासिल करना चाहिए। इस दौरान पार्टी के सदस्य 70 में से 70 के नारे लगा रहे थे। आम आदमी पार्टी इस बार चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की सलाहकार कंपनी आई-पीएसी के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा, मेरी सलाह है कि जो लोग 'सदस्य या वालंटियर बाहर से आए हैं, वे आगामी चुनावों में जो भी जिम्मेदारी लेना चाहें, उन्हें लेना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक अगले वर्ष दिल्ली में होने वाले चुनावों के लिए आप ने अपने सभी सदस्यों एवं वालंटियर को तैयारी एवं प्रचार के लिए राष्ट्रीय राजधानी बुलाया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पाटी ने राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है और भाजपा को दिल्ली में विकास के मुद्दों पर बात करने के लिए बाध्य किया है।

उत्तराखंड की भाषाओं के लिए अकादमी का गठन

नई दिल्ली। उत्तराखण्ड की भाषाओं एवं संस्कृतियों के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिए दिल्ली सरकार ने उत्तराखण्ड के जन मानस की मांग को देखते हुए दिल्ली में गढ़वाली, कुमांउनी एवं जौनसारी अकादमी का गठन किया है। इससे अकादमी के गठन से उत्तराखण्ड एवं पूरे देश में विभिन्न प्रदेशों में रह रहे लोगों के लिये उत्तराखण्ड की विभिन्न भाषाओं को विकास होगा। ये विचार गढ़वाली, कुमांउनी एवं जौनसारी अकादमी द्वारा आयोजित लोक उत्सव' समारोह में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने व्यक्त किये।

घर में मृत पाए गए दंपति, पति पर था लाखों का कर्ज

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

दिल्ली के द्वारिका में स्थित दिचाऊंकलां इलाके में शनिवार को 46 वर्षीय एक महिला और उसके पति का शव उनके घर में पाया गया। महिला का नाम स्नेहा और उसके पति का नाम सुदेश है।

पुलिस ने बताया कि महिला के शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान हैं, जबकि उसके पति का शव छत से फांसी से लटका पाया गया। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि सुदेश पर 13 लाख रुपए का कर्ज था। वह अवसाद में था और उसका इलाज चल रहा था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, सा लगता है कि शुक्रवार रात दंपति के बीच झाड़ा हुआ, उसके बाद सुदेश ने अपनी पत्नी को धारदार हथियार से मार डाला और बाद में खुद को फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि दोनों की शादी 2002 में हुई थी। उनका एक बेटा है, जो 12वीं कक्षा में पढ़ता है और एक बेटी है, जो कक्षा आठ में है।

सांसद गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने पुलिस से शिकायत की है कि उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन कर जान से मारने की धमकी दी गई है। पूवी दिल्ली से सांसद गंभीर ने शाहदरा और मध्य दिल्ली के पुलिस उपायुक्तों को पत्र लिखकर शुक्रवार को मिली धमकी की शिकायत की है। उन्होंने पुलिस से आग्रह किया है कि उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

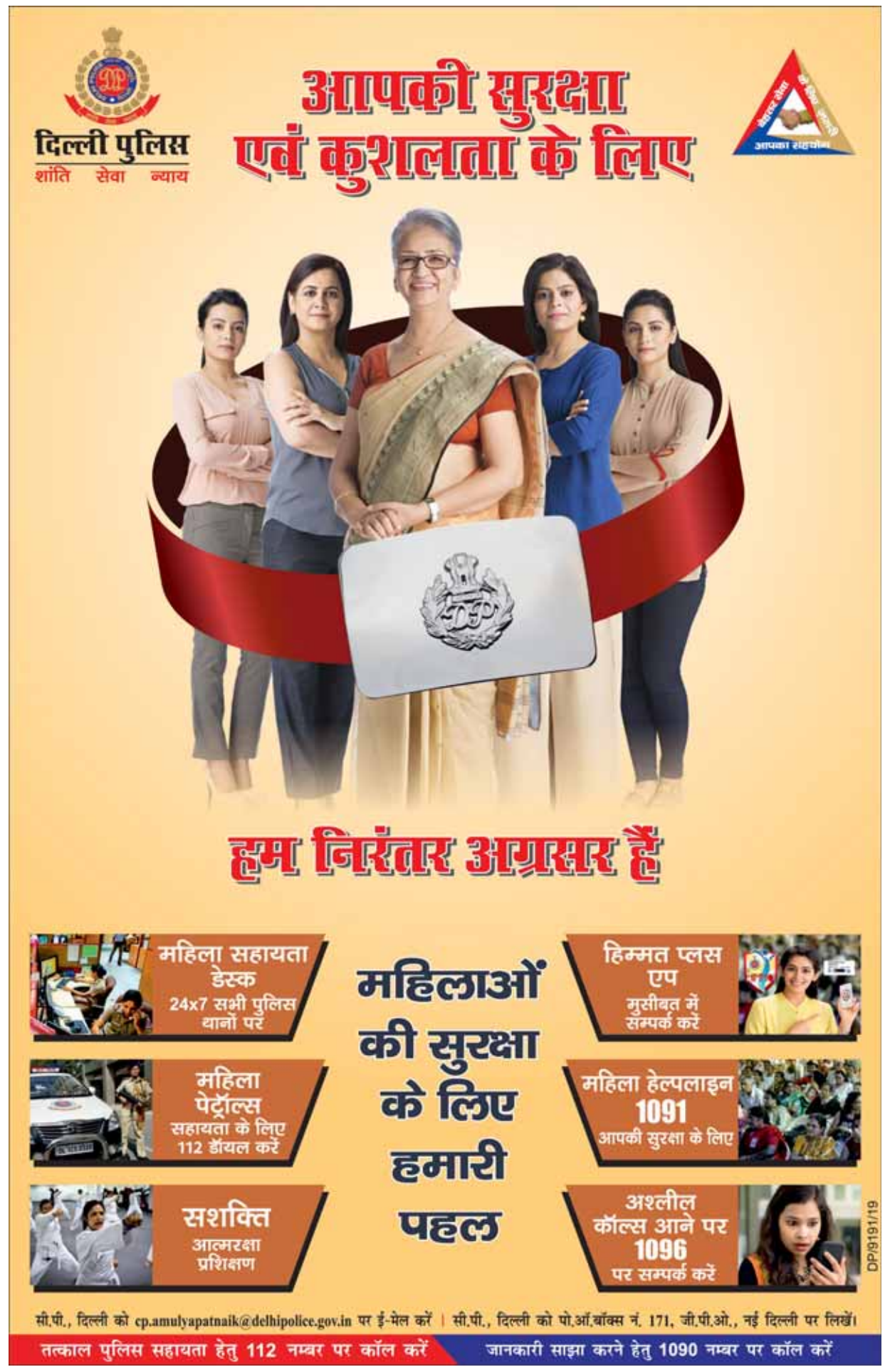

हरियाणवी संस्कृति की विश्व में अलग पहचान: मूलचंद शर्मा

परिवहन मंत्री पहुंचे राज्य स्तरीय बाल महोत्सव में

बच्चों की कला को देख किया गौरवान्वित महसूस

गुरुग्राम स्थित किंगडम ऑफ ड्रीम्स में आयोजित बाल महोत्सव कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा की संस्कृति विश्व में अपनी अलग पहचान रखती है। हरियाणा प्रदेश में हर 20 किलोमीटर पर बोली-भाषा, खानपान, रीति-रिवाज, रहन-सहन बदलता है। ऐसे प्रदेश की संस्कृति को हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद ने गुरुग्राम जिला की धरा पर एक छत के नीचे लाने का काम किया है। यह बात हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कही। वे यहां किंगडम ऑफ ड्रीम्स में आयोजित राज्य स्तरीय बाल महोत्सव में पहुंचे थे। मंत्री मूलचंद शर्मा ने इस राज्य स्तरीय बाल महोत्सव-2019 को बच्चों का महाकुंभ बताया और कहा कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद ने प्रदेश के बच्चों को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान किया है, जो देश व प्रदेश की संस्कृति की अनेकता में एकता प्रदर्शित करता है। यह ऐसा मंच है जो बच्चों की कल्पना को साकार करता है। उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गये कार्यक्रमों की भी प्रशंसा की और कहा कि इस मंच पर देश की अलग अलग संस्कृतियों से जुड़ी प्रस्तुति दी जा रही है, जो काफी आकर्षक है।

उन्होंने कहा कि बच्चे बहुत मासूम होते हैं और हम उनमें बचपन से जैसा भाव भरेंगे, बड़े होकर वे वैसे ही बनेंगे। उन्होंने बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की भी प्रशंसा की और कहा कि बच्चों द्वारा बहुत ही सुंदर कलाकृतियां यहां प्रदर्शित की गई हैं, जो कि बहुत ही जीवंत है। उन्होंने आयोजकों को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी और हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद को 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

इस अवसर पर पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश ने भी अपने विचार रखे। इससे पूर्व गेल की डायरेक्टर एवं भाजपा की उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि-संघर्ष करो, शिक्षित बनो और संगठित रहो, ताकि भविष्य में भारत देश को उन्हें सोने की चिड़िया बना सकें।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बच्चों व समाज के उत्थान के लिए कार्यरत है ताकि भविष्य में बच्चे शिक्षित बने और आजीविका के साधन जुटा सकें।

कल चार फीडरों पर पावॅर कट रहेगी

सोहना। सोमवार को सोहना सबडिविजन के चार फीडरों पर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई का कट रहेगा। सोमवार को 400 केवीए की कादरपुर-सोहना बिजली सप्लाई की नई लाइन पर तार खिंचने का कार्य किया जाएगा। सोहना के 66 केवीए पॉवर हाउस प्रभारी एसएसई राजबीर सिंह ने बताया कि सोमवार को सबडिविजन के 4 फीडरों पर 7 घंटे का पॉवर कट रहेगा। जिसमें बेरका, रामनगर घरेलू बिजली सप्लाई फीडर, रायसीना क्रेसर जोन तथा रोजका मेव 33 केवीए पावॅर हाउस की सप्लाई बाधित रहेगी। एसएसई ने बताया कि सोमवार को निगम की 400केवीए कादरपुर-सोहना नई लाइन का काम किया जाना है।

संक्षिप्त समाचार

फर्रूखनगर की महिलाओं ने तंत्र-मंत्र के खिलाफ खोला मोर्चा

गुरुग्राम। क्षेत्र में तंत्र विद्या को लेकर नित नए मामले सामने आ रहे हैं। जिसे लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन तंत्र विद्या करने वालों को काबू पर लगाम लगाने की बात कह रही है। वहीं दूसरी ओर अपने बच्चों की हिफाजत के लिए महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है। फर्रूखनगर की बालाजी कालोनी में में महिलाओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अब तो बच्चों को बाहर भेजने से भी डर लगता है। ना जाने कौन बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाए। कुछ दिन पहले वार्ड नंबर-3 की भूतले हवेली में कुछ तंत्र का कार्य किया गया था। अब एक और मामला सामने आया, जिसमें एक 11 वर्षीय बच्चे को लेकर तांत्रिक विद्या को अंजाम दिया जा रहा था। शुक्र है समय रहते उस बच्चे की मां मौके पर पहुंच गई वरना नतीजा कुछ भी हो सकता था। महिलाओं ने मांग की है कि पुलिस प्रशासन को चाहिए कि इन क्रियाओं में संलिप्त लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाये। बालाजी कॉलोनी निवासी शांति शर्मा, सरगली देवी, नीतू, मुन्नी, बबीता,चम्पा, जीया, सुनीता, पारों, लक्ष्मी, मोना, सीमा, सुकन, गोविंद आदि का कहना है कि तांत्रिक आया तो गांव और घर का नाश हुआ। तांत्रिक ज्यादातर महिलाओं का बरगलाते हैं। महिलाओं को इन से बच कर रहना चाहिए। पुलिस को भी मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। 80 वर्षीय सरगली देवी का कहना है कि बच्चे बाहर भी खेलते हैं और स्कूल भी जाते हैं। रास्ते में बच्चों का अपहरण किया जा सकता है इसके लिए पुलिस प्रशासन के अलावा हमें सतर्क रहना पड़ेगा। पूर्व नगर पालिका प्रधान माया शर्मा का कहना है कि जहां भी यह तांत्रिक मिले उन्हें तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया जाना चाहिए। तांत्रिक को घर में घुसने ही न दें। पुलिस को इस मामले में सख्ती बरतनी होगी तभी इस पर लगाम लग पाएगी। वहीं इस मामले को लेकर थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पुलिस ने दो चोर किए गिरफ्तार

गुरुग्राम। घरों में चोरी, ऑटो रिक्शा में बैठी सवारियों से चोरी समेत अन्य प्रकार से चोरियां करने की वारदातों को अन्जाम देने वाले दो शातिर चोरों को क्राइम ब्रांच सेक्टर-31 गुरुग्राम की पुलिस टीम ने किया काबू है। शनिवार को यहां एसीपी क्राइम ने पत्रकार वार्ता करके इन चोरों का अपराधिक रिकॉर्ड मीडिया के समक्ष रखा। अपराध शाखा सेक्टर-31 गुरुग्राम की पुलिस टीम ने चोरियों की वारदात को अन्जाम देने वाले दो शातिर चोरों को काबू किया। दोनों को गुरुग्राम के चकरपुर से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में राकेश ठाकुर उर्फ साधू पुत्र सपुन थैन्कस निवासी दाबुरिया, जिला नादिया, पश्चिम बंगाल और उत्तमदास पुत्र दलीपदास निवासी बंगाल जिला हावड़ा, बंगाल शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से पुलिस को विभिन्न स्थानों से चोरी किए गए दो लैपटॉप, कानों, पैरों, गले के आभुषण, लैपटॉप चार्जर, विदेशी चिल्लर इत्यादि बरामद हुआ है। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में घरों में चोरी, ऑटो रिक्शा में बैठी सवारियों की जेब से चोरी व अन्य स्थानों से विभिन्न प्रकार से चोरियां करने की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

जेजेपी के महासचिव ने लोगों को कराई सदस्यता गृहण

नूंह। जेजेपी के अल्पसंख्यक प्रदेश महासचिव अकबर लहरवाड़ी अपनी जिम्मेदारी पर खरा उतरते हुए लगातार लोगों को जेजेपी पार्टी की सदस्यता गृहण करा कर जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। महासचिव का कहना है कि इलाके में लोगों को सदस्यता दिलाने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है, ताकि जेजेपी पार्टी को मजबूत किया जा सके। शनिवार को जेजेपी प्रदेश महासचिव अकबर लहरवाड़ी ने अपने गांव में दर्जनभर से अधिक लोगों को पट्टा पहनाकर पार्टी के बारे में जानकारी देते हुए सदस्यता गृहण कराकर पार्टी को मजबूत करने का कार्य किया।

लागों ने एनआरसी, सीएए के समर्थन में निकाला जुलूस

गुरुग्राम। सीएए और एनआरसी का समर्थन करते हुए बिल को राष्ट्रहित में ठहराते हुए राष्ट्रवादी मंच और भारतीय किसान संघ के बैनर तले विभिन्न संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम पटौदी के तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। इससे पहले भारतीय किसान संघ के प्रदेशाध्क्ष मास्टर ओम सिंह चौहान, एडवोकेट सुधीर मुदगिल, भूपेंद्र चौहान बोहड़ाकला, आरएसएस के नरेंद्र पहाड़ी, सुनील चौहान, रविंद्र नवीन कुमार, अतरजीत सिंह, लोकेश गुप्ता, नीलम रामपुर, संजय, कुलवंत कुमार, टींकू पहाड़ी, रणजीत जाटौली, सत्यपाल, सरपंच एकता मंच के जिलाध्यक्ष सरपंच अजित सिंह सहित अनेक लोग समर्थन में नारे, नरेंद्र-अमित तुम आगे बढ़ो-देश तुम्हारे साथ है, गुंडागर्दी देश में नहीं चलेगी, वंदे मातरम-वंदे मातरम, लोकतंत्र जिंदाबाद-लोकतंत्र जिंदाबाद जैसे नारे लगाते हुए पटौदी के शिव मूर्ति पार्क से यहां लघु सचिवालय पहुंचे। इसके बाद में सभी ने मिलकर पटौदी के तहसीलदार सतीश कुमार को भारत के राष्ट्रपति के नाम से सैकड़ो हस्ताक्षर युक्त एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर भी लोगों ने नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, भारत मां की जयघोष के गगनभेदी नारे लगाये और सीएए और एनआरसी को पूरी तरह से राष्ट्र के हितकारी बताया।

डॉ. संदीप कटारिया को मिला नेशनल अचीवर अवार्ड

गुरुग्राम। सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सामाजिक संस्था क्राइम रिफार्मर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संदीप कटारिया को सामाजिक संस्था सहसा सोल्यूशन द्वारा नेशनल अचीवर अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। संस्था के प्रवक्ता से बताया कि डा. कटारिया को यह सम्मान गुरुग्राम-दिल्ली सीमा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री कृति सेनन द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के आयोजकों ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डा. कटारिया समाज के जरुरतमंद लोगों के प्रति निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। अन्य युवाओं को भी उनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। डा. कटारिया ने संस्था को आश्वस्त किया कि वह भविष्य में इसी प्रकार समाजसेवा के कार्य करते रहेंगे।

नाटक कोर्ट मार्शल का मंचन आज

गुरुग्राम। सेक्टर-12 स्थित विवेकानंद आरोग्य केंद्र में रविवार को स्वदेश दीपक द्वारा लिखित व प्रमोद कुमार द्वारा निर्देशित हिंदी नाटक कोर्ट मार्शल का मंचन किया जाएगा। नेपथ्य फाउण्डेशन के प्रवक्ता राजेंद्र रावत ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संस्था की शुरुआत 3 वर्ष पूर्व हुई थी, जिसके करीब 20 कलाकार शामिल हैं। कई कलाकार सदस्य टीवी धारावाहिक, फिल्मों में भी कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला, सोहना विधायक संजय सिंह व भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष मनीष यादव शामिल होंगे।

मिल्क प्लांट समेत तीन संस्थानों पर चला एनजीटी का हंटर, जुर्माना भी ठोंका गया

निरीक्षण पर पाया गया पर्यावरण उल्लंघन का दोषी

दो होटल एवं ढाबों पर भी लगाया दो-दो हजार रुपये जुर्माना

गुरुग्राम के खंड पटौदी के पास मिल्क प्लांट व उनके पास पड़ी गंदगी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नवाब की नगरी पटौदी में एक मिल्क प्लांट समेत तीन संस्थानों पर एनजीटी का हंटर चला है। इसमें मिल्क प्लांट पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है, वहीं होटल एवं ढाबे पर दो-दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

पटौदी के सब डिवीजन मजिस्ट्रेट राजेश कुमार प्रजापति ने कहा कि किसी को भी एनजीटी के आदेशों का उल्लंघन करने पर बख्शा नहीं जायेगी। पटौदी क्षेत्र में पर्यावरण के मानक की अनदेखी सहित प्रदूषण फैलाने के मामले में चंद्र मिल्क प्लांट पर लगाया गया 50 हजार रुपये का जुर्माना अभी तक का सबसे बड़ा और पहला जुर्माना है।

जानकारी के मुताबिक पटौदी-बिलासपुर के बीच में ऊंचा माजरा गांव के पास में चंद्र मिल्क प्लांट परिसर का पटौदी सब डिवीजन मजिस्ट्रेट राजेश कुमार के द्वारा औचक मुआयना किया गया। मिल्क प्लांट परिसर में ही कथित रूप से और पर्यावरण के नॉर्म्स के विरुद्ध यहां पर खुले में लापरवाही में डस्ट (कूड़ा-करकट) फेंका हुआ पाया गया। इसे संबंधित अधिकारी द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सेक्शन 15 के तहत पाल्यूशन का सीधा वायलेंस पाया गया। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दस अप्रैल 2015 के जारी निर्देशों के मुताबिक ही पटौदी के सब डिवीजन मजिस्ट्रेट राजेश कुमार के द्वारा चंद्र मिल्क प्लांट पटौदी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माना राशि का भुगतान हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ग्रुरुग्राम के पक्ष में डीडी के माध्यम के करने के आदेश जारी किये हैं।

इसी प्रकार से पटौदी कोर्ट के ही सामने नरहेड़ा मोड़ पर पवन पहलवान फैमिली होटल तथा पवन फैमिली ढ़ाबा को भी खुले में कूड़ा-करकट डालने का मौका मुआयना पर दोषी पाया गया। एबीआरसी बिरेंद्र के मुताबिक इन दोनों ही होटल और ढ़ाबा को पहले नोटिस जारी किये जा चुके थे। लेकिन फिर से निरीक्षण करने पर दोनों को ही खुले में कूड़ा-कचरा फेंकने का दोषी पाया गया।

इन दोनों होटल और ढाबा पर क्रमश: 2-2 हजार रुपये का जुमानज़ किया गया है। एसडीएम राजेश प्रजापति ने साफ कहा कि किसी को भी पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने का हक नहीं है। भविष्य में भी अगर किसी ने ऐसा किया तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

प्रदेश के बच्चों की प्रतिभा निखारने को मिला बेहतर मंच : बराला

गुरुग्राम। राज्य स्तरीय बाल महोत्सव -2019 के माध्यम से इस बार प्रदेश के बच्चों को एक ऐसा मंच मिला है, जिसके जरिए उनमें आत्मविश्वास के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को निखारा जा रहा है। यह बात बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला ने यहां किंगडम ऑफ ड्रीम्स में चल रहे राज्य स्तरीय बाल महोत्सव में बोलते हुये कही।

उन्होंने कहा कि यहां बच्चों को मौज मस्ती के साथ नई चीज़ें देखने का मौका मिल रहा है जोकि सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश आज दिन दुगनी रात चौगुनी उन्नति कर रहा है। उसी का परिणाम है बाल महोत्सव को आज इतना विशाल स्वरूप मिला है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में व्यक्तित्व निर्माण होता है ताकि सशक्त समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए जरूरी है कि हम इस दिशा में एकजुट होकर प्रयास करें और उन्हें अच्छे संस्कार दें। यदि बच्चों में शुरू से ही अच्छे संस्कार विकसित किए जाएंगे तो निश्चित तौर पर ही हमारा देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए आयोजको को बधाई दी।

इस अवसर पर सोहना के विधायक संजय सिंह ने भी अपने विचार रखे और कहा कि बाल महोत्सव में बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रम व बनाई गई कलाकृतियां अत्यंत आकर्षक है। उन्होंने इस अवसर पर आयोजकों को बधाई दी और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

डिलीवरी के दौरान बरती लापरवाही की सीएम से शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिला नागरिक अस्पताल मांड़ीखेड़ा में तैनात डाक्टरों की लापरवाही की शिकायत अब लोग सीएम तक भी करने लगे हैं, क्योंकि यहां पर तैनात डाक्टर अपनी मनमानी से बाज नहीं आते।

नूंह जिले के मानौता गांव के रहने वाले यूनुस पुत्र नूर मोहम्मद ने सीएम विंडो में दी गई शिकायत में मांड़ीखेड़ा अल-आफिया अस्पताल में डिलीवरी कराने के लिए तैनात महिला डाक्टरों पर डिलीवरी के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अपने भाई की पत्नी को डिलीवरी के लिए मांड़ीखेड़ा के अस्पताल में लेकर गए थे।

उनका आरोप है कि महिला के लगातार ब्लीडिंग हो रही थी, जिसके कारण उसके हालात गंभीर हो चुके थे। लेकिन मांड़ीखेड़ा में तैनात महिला डाक्टरों ने कई घंटों तक भी महिला की सूझ-बूझ नहीं ली। जिसके कारण पीड़ित महिला के हालात और ज्यादा गंभीर होते चले गए। शिकायतकर्ता ने बताया कि जब डाक्टरों से इस बारे में कहा सुनी की गई तो उन्होंने कोई ठोस जवाब ना दिया। हालात ये बन कि महिला की हालत को गंभीर अवस्था में देखते हुए मांड़ीखेड़ा अस्पताल से निकाल कर प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया।

तब जाकर महिला की डिलीवरी सही सलामत हुई और उसकी जान बच पाई। शिकायतकर्ता ने सीएम विंडो व एसडीएम को दी शिकायत में इलाज के दौरान लापरवाही बरतने वाले स्टाफ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 बच्चों की जांच

गुरुग्राम। गुरुकुल वेल्फेयर एसोसिएशन संस्था द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर चैंपियन पैन प्ले स्कूल मारुति विहार में लगाया गया। इसमें करीब 150 बच्चों की जांच की गई। बच्चों के स्वास्थ्य जांच के साथ उन्हें सही खानपान और साफ-सफाई के प्रति भी जागरूक किया गया।

गुरुकुल वेलफेयर एसोसिएशन की संस्थापक अमिता सिंह के मुताबिक इस शिविर में चाइल्ड स्पेशलिस्ट डाक्टर अमिता गुप्ता, जनरल फिजिशियन डा. जेपी मलहोत्रा नेत्र रोग विशेष डा. देवेन्द्र ने जांच की।

सोहना मंडी में छोटे-बड़े दुकानदारों में बनी टकराव की स्थिति

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना सब्जी मंडी में कमिशन एजेंट(आढ़ती) और छोटें दुकानदारों के बीच कमिशन को लेकर तनातनी का माहौल बना हुआ है। सब्जी के छोटे दुकानदारों ने कमिशन एजेंटों के खिलाफ एसडीएम को लिखित में शिकायत करते हुए नियत से अधिक कमिशन लेने का आरोप लगाया है। वहीं एसडीएम ने उक्त शिकायत को निपटाने के लिए मार्केट कमेटी सचिव को आदेश जारी कर दिए हैं।

सोहना की सब्जी मंडी में पिछले एक सप्ताह से छोटे दुकानदार और कमिशन एजेंटों में (आढ़ती) 10 फीसदी कमिशन लेने पर टकराव चला आ रहा है। कमिशन एजेंट द्वारा छोटें दुकानदार 5 फीसदी कमिशन को बढ़ा कर दस फीसदी करने को गलत बता रहे हैं। जिसकी शिकायत एसडीएम डॉक्टर चिनार को लिखित में दी गई है। छोटे दुकानदारों का आरोप है कि आढ़ती रेहड़ियों को अपना माल कम कीमत पर बेच रहे हैं, जबकि मंडी में बैठे करीब 200 छोटे दुकानदारों का कारोबार ठप होने लगा है।

सब्जी मंडी में 40 से 50 फीसदी ही ग्राहक आ रहा है। सब्जी यूनियन के उपप्रधान खेमचंद सैनी ने बताया कि कमिशन एजेंट आढ़तों के सामने सरकारी फड़ों पर सब्जी को थोक में बेच रहे हैं। जिससे मंडी में बैठे सब्जी के छोटें दुकानदारों का कारोबार ठप होने के कगार पर है।

सोहना सब्जी मंडी में बैठे छोटे दुकानदार।

क्या कहते हैं कमिशन एजेंट

कमिशन एजेंट यूनियन के प्रधान उमेश (कोकी) ने बताया कि छोटे दुकानदारों का आरोप लगत है। जितने भी छोटें दुकानदार सब्जी मंडी में बैठे हैं। वे 60 फीसदी किसान हैं। जो अपने खेतों से सब्जियां अपनी दुकान पर लाकर बेचते हैं। जो आढ़त और मार्केट फीस नहीं कटवाते हैं। उन्होंने बताया कि छोटे दुकानदार भी आढ़ती से दो गुणा कीमत पर सब्जियां ग्राहक को बेच रहे हैं। जो ग्राहक की जेब पर सीधी कैची चलाते हैं। प्रधान ने बताया कि अधिक पैस उधार होने पर छोट दुकानदार बड़ें दुकानदारों पर आरोप लगाते रहे हैं।

मिलेनियम सिटी में गरजे होंडा श्रमिक

श्रमिक नेताओं ने औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ रही अशांति पर की सरकार के हस्तक्षेप की मांग

विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कमला नेहरू पार्क में होंडा से निकाले गए श्रमिकों के धरने को संबोधित करते कर्मचारी नेता बलदेव घणघस व मौजूद श्रमिक।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वैसे तो पूरा साल मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में श्रमिक आंदोलन जारी रहे। कई आंदोलन लंबे भी चले। साल के जाते-जाते अब एक नया आंदोलन होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में भी हो गया। कंपनी से निकाले गये श्रमिकों की बहाली को लेकर यहां ट्रेड यूनियन काउंसिल के बैनर तले धरना देकर कर्मचारी नेताओं ने एक स्वर में मांग की कि बिना किसी शर्त के होंडा कंपनी से निकाले गये श्रमिकों को वापस लिया जाये।

आपको बता दें कि कंपनी ने करीब ढाई हजार अस्थायी श्रमिकों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसी को लेकर शनिवार को ट्रेड यूनियन काउंसिल के बैनर तले निकाले गये श्रमिकों के साथ मिलकर बाकी संगठनों के श्रमिक नेताओं ने यहां कमला नेहरू पार्क में श्रमिकों को जल्द वापस लेने की मांग की। साथ ही सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। धरना-प्रदर्शन में बोलते हुये कर्मचारी नेता बलदेव सिंह घणघस ने कहा कि होंडा कंपनी से ढाई हजार अस्थायी श्रमिकों को निकालना दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले 46 दिनों से श्रमिक शांति पूर्ण धरना दे रहे हैं, लेकिन कोई उनकी सुनवाई नहीं हो रही।

श्रम विभाग के अधिकारियों व प्रशासन तक को ज्ञापन दिये जा चुके हैं, लेकिन कोई बात आगे नहीं बढ़ी। इस कारण से पूरे औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि शांतिप्रिय ढंग से धरना दे रहे श्रमिकों को कुछ तथा-कथित व्यक्ति हटवाने का दबाव बना रहे हैं। धरने पर बैठे श्रमिकों को डराया, धमकाया जा रहा है। जिसको लेकर श्रमिकों, श्रमिक संगठनों में रोष है। सरकार से मांग है कि इस मामले में हस्तक्षेप करके श्रमिकों व प्रबंधन के बीच समझौता कराकर श्रमिकों को नौकरी पर बहाल किया जाए। क्योंकि उनके परिवारों को रोटी का संकट हो गया है।

पांच नवम्बर 2019 से इन ढाई हजार श्रमिकों को निकाल गया था। इसलिए 18 महीनों से पेंडिंग यूनियन के सामूहिक मांग पत्र पर समझौता कराया जाये। साथ में प्रधान, महासचिव सहित आठ निलंबित श्रमिकों को सवेतन ड्यूटी पर लिया जाये। श्रमिकों ने विधायक सुधीर सिगंला को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

सोहना के डाकघर में नौ दिन से सर्वर डाउन

सोहना के डाकघर के बाहर आम उपभोक्ता, पेंशनधारक व डाक विभाग के कर्मचारी नेट चालू होने का बाहर बैठकर इंतजार करते हुए।

सोहना। सोहना के मुख्य डाकघर का पिछले नौ दिन से सर्वर डाउन होने से कामकाज ठप पड़ा है। पेंशन उपभोक्ता ठिठुरन भरी सर्दी के मौसम में पांच दिन से बिना पेंशन लिए अपने घरों को खाली हाथ लोट रहे हैं। करीब 1500 उपभोक्ताओं को नेट ठप होने के कारण इस बार पेंशन नहीं मिली है।

सोहना के मुख्य डाकघर का नौ दिन से सर्वर डाउन होने के कारण पेंशन वितरण से लेकर डाक मेल का कामकाज ठप पड़ा है। हाड़कपा देने वाले इस सर्दी के मौसम में सैकड़ों की संख्यां में वृद्ध पेंशन उपभोक्ता डाकघर आते है। जो खुले आमसान के नीचे बैठकर नेट चलने का इंतजार दो से तीन घंटा तक करने के बाद बैरंग अपने घरों को लौट रहे हैं। पेंशन उपभोक्ता रामकली का कहना है कि वह एक माह से बीमार है। डाक्टर ने उसे सर्दी के मौसम में घर से बाहर निकलने से भी मना किया हुआ है। वह तीन दिन से डाकघर में आ रही है। लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण खाली हाथ अपने घर को चली जाती है। डाक विभाग के सुपरीटैंडंट विरेन्द्र सिंह ने बताया कि सर्वर का नया बोक्स शनिवार की शाम तक लग जाएगा। यहां के खाली एक पद पर कर्मचारी की नियुक्ति कर दी है। सोमवार से नेट सही चलने पर पेंशन वितरण से लेकर अन्य कार्य नियमित रूप से होंगे।

युवती को बंधक बनाकर किया गैंगरेप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

थाना छांयसा इलाके स्थित अपने घर में सो रही एक युवती को गांव के चार युवकों ने नशीली चीज सुंघाकर बेहोश कर दिया। फिर आरोपी युवती को कार में डाल कर दिल्ली स्थित एक मकान में ले गए। जहां आरोपियों में शामिल दो युवकों ने युवती के साथ कई बार गैंगरेप किया। दुष्कर्म के दौरान आरोपियों ने युवती का अश्लील एमएमएस भी तैयार कर लिया। अगले दिन आरोपी युवती को उसके घर के पास छोड़कर फरार हो गए। घटना गत चार नवंबर की है। युवती इतने दिनों तक लोकलाज के डर से चुप रही। अब उसने परिजनों की मदद से पुलिस में मामला दर्ज करवाया है।

महिला थाना बल्लभगढ़ में दर्ज मामले के मुताबिक एक गांव में रहने वाली 19 वर्षीय एक युवती ने अपनी शिकायत में कहा है कि गत चार नवंबर की रात को वह अपने घर में सो रही थी। उसी दौरान इसी गांव में रहने वाले चार युवक उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने आते उसे नशीली चीज सुंघाकर बेहोश कर दिया। जिसके बाद आरोपियों ने उसे अपनी कार में डाल लिया। आरोपी उसका अपहरण कर दिल्ली स्थित एक मकान में ले गए। जहां उसे होश आने पर पता चला कि वह एक कमरे में बंद है। आरोपियों में शामिल दो युवक कमरे के अंदर थे। जबकि अन्य दो युवक बाहर पहरेदारी कर रहे थे।

पीड़िता के मुताबिक अंदर मौजूद दोनों युवकों ने उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। उसने विरोध किया, तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देने लगे, जिससे वह बुरी तरह सहम गई। इसके बाद दोनों आरोपियों ने उसके साथ गैगरेप करना शुरू कर दिया।

दुष्कर्म के दौरान आरोपी उसका अश्लील वीडियो भी तैयार करते जा रहे थे। वारदात को बाद आरोपियों ने उसे यह बात किसी को न बताने की हिदायत दी। बताए जाने पर वे एमएमएस इंटरनेट पर अपलोड कर उसे बदनाम करने और उसके भाईयों की हत्या करने की धमकी दे रहे थे। अगले दिन आरोपी उसे घर के पास छोड़कर चले गए। उस समय लोकलाज और सदमे की वजह से उसने यह बात परिजनों को नहीं बताई। सदमे की वजह से वह हर समय गुमशुम रहने लगी। परिजनों द्वारा लगातार पूछताछ करने पर गतदिवस उसने सब कुछ बता दिया और पुलिस को शिकायत दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिर्जापुर में जानवरों का दवाखाना शुरू

फरीदाबाद। पशुओं की बीमारी में सभी प्रकार की दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राजकीय पशु चिकित्सालय मिर्जापुर, बल्लभगढ़ में पशु औषधि स्टोर का शुभारंभ किया गया है। स्टोर का उद्घाटन जिला उपनिदेशक डॉक्टर रणवीर सिंह भाकर ने किया। डॉक्टर रणवीर सिंह ने बताया कि पशुपालन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के निर्देशानुसार यह स्टोर पशु स्वास्थ्य कल्याण समिति के बजट से खोला गया है, जिसमें पशुपालक पशु की आकस्मिक बीमारी की स्थिति में अपने पशु का आसानी से इलाज करवा सकते हैं। यदि पशुपालक चाहे, तो पशु ठीक होने के बाद बाजार से खरीद कर पशु औषधि स्टोर में जमा करवा कर अपनी राशि वापस प्राप्त कर सकता है। इस दौरान मुख्य रूप से पशु चिकित्सक डॉक्टर सचिन धनखड़, वीएलडीए डॉ. राजबेल देशवाल, डॉ. भीष्म तंवर, डॉ. महेंद्र सिंह, दिनेश भारद्वाज एवं पशु सहायक सौरभ, रिकू, विक्रम, कविता मौजूद थे।

दबंगों ने प्याज और चटनी न देने पर ढाबे में की तोड़फोड़, मारपीट

महंगाई की रार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्याज के दामों में लगातार बढ़ोतरी के कारण ढाबा संचालकों ने सलाद में प्याज इस्तेमाल करना बंद कर दिया। तिगांव रोड पर स्थित एक ढाबे में इस बात पर युवक इतनी बुरी तरह खफा हो गए कि उन्होंने ढाबे में जमकर तोड़फोड़ की और कर्मचारियों की भी पिटाई कर दी। पुलिस के आने से पहले ही आरोपी फरार हो गए। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो जाने पर पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

तिगांव रोड पर स्थित एक ढाबे पर शुक्रवार की रात करीब 11 बजे संचालक ढाबा बंद कर रहा था। तभी कुछ युवक खाना खाने पहुंचे। खाना खाने के दौरान युवक संचालक से प्याज व चटनी देने के लिए कहने लगे। संचालक ने उन युवकों से प्याज और चटनी न होने की बात कही। आरोप है कि इस पर युवक उसके साथ गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर आरोपी युवकों ने देख लेने की धमकी दी और वह वहां से चले गए।

आरोप है कि थोड़ी ही देर बाद ये युवक लाठी-डंडों व पत्थरों से लैस होकर ढाबे पर पहुंचे और हमला शुरू कर दिया। आरोपियों ने ढाबे के सामान, क्रॉकरी आदि को तोड़ते हुए मेज-कुर्सी को उठाकर बाहर फेंक दी। इस घटना में ढाबे का काफी सामान क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद हमलावर धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। युवकों द्वारा की गई इस वारदात की सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ित व्यक्ति ने मामले की शिकायत पुलिस को कर दी है। इस हमले में ढाबे के कर्मचारियों को भी चोट लगी हैं। चावला कॉलोनी चौकी प्रभारी बलवीर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन बाद में पीड़ित ने शिकायत देने से इनकार कर दिया। दोनों पक्षों का आपस में समझौता हो गया है।

सर्दी से बचने को अलाव में हाथ ताप रहे चार मजदूर झुलसे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 15 स्थित एक मकान में रंग-रोगन का काम कर रहे चार युवक सर्दी से राहत पाने के लिए आग जलाकर हाथ तापने लगे। उसी दौरान आग में थिनर की बोतल गिर जाने से आग भड़क गई, जिसकी चपेट में आकर चारों युवक झुलस गए। चारों को इलाज के लिए बीके अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक शहर में रहने वाले रामरेश, विवेश, भैरो और ज्ञानी नामक युवक लोगों के घरों में रंग-रोगन करने का काम करते हैं। इन दिनों चारों एक ठेकेदार के माध्यम से सेक्टर 15 स्थित एक मकान में रंग रोगन का काम कर रहे थे। अन्य दिनों की तरह शनिवार की दोपहर को भी तीनों अपने काम पर आए हुए थे। दोपहर को सर्दी से राहत पाने के लिए चार एक जगह आग जलाकर कुछ देर हाथ तापने के लिए बैठ गए। उसी दौरान थिनर से भरी बोतल अचानक आग में जा गिरी, जिससे आग बुरी तरह भड़क गई। उसकी चपेट में आकर चारों झुलस गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह को आग को बुझाने के बाद चारों को अस्पताल पहुंचा दिया।

बच्ची से अश्लील हरकतें करने पर टीचर को छह साल कैद

फरीदाबाद। कोचिंग लेने आई मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकतें करने वाले टीचर को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सरताज बासवाला की अदालत ने छह साल की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत में पेश मामले के मुताबिक ग्रेटर फरीदाबाद की एक महिला ने 11 सितंबर, 2018 को यह केस महिला थाना सेंट्रल जोन में दर्ज करवाया था कि उसके तीन बच्चे हैं, जिसमें से 10 साल की बेटी और 12 साल का बेटा भारत कॉलोनी में राहुल के पास ट्यूशन पढ़ने जाते थे। 10 सितंबर को भी दोनों बच्चे राहुल के पास पढ़ने गए थे। उसी दौरान राहुल बच्ची को एक अलग कमरे में ले गया। जहां आरोपी ने कमरे की लाइट बंद कर बच्ची से अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दीं। बच्ची ने डर की वजह से रोना शुरू कर दिया, तो उसका भाई वहां पहुंच गया। राहुल ने यह बात किसी को न बताने की हिदायत देकर दोनों को घर भेज दिया। घर पहुंचकर बच्ची ने आरोपी की हरकत के बारे में बता दिया। बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। यह मामला तभी से अदालत में विचाराधीन था। शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई है।

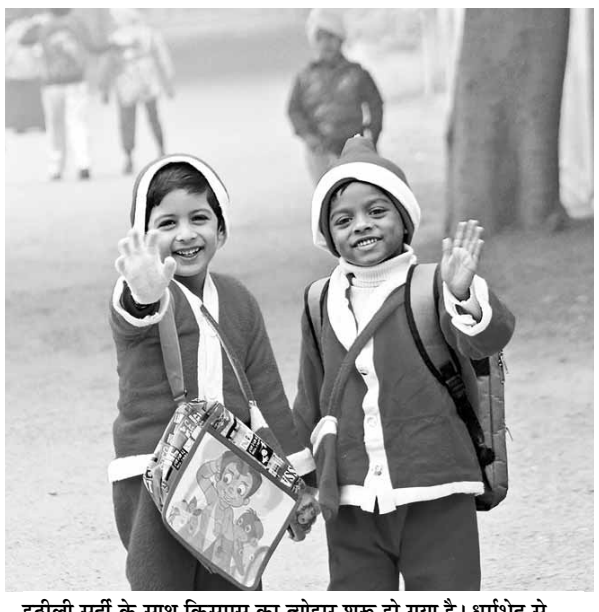

हठीली सर्दी के साथ क्रिसमस का त्योहार शुरू हो गया है। धर्मभेद से ऊपर उठकर बच्चे स्कूलों में क्रिसमस एंज्वाय कर रहे हैं। एनएच पांच में दो बच्चे सेंटा बनकर स्कूल जाते हुए।

PUBLIC NOTICE

Be it known that my client Kavita Sharma W/o Ghanshyam Sharma, Aged about 50 years R/o V-2, Green Park Extension, Hauz Khas, New Delhi-110016, has debarred and disinherited her sons Harsh Sharma, Piyush Sharma, Manish Sharma and Amit Sharma from all her properties, both movable and immovable, my client has no control over them. My client will not be responsible for any acts & deeds of above named persons.

Randhir Kumar, Advocate
Ch. 386-822, Lawyers Block, Saket Court, ND

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलस कृष्ण कुमार पुत्र स्व. बिरख भान तथा रजनी पत्नी कृष्ण कुमार पता H.No. 170 & 171, Pocket-2, Sector-22, Rohini, Delhi-110086 ने अपनी पुत्री सीमा को इसके दुर्व्यवहार, कदाचरण, असामाजिक कृत्यों के कारण अपनी सभी समस्त चल तथा अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर दिया है। अब से सीमा के किसी भी प्रकार के कार्य व लेन देन की जिम्मेवारी मेरे मुवक्किलस की नही होगी।

Advocate : Sanjeev Dwivedi
48,Gajanand Block, Tis Hazari, Court, ND-54

नागरिकता कानून का वकीलों ने किया समर्थन

फरीदाबाद। यहां की अदालत में सैकड़ों वकीलों ने भारत माता की जय के नारे लगाते हुए नागरिकता कानून का समर्थन किया। बार एसोशिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट एलएन पाराशर ने कहा कि जो लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं, वो देश के खिलाफ हैं और राजनीतिक दलों के इशारे पर ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं, उनके खिलाफ देश द्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

नागरिकता कानून का एडवोकेट कंवर संजीव तंवर, लोकेश पाराशर, सचिन पाराशर, हितेश पाराशर, एनएस मान, सोमदत्त शर्मा, राधेश्याम, बीड़ी कौशिक, शिव कुमार पराशर, नवीन भाटी, अनिल अधाना, सुधाकर पांडेय, ओमबीर सहित कई वकीलों ने समर्थन किया। एडवोकेट पाराशर का कहना है कि ये कानून नागरिकता देने का कानून है, लेकिन कुछ देश विरोधी तत्व इस कानून का गलत प्रचार कर देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में हर किसी को विरोध जताने का अधिकार है, लेकिन देश में जिस तरह से हिंसक प्रदर्शन किये जा रहे हैं, उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि ऐसे हिंसक प्रदर्शन देश विरोधी ताकतों के इशारों पर हो रहे हैं।

रक्तदान शिविर 29 दिसंबर को

फरीदाबाद। नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से 29 दिसंबर रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन फ्रेंड्स सोशल वर्कर्स एसोसिएशन के सहयोग से एनएचपांच में किया जाएगा। इस संदर्भ में एक बैठक नेहरू ग्राउण्ड में आयोजित हुई, जिसमें जिला टैक्स बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप सेठी, नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के संस्थापक यशपाल शर्मा, मानव सेवा दल के अध्यक्ष संजीव कुशवाहा, अंलकार, मनीष शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। यशपाल शर्मा ने सभी साथी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि सर्द की मौसम में कम ही रक्तदान शिविर लगाया जाते हैं। इसलिए यह कैंप लगाया है।

बेलगाम टैंकर से नगर निगम के जेई की मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बाटा फ्लाईओवर के निकट तेज रफ्तार से दौड़ रहे एक पेट्रोल के टैंकर चालक ने लापरवाही से नगर निगम के एक जेई को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के दौरान मृतक जेई पैदल फ्लाईओवर से गुजर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया है।

थाना सेक्टर आठ में दर्ज मामले के मुताबिक पलवल के गांव औरंगाबाद के रहने वाले 55 वर्षीय रणवीर सिंह नगर निगम में जेई के पद पर काम कर रहे थे। इन दिनों वे वार्ड नंबर आठ के अंर्तगत आने वाले निगम के डिवीजन नंबर एक पर तैनात थे। अन्य दिनों की तरह शनिवार को भी वे अपने काम पर आए हुए थे। काम निपटाने के बाद वे अपने घर लौटने के लिए बाटा फ्लाईओवर पर पैदल गुजर रहे थे। उसी दौरान तेज रफ्तार से दौड़ रहे पेट्रोल के एक टैंकर ने जेई रणवीर को टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए रणवीर सिंह को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मृतक के परिजनों को भेज दी गई है। पुलिस ने आरोपी टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

Punjab and Sind Bank पंजाब एण्ड सिंध बैंक
Zonal Office Noida, C, - Block, Sector 63, Noida - 201301

NOTICE

Dear Customer,
As per RBI mandate, customers whose periodic KYC is due, requested to update their KYC/PAN/ From 60/61 with home branch immediately otherwise their account will be freezed

Zonal Manager

प्रिय ग्राहक,
RBI के आदेश के अनुसार, जिन ग्राहकों की आवधिक KYC देय है, उनसे अनुरोध किया गया है
उनके केवाईसी / पैन / 60/61 से होम ब्रांच के साथ तुरंत अपडेट करें अन्यथा
उनके खाते को फ्रीज कर दिया जाएगा

आंचलिक प्रबंधक

FORM G - INVITATION FOR EXPRESSION OF INTEREST

Under Regulation 36A (1) of the Insolvency and Bankruptcy (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016

RELEVANT PARTICULARS

1	Name of the corporate debtor	Kopargaon Ahmednagar Tollways (Phase I) Private Limited
2	Date of incorporation of corporate debtor	15th October , 2012
3	Authority under which corporate debtor is incorporated / registered	Registrar of Companies, Delhi
4	Corporate identity number / limited liability identification number of corporate debtor	U45203HR2012PTC047422
5	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	**Reg. office:** 510, 5th Floor, ABW Tower, IFFCO Chock MG Road, Gurgaon 122002 **Toll plaza:** Kopargaon Ahmednagar Tollways Phase -1 A/p Nirmal Pimpri, Tal Rahata, Dist. Ahmednagar - 423107
6	Insolvency commencement date of the corporate debtor	Date of Order: 7th October, 2019
7	Date of invitation of expression of interest	22nd December, 2019
8	Eligibility for resolution applicants under section 25(2)(h) of the Code is available at:	The eligibility criteria is mentioned in detailed Invitation for Expression of Interest to submit Resolution Plan(s)
9	Norms of ineligibility applicable under section 29A are available at:	The norms of ineligibility under Section 29A of the IBC are mentioned in the detailed Invitation for Expression of Interest to submit Resolution Plan.
10	Last date for receipt of expression of interest	06th January, 2020
11	Date of issue of provisional list of prospective resolution applicants	16th January, 2020
12	Last date for submission of objections to provisional list	21st January, 2020
13	Date of issue of final list of prospective resolution applicants	31st January, 2020
14	Date of issue of information memorandum, evaluation matrix and request for resolution plans to prospective resolution applicants	21st January, 2020
15	Manner of obtaining request for resolution plan, evaluation matrix, information memorandum and further information	The Resolution Professional will share the documents through Electronic Mail or Virtual Data Room in accordance with the provisions of the Code and Regulations made thereunder.
16	Last date for submission of resolution plans	20th February, 2020
17	Manner of submitting resolution plans to resolution professional	Manner shall be specified in the request for resolution plans.
18	Estimated date for submission of resolution plan to the Adjudicating Authority for approval	20th March, 2020
19	Name and registration number of the resolution professional	Mr. Udayraj Patwardhan IP Registration No.: IBBI/IPA-001/IP-P00024/2016-17/10057
20	Name, Address and e-email of the resolution professional, as registered with the Board	**Name:** Mr. Udayraj Patwardhan **Address:** Sumedha Management Solutions Private Limited, C 703, Marathon Innova, Lower Parel West, Mumbai-400 013. **Email ID:** udayraj_patwardhan@sumedhamanagement.com
21	Address and email to be used for correspondence with the resolution professional	**Address:** Sumedha Management Solutions Private Limited, 809-810, 8th Floor, B Wing, Trade World, Kamala Mills Compound, Lower Parel (West), Mumbai 400013 **Email ID:** katpl@sumedhamanagement.com
22	Further Details are available at or with	Same as sr. no. 21 above.
23	Date of publication of Form G	22nd December, 2019

Notes:
1.The RP / COC shall have discretion to change the criteria for the EOI at any point of time.
2.RP / COC reserves the right to cancel or modify the process / application without assigning any reason and without any liability whatsoever.
3.Detailed invitation for expression of interest specifying criteria, ineligibility norms under section 29A of Code etc. can be requested through email on katpl@sumedhamanagement.com

sd/-
Mr. Udayraj Patwardhan
Resolution Professional for Kopargaon Ahmednagar Tollways (Phase I) Private Limited
IP Registration No.: IBBI/IPA-001/IP-P00024/2016-17/10057

Date: 20.12.2019
Place: Mumbai

ग्राहक जागरूकता रैली को नरेंद्र गुप्ता ने दिखाई झंडी

ग्राहक दुकानदार या कोई भी सामान खरीदें या कोई सेवा प्राप्त करें, तो उसका बिल अवश्य प्राप्त करें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राष्ट्रीय ग्राहक दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत फरीदाबाद द्वारा शनिवार को ग्राहक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ शनिवार को प्रात: 10 बजे पुराना फरीदाबाद के तेल मिल के नजदीक स्थित एवरग्रीन कान्वेंट स्कूल से विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने झंडी दिखा कर किया।

मुख्यातिथि विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि ग्राहकों को अपने अधिकार व कर्तव्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए, जिससे उसका आर्थिक शोषण नहीं हो। उन्होंने कहा कि जब भी कोई ग्राहक दुकानदार या किसी भी कोई सामान खरीदे या कोई सेवा प्राप्त करे, तो उसका बिल अवश्य लेना चाहिए। इससे एक ओर जहां सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होती है, वहीं कालाबाजारी व भ्रष्टाचार पर भी रोक लगती है और सामान में खराबी होने पर वह सामान को उस बिल के माध्यम से सुगमता से दुकानदार से हर्जाना भी वसूल कर सकता है।

वहीं ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रदीप बंसल ने बताया कि ग्राहक को वस्तु का बिल अवश्य लेना चाहिए, जिससे जरूरत पड़ने पर उपभोक्ता अदालत में जाने पर आसानी होगी। ग्राहक को मोलभाव करने का भी अधिकार है। उन्होंने कहा कि ग्राहक को सामान लेते समय तराजू व उपकरणों की निगरानी करने का पूर्ण अधिकार है और अगर किसी भी उपकरण पर संशय हो तो उसकी शिकायत कर सकता है।

इससे पूर्व स्कूल के चेयरमैन राकेश बंसल ने पुष्प गुच्छ देकर विधायक नरेन्द्र गुप्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री मुनेश शर्मा, विनोद अग्रवाल, प्रवीन, देवेन्द्र, पार्षद विनोद भाटी, जेपी गुप्ता, प्रदीप बंसल, संतगोपाल गुप्ता, रामकिशोर अग्रवाल, डॉ. सुरेंद्र दत्ता, तपन पाराशर, सुरेश बेनीवाल, मुकेश बंसल, राकेश बंसल, डॉ. सतीश सिंघल, नरेश गोयल, वरुण गर्ग, दिनेश गर्ग, राजू अग्रवाल, नवीन गोयल, कर्ण सिंगला, अरुण अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिकिशन चौहान, किम्मती मग्गू व नीरज शर्मा आदि मौजूद रहे।

बियर के शौकीनों को फर्जी पुलिस कर्मियों ने ठगा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच के पुलिस कर्मी बनकर दो बदमाशों ने बीयर की पेटी ले जा रहे युवकों को रुकवा लिया औरजांच के बहाने उनसे रुपये छीनकर फरार हो गए। दोनों युवकों से अलग-अलग दिन और जगह वारदात हुई।

सूर्या विहार पार्ट-2 निवासी लक्ष्मण ने पुलिस को बताया है कि उसका जन्मदिन था और पार्टी के लिए उसने शाम पांच बजे एनएचपीसी चौक के पास शराब ठेके से बीयर की पेटी ली थी। पेटी स्कूटी पर रखकर वह घर की तरफ जा रहा था। लकड़पुर फाटक के पास दो लोगों ने हाथ देकर रुकवा लिया। दोनों ने क्राइम ब्रांच कर्मी के रूप में अपना परिचय दिया और कहा कि बिना लाइसेंस शराब नहीं ले जा सकते। दोनों ने गलत तरीके से शराब लेकर जाने पर 30 हजार रुपये जुर्माना लगाने की बात कही। लक्ष्मण ने डरकर कहा कि वह तो जन्मदिन पार्टी के लिए बीयर लेकर जा रहा है। दोनों उस पर दबाव बनाने लगे। लक्ष्मण ने कहा कि 30 हजार रुपये तो नहीं हैं, मगर 10 हजार रुपये हैं। जैसे ही उसने पैंट की जेब से 10 हजार रुपये निकाले। दोनों ने उसके हाथ से रुपये छीन लिए और पास खड़ी अपनी स्कूटी स्टार्ट कर फरार हो गए।

बाद में लक्ष्मण ने संदेह होने पर पुलिस को शिकायत दी। इसी तरह की वाकया मोलड़बंद दिल्ली निवासी रसीद के साथ हुआ। वह भी जन्मदिन की पार्टी के लिए बीयर की पेटी लेकर जा रहा था। उसे भी दो लोगों ने क्राइम ब्रांच कर्मी बनकर रुकवाया और पांच हजार रुपये छीन लिए। उनके जाने के बाद रसीद ने भी पुलिस को शिकायत दी।

बंपर कलेक्शन : शिविरों में नगर निगम ने वसूले 1.43 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम की आयुक्त सोनल गोयल के निर्देश पर निगम के तीनों जोनों में आज आयोजित किये गये नौ टैक्स कलेक्शन कैंपों में एक करोड़ 43 लाख 60 हजार रुपए से अधिक कर राशि की वसूली की गई।

एनएच 2के पार्क स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित किए गए कैम्प में 21.66 लाख रुपए, एनएच पांच मार्केट स्थित बारात घर के कैंप में 18.73 लाख रुपए, डबुआ-पाली रोड स्थित परशुराम गार्डन के कैंप में 26.02 लाख रुपए, सेक्टर नौ स्थित सामुदायिक केंद्र के कैंप में 27.27 लाख रुपए, सूर्या नगर पार्ट-2 स्थित वार्ड कार्यालय में आयोजित किए गए कैंप में 18.59 लाख रुपए, ऊंचा गांव स्थित शिव मंदिर कैंप में 11.45 लाख रुपए, शिव कॉलोनी बल्लभगढ़ स्थित एमबीआर एथैंस ग्रुप हाउसिंग सोसायटी के परिसर कैंप में 14.27 लाख रुपए, संजय एन्क्लेव चाचा चौक स्थित एसएम पब्लिक स्कूल के कैंप में 2.83 लाख रुपए और सैनिक कालोनी सेक्टर 49 स्थित सामुदायिक केन्द्र के कैंप में 2.75 लाख रुपए की कर वसूली की गई। इन कैंपों में 359 पानी व सीवर के अवैध कनैक्शनों को वैध किया गया।

एनआईटी जोन तृतीय और बल्लभगढ़ जोन के द्वारा आयोजित किये गये कैंपों में संपत्ति कर की 66 नई यूनिटों को जोड़ा गया। निगमायुक्त सोनल गोयल ने सेक्टर नौ स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित किये गये कैम्प का दौरा किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए साप्ताहिक अवकाश के दिनों में इसी प्रकार के कैम्प निरंतरता में आयोजित करने के लिए कहा। उन्होंने कैम्प में कर जमा करने आए करदाताओं की समस्याओं को सुना और कर संबंधी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया और अन्य समस्याओं का हल करने के निर्देश उपस्थिति अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर वासुदेव अरोड़ा, रणबीर चौधरी, सतबीर शर्मा, राजबीर चैहान व सेक्टर नौ रेजिडेन्ट्स वैलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अन्य गणमान्य नागरिकों ने निगमायुक्त सोनल गोयल और चेयरमैन धनेश अधलखा का स्वागत किया।

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक द्वितीय तल, वीडियोकॉन टॉवर, झंडेवालान एक्स., नई दिल्ली- 110055

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	राजीव कुमार/ LBDEL00003000725	अपार्टमेंट नंबर 1106, 11 वीं मंजिल, टॉवर के, गोदरेज सम्मिट, सेक्टर 104 गुडगाँव/ 20 दिसंबर, 2019	30 अप्रैल 2019 ₹. 1,08,62,364/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: दिसम्बर 21, 2019
स्थान: दिल्ली / एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

टिकाऊ विकास लक्ष्यों की ओर प्रगति

वर्ष 2030 तक टिकाऊ विकास लक्ष्य-एसडीजी पाने के लिए सभी आयामों में व्यापक परिवर्तन करने होंगे। सरकारों की सीमित प्रभावशीलता काफी नहीं होगी, जब तक बिजनेस व सिविल सोसाइटी इस दिशा में अपनी भूमिका अदा करने के प्रति गंभीर न हो।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

गंभीर व परिवर्तनकारी कदम उठाए बिना दुनिया विकास की ओर नहीं बढ़ सकती है। 2015 में संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्यों ने टिकाऊ विकास के लिए 2030 का एजेंडा बनाया था जिसमें 17 लक्ष्यों को केन्द्रीय स्थान मिला। यह 2030 तक गरीबी समाप्त करने, पृथ्वी ग्रह की रक्षा करने, समुचित जीवन सुनिश्चित करने तथा सबको शांति व समृद्धि सुनिश्चित करने का वैश्विक आह्वान है। 2020 अब आने वाला है और 2030 तक केवल एक दशक बाकी है, इसलिए हमें सरकारों, बिजनेसों, विकास संगठनों, वैज्ञानिक समुदाय तथा सिविल सोसाइटी द्वारा टिकाऊ विकास लक्ष्यों-एसडीजी को यथार्थ बनाने के लिए की जाने वाली कार्रवाइयों का विश्लेषण करना चाहिए। चूंकि इसके लिए सभी आयामों में समुचित परिवर्तन करने होंगे, इसलिए सरकारों की सीमित प्रभावशीलता काफी नहीं होगी, जब तक बिजनेस व सिविल सोसाइटी इस दिशा में अपनी भूमिका अदा करने के प्रति गंभीर न हो।

संरा. की एसडीजी रिपोर्ट, 2019 अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हुई प्रगति का आंकलन करने में सहायक है। इससे संकेत मिलता है कि कुद सकारात्मक विकास हुए हैं, जैसे अत्यधिक गरीबी में काफी कमी आई है, वर्ष 2000 तक पांच वर्ष से कम आयु की मृत्यु दर में 49 प्रतिशत कमी हुई है तथा दुनिया की जनसंख्या के बड़े हिस्से को बिजली मिल रही है। समुद्री जीवन की भी सुरक्षा हुई है तथा संरक्षित क्षेत्रों की संख्या 2010 तक कई गुना बढ़ गई है। अवैध रूप से मछली पकड़ने जैसे मामलों से निपटा जा रहा है। जलवायु परिवर्तन संबंधी पेरिस समझौते पर 186 पक्षों ने हस्ताक्षर किए हैं। तेजी से शहरीकरण को भी वैश्विक स्तर पर संबोधित किया गया है तथा 150 देशों ने राष्ट्रीय स्तर पर इसके कारण पैदा समस्याओं से निपटने के लिए कानून बनाए हैं। यूरोपीय संघ अनेक देशों ने 300 से अधिक नीतियां व तरीके बनाए हैं जिनसे उत्पादन व उपभोग में टिकाऊपन को बढ़ावा दिया जा रहा है। सभी पक्षों के समर्थन तथा व्यापक सहभागिता के बिना ये सुधार असंभव थे। इससे काफी आशावाद विकसित हुआ है तथा सुरक्षित भविष्य के प्रति उम्मीद जगी है।

लेकिन अनेक क्षेत्रों में एकीकृत व समन्वित कार्रवाई की अभी आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव घटाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि यदि ग्रीनहाउस उत्सर्जनों पर नियंत्रण न किया गया तो आने वाले वर्षों में वैश्विक तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक हो सकती है। इसके कारण समुद्रों का स्तर बढ़ रहा है जिसके समग्र प्रभाव अपरिवर्तनीय व विनाशकारी हो सकते हैं। इसके अलावा समुद्रों की अम्लीयता बढ़ रही है, तटों का क्षरण हो रहा है, मौसम बिगड़ने की घटनायें गंभीर हो रही हैं, प्राकृतिक विभीषिकाओं की बारंबारता व गंभीरता बढ़ी है, भूमि लगातार खराब हो रही है, एक मिलियन से अधिक वनस्पति व जीव प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं तथा इससे परिस्थितिकी तंत्र के नष्ट होने की आशंका पैदा हो गई है।

मनुष्यों की पीड़ा तथा पर्यावरण क्षरण के बीच निकट संबंध है क्योंकि इसके कारण ग्रह के अनेक भाग आवास योग्य नहीं रह जाएंगे। महत्वपूर्ण वनस्पति व जीव प्रजातियां कम होने व ग्लोबल वार्मिंग के कारण खाद्य उत्पादन पर संकट मंडरा रहा है। पिछले चार साल अब तक सबसे गरम साल रहे हैं। इसके कारण बड़े पैमाने पर भोजन का संकट तथा वैश्विक भूख बढ़ने की आशंका है। यदि सारी दुनिया जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मजबूत व निर्णायक कार्रवाई नहीं करती है तो 2050 तक 140 मिलियन लोगों के विस्थापित होने की आशंका है।

2030 तक अत्यधिक गरीबी समाप्त करने का लक्ष्य भी कठिन लगता है क्योंकि हिंसक बाधायें, टकराव व विस्थापन प्राकृतिक विभीषिकाओं में योगदान करते हैं जिससे वंचना और गहरी होती है। दुनिया की कम से कम आधी जनसंख्या को आवश्यक स्वास्थ्य सेवायें नहीं उपलब्ध हैं, आधे से अधिक बच्चे शिक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं तथा दुनिया के सभी हिस्सों की महिलायें भेदभाव व वंचना का सामना कर रही हैं।

चूंकि एसडीजी अकेले प्राप्त करना संभव नहीं है, इसलिए सभी पक्षों को इस लक्ष्य प्राप्ति में योगदान करना चाहिए। वित्तीय, प्राकृतिक या मानवीय संसाधन सीमित होने के कारण समाज को उनका अधिकतम उपयोग करना चाहिए। साझीदारी के माध्यम से हम विविधतापूर्ण व थोड़े संसाधनों का प्रयोग कर बेहतर प्रभाव तथा ज्यादा टिकाऊपन पैदा कर सबके लिए मूल्य संवर्धन कर सकते हैं। संरा. के अनुसार, 'टिकाऊ विकास के लिए साझेदारी बहुपक्षीय पहलों पर शामिल है जिसमें सरकारों, अंतर-सरकारी संगठनों, बड़े समूहों व अन्य पक्षों को सहभागिता करनी चाहिए। उनके प्रयासों से अंतर-सरकारी स्तर पर स्वीकृत विकास लक्ष्य व प्रतिबद्धतायें पूरी की जा सकती हैं।'

इसके माध्यम से संरा. ने बिजनेसों तथा सभी प्रमुख संस्थानों की साझेदारी का महत्व स्वीकार किया है जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों तथा वैश्विक विकास के लिए आवश्यक है। सोच व दृष्टिकोण में यह मूलभूत परिवर्तन स्पष्ट व समग्र रूप से परस्पर संबंधों, परस्पर निर्भरता, बिजनेसों के फलने-फूलने, समृद्ध समाज तथा स्वस्थ परिवेश के लिए आवश्यक है। बिना किसी अपवाद के सभी सामाजिक क्षेत्रों को प्रमुख विकास कारक माना गया है। एसडीजी प्राप्त करने के लिए अभूतपूर्व स्तर पर सहयोग व समन्वय समय की आवश्यकता है। एसडीजी शुरू करने के समय से वैश्विक व स्थानीय स्तर पर अनेक व्यापक विकास साझेदारियां सामने आई हैं। इनका विस्तार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कों से लेकर द्विपक्षीय व्यवस्थाओं तक, अनेक क्षेत्रों से अनेक मुद्दा आधारित मंचों तक तथा एक क्षेत्र से एक मुद्दे पर दिलचस्पी लेने वाले समूहों तक है। विभिन्न गुणवत्ताओं वाले समूहों में सहयोगी व्यवस्थाओं के लिए कुछ मानक विकसित करने होंगे। तीन प्रकार की साझेदारियों की पहचान की जा सकती है जो साझेदारी का मुख्य लक्ष्य तथा साझीदारों के बीच संबंधों की प्रकृति परिभाषित करती हैं।

पहली श्रेणी 'लीवरेज-एक्सचेंज' में ऐसी साझेदारियां शामिल हैं जो एक दूसरे की पूरक हैं तथा ज्ञान, सेवा, कौशल व फंडिंग जैसे संसाधनों का एकपक्षीय या परस्पर आदान-प्रदान करती हैं। इससे संगठन अपने रणनीतिक लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ सकते हैं। यह ऐसी स्थिति में लागू होता है जब प्रत्येक साझीदार दूसरे की तुलना में कुछ ज्यादा मूल्यवान दे सकता है जिसके परिणामस्वरूप आदान-प्रदान से लाभ होता है। उदाहरण के लिए, एक विज्ञापन एजेंसी व विश्वविद्यालय शोध संस्थान के बीच संबंध परस्पर लाभ की साझेदारी परिभाषित करते हैं जहां एजेंसी को शोध परिणामों तक पहुंच मिलती है तथा संस्थान की विशेषज्ञता प्राप्त होती है, वहीं वह शोध के लिए फंडिंग या आंकड़ा संसाधन उपलब्ध करने के साथ केस स्टडी में भी योगदान कर सकती है। इस प्रकार की साझेदारी का उदाहरण कोकाकोला व ग्लोबल फंड लास्ट माइल के बीच है। इससे कोकाकोला को लाजिस्टिक, सप्लाई श्रृंखला, वितरण व मार्केटिंग विशेषज्ञता मिलती है तथा वह अफ्रीकी सरकारों की क्षमताओं का निर्माण कर यह सुनिश्चित करती है कि समुदायों की बेहतर पहुंच जीवन को सक्षम बनाने व जीवन बढ़ाने वाली औषधियों तक हो। इस प्रकार कोकाकोला बेहतर पृथ्वी के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करने के साथ ही कर्मचारियों को बेहतर संबंध बनाने का अवसर देती है।

दूसरी श्रेणी 'कंबाइन-इंटीग्रेट', विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझेदारी परिभाषित करती है। यह दो या दो से अधिक संगठनों से साझेदारी निर्धारित करती है जहां सहयोगी संसाधनों का प्रयोग समान समस्या के समाधान हेतु किया जाता है और इससे साझा रणनीतिक लक्ष्य प्राप्त होता है। साझीदारों द्वारा विकसित खोजी दृष्टिकोणों में ब्रेनस्टार्मिंग, निरंतर संवाद तथा परस्पर जवाबदेही का प्रयोग होता है जो इस प्रकार की साझेदारी के मुख्य आयाम हैं। यहां केन्द्रीय विश्वास यह है कि व्यक्तिगत रूप से काम करने के बजाय एकसाथ काम करने तथा संसाधनों का साझा लक्ष्य प्राप्ति के लिए बेहतर है। इस श्रेणी का एक एक उदाहरण बांग्लादेश में दिखता है जहां एक सामाजिक उद्यमी तथा नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े सप्लायर सोलशेयर व ग्रामीण शक्ति के बीच सहयोग हुआ है जिसमें यूएन डीईएसए का सहयोग व समर्थन प्राप्त होता है। ग्रामीण शक्ति अपने व्यापक उपभोक्ता आधार तक पहुंच बना कर सोलर होम का नेटवर्क बनाती है, समुदायों का ज्ञान बढ़ाती है तथा सोलशेयर अद्यतन व खोजी तकनीक के माध्यम से बांग्लादेश के सबसे गरीब परिवारों को सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराती है।

तीसरे प्रकार की साझेदारी 'ट्रांसफार्म' ज्यादा महत्वाकांक्षी है। इसमें विकास चुनौती के अंतिम लक्ष्य के लिए एक खोजी व बहुआयामी तरीका तलाशा जाता है। ऐसे मामलों में समस्या की परिभाषा अनिश्चित हो सकती है या साझीदारों का किसी मुद्दे पर वैश्विक दृष्टिकोण अलग होता है। उदाहरण के लिए, पोषण बेहतर करना एक वैश्विक, देश के नेतृत्व वाला, बहुआयामी आंदोलन है जो कुपोषण का मुकाबला कर उन देशों के लिए समर्थन जुटाता है जो विभिन्न देशों तथा विभिन्न सरकारी मंत्रालयों के बीच कारक का काम करते हैं। इन मंत्रालयों में शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि मंत्रालय शामिल हैं। इसके साथ ही इस परिवर्तन में अनेक बिजनेस, सिविल सोसाइटी व संरा. संगठन भी सहभागिता निभाते हैं।

हम ऐसे समय में रह रहे हैं जब पृथ्वी ग्रह पर उसे बचाने के लिए हस्तक्षेप बहुत व्यापक होने चाहिए। कोई देश या कोई व्यक्ति ऐसे प्रयासों में अकेले सफल नहीं हो सकता है। इस वैश्विक चुनौती के लिए वैश्विक समाधानों की आवश्यकता है। एसडीजी ने विभिन्न देशों और समुदायों को साथ लाने में अपनी भूमिका निभाई है ताकि बेहतर जीवन और टिकाऊ पृथ्वी ग्रह सुनिश्चित हो सके। सभी पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे जलवायु परिवर्तन, विस्थापन, तकनीक, व्यापार व साझेदारी के मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करें। हमें एसडीजी 2030 एजेंडा प्राप्त करने के लिए एकसाथ काम करने तथा अनेक समन्वयों का लाभ उठाने की आवश्यकता है।

भारतीयों में कौशल सुधार की आवश्यकता

कार्पोरेट भारत तथा शोध संस्थानों से मिली जानकारियों के अनुसार, हर साल रोजगार बाजार में आने वाले 15 मिलियन नौजवानों में से 65-75 प्रतिशत नौकरियों या रोजगार के लिए ठीक से तैयार नहीं हैं।

मोइन काज़ी
लेखक नीति आयोग की समिति के सदस्य हैं।

पिछले बीस वर्ष में विश्व अर्थव्यवस्था में होने वाले परिवर्तन तथा उसकी दर आश्चर्यजनक है। ऐसे में अपरिहार्य रूप से सबको काफी तेजी से हो रहे पेशेवर क्षेत्र के परिवर्तनों से निपटना होगा। यह परिवर्तन इतना असाधारण हो सकता है कि इससे व्यापार या पेशे की प्रकृति ही बदल जाए।

महान अर्थशास्त्री तथा नोबेल पुरस्कार विजेता डब्लूए लेविस का तर्क है कि अर्थव्यवस्था के दो क्षेत्र होते हैं-पूंजीवादी, यानी शहर व उद्योग तथा सहायक क्षेत्र, यानी ग्रामीण व कृषि। पूंजीवादी क्षेत्र में मजदूरी सहायक क्षेत्र से अधिक होती है, इसलिए श्रमिकों के सहायक क्षेत्र से पूंजीवादी क्षेत्र में जाने की प्रवृत्ति होती है। लेकिन भारत में जनसंख्या वृद्धि तथा सस्ते श्रम की अनन्त सप्लाई के कारण पूंजीवादी क्षेत्र में भी मजदूरी गिरी है। इसके साथ ही पूंजीवादी क्षेत्र का इतनी तेजी से विकास नही हो रहा है कि वह बड़ी जनसंख्या के लिए समुचित रोजगार दे सके। कार्यबल का बहुत छोटा सा हिस्सा औपचारिक पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त है, इसलिए भारत में कौशल विकास लगातार कठिन होता जा रहा है।

नौजवान लोगों के कौशल संवर्धन का महत्व सभी स्वीकार करते हैं और इसे लगभग एक दशक से राष्ट्रीय प्राथमिकता में रखा गया है तथा सरकार ने इस संबंध में बड़ी पहलें की हैं। दु:ख की बात है कि देश में कुल श्रमशक्ति के केवल 10 प्रतिशत हिसे को ही किसी प्रकार का कौशल प्रशिक्षण मिल पाता है। कार्पोरेट भारत तथा शोध संस्थानों से मिली जानकारियों के अनुसार, हर साल रोजगार बाजार में आने वाले 15 मिलियन नौजवानों में से 65-75 प्रतिशत नौकरियों या रोजगार के लिए ठीक से तैयार नहीं हैं।

तकनीक इतनी तेजी से प्रगति कर रही है कि हम उसे समाहित नहीं कर पा रहे हैं। इस प्रकार रोजगार बाजार से हमारे मूल्यों व सोचने-विचारने के तरीके को अकल्पनीय झटके लग रहे हैं। दुहराव-आधारित रोजगार दुनिया भर में तेजी से घट रहे हैं और वे जल्दी ही गायब हो जाएंगे। आज स्कूली शिक्षा में प्रवेश लेने वाले अधिकांश बच्चे ऐसे काम करेंगे जिनका आज अस्तित्व ही नहीं है। आज बहुत से बच्चे पुरानी व्यवस्था में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उनको वयस्क होने पर ऐसे मानकों, संस्थानों, कामकाज के पैटर्नों तथा नागरिक जीवन का सामना करना पड़ेगा जिसके लिए वे प्रशिक्षित नहीं थे। उदाहरण के लिए, स्प्रेडशीट, पावरप्वाइंट प्रस्तुति व अन्य बोर्डरूम दस्तावेज क्लाउड में बदल गए हैं तथा शेयरिंग व ग्रुप एडिटिंग ने नए रूप प्राप्त किए हैं। हम लगातार ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जहां संप्रेषण, संवेदना व सद्भावना व दूसरों के साथ 'बेहतर व्यवहार' जैसे सदाबहार कौशल रोजगार बाजार के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण होंगे। हमारे नौजवानों को भविष्य के लिए तैयार करने में ये अनिवार्य हैं। सामाजिक व संबंधों के बारे में पतिभा में सद्भावना मूल स्थान पर है। सद्भावना एक विशाल अदृश्य देवता की तरह है। यह स्वाभाविक रूप से हमारे मस्तिष्क में आती है तथा इसका सही उपयोग खोज, परिवर्तन व व्यवस्था की समस्यायें हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। संप्रेषण का कौशल प्रभावी टीमवर्क व विभिन्न क्षेत्रों व विशेषज्ञताओं के बीच संपर्क स्थापित करने के लिए जरूरी है।

भावनात्मक व सामाजिक 'साफ्ट स्किल्स' जैसे, दूसरों का मूल दृष्टिकोण समझना, अपने साथियों का समर्थन करना, समस्या समाधान तथा आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित व विकसित किया जाना चाहिए क्योंकि यह भविष्य में छात्रों व समाज की सफलता के लिए आवश्यक हैं। इन साफ्ट स्किल्स को अन्य क्षमताओं जैसे अंग्रेजी, डिजिटल साक्षरता, गणित, वित्तीय साक्षरता तथा मूल जीवन कौशलों से जोड़ा जा सकता है। हम इनको एकसाथ मिला कर 'रोजगार योग्य प्रमुख कौशलों' या 'भावी कौशलों' के रूप में परिभाषित करते हैं। हमें यह दृष्टिकोण को चुनौती देनी चाहिए कि इन कौशलों का प्रशिक्षण केवल उन लोगों को देना चाहिए जो बिजनेस कर रहे हों। इसके बजाय इनको सबके लिए हस्तांतरणीय कौशल की तरह देखा जाना चहिए तथा इनका व्यापक प्रयोग होना चाहिए। ये आयाम व गति बदलने के लिए जरूरी कौशल हैं।

छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा तथा सफल कॅरियर की आवश्यकताओं के बीच भारी अंतर है। यह खाई पाटने के लिए हमें एक ऐसा पाठ्यक्रम चाहिए जो इक्कीसवीं शताब्दी में कामगारों में शामिल होने वाले छात्रों के लिए सर्वाधिक प्रासांगिक ये कौशल सिखा सके। इस प्रकार हमें शिक्षण व पाठ्यक्रम डिजाइन को ज्यादा प्राथमिकता देनी होगी।

तकनीक सशक्त करती है, पर वह लाखों रोजगार समाप्त करती है क्योंकि स्मार्ट मशीनें काम के दुहराव को समाप्त करती हैं जिससे पुरानी पीढ़ियों को रोजगार मिलता था। दुनिया के अनेक स्कूल व विश्वविद्यालय पुरानी पद्धति पर काम कर रहे हैं जिसमें औपनिवेशिक युग की पदानुक्रम वाली विशिष्टता शामिल है। इसमें छात्रों को खाली बर्तन की तरह समझा जाता है जिसे ऐसे ज्ञान और कौशल से भरा जाता है जो स्थिर रोजगार बाजार के लिए उपयुक्त थे। इसका परिणाम यह है कि शिक्षा संस्थान अपनी शिक्षण विधियों से छात्रों को शक्तिहीन बना रहे हैं और उनको सशक्तीकरण का लाभ्ज्ञ देने में विफल हो रहे हैं। छात्रों को रचनात्मक व उद्यमी तरीके से समस्या-समाधान के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उनको ऐसे कौशल, संसाधन व शक्ति देनी चाहिए जिससे वे सीखने के दौरान तथा स्नातक होने के बाद परिवर्तन कर सकें।

इस प्रकार कौशल प्रशिक्षण को 'जीवन चक्र' पर केन्द्रित होना चाहिए जिसमें कौशल के सभी आयाम शामिल हों। इनमें लोगों को प्रशिक्षण देने के साथ सलाह देना तथा रोजगार के दौरान लाभार्थियों से संपर्क शामिल हैं। यह दृष्टिकोण लागू करने से प्रशिक्षुओं को ऐसे कौशलों से लैस किया जा सकेगा जो बाजार योग्य हों तथा रोजगार से जुड़े हों।

यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विशिष्ट कौशलों को उसी क्षेत्र के बजाय विभिन्न क्षेत्रों में फैलाना चाहिए क्योंकि इससे बाजार संतृप्त होगी तथा प्रशिक्षित लोगों के अवसर सीमित होंगे। यदि सभी लोगों को लुहारी का प्रशिक्षण दिया जाए तो लुहारों की संख्या बहुत हो जाएगी और उनके लिए समुचित रोजगार नहीं होंगे। स्थानीय रूप से प्रासांगिक कौशलों का प्रशिक्षण देने से अनेक परिवार स्वावलंबी हो सकते हैं। इनमें साइकिलों, दोपहिया वाहनों, सोलर लैंप या मोबाइलों की मरम्मत तथा मुर्गीपालन आदि शामिल हैं। इसके लिए सरकारों को आजीवन शिक्षा में निवेश करना चाहिए ताकि उनको पुन: प्रशिक्षण, नए औजार व नए कौशलों से लैस किया जा सके। उदाहरण के लिए, सरकारों को प्रशिक्षण अनुदान के माध्यम से लोगों के जीवन को बदलने तथा उनको प्रशिक्षण व कौशल उन्नयन में निजी क्षेत्र को सहभागी बनाने के लिए काम करना चाहिए। सरकारों को प्रोत्साहन के माध्यम से शैक्षिक संस्थानों को मजबूत करना चाहिए ताकि वे नए बिजनेस माडलों व डिजिटल तकनीक की शक्ति प्रयोग कर सकें।

हालांकि, हम लगातार ज्यादा परिष्कृत कौशल देने के प्रयास कर रहे हैं, पर छोटे समुदायों में मूलभूत कौशलों को बदलने की परिस्थितिकी भी तैयार करनी होगी। हम पशुचिकित्सकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सोलर इंजीनियरों, पानी खोजने व उसका परीक्षण करने वालों, हैंडपंप मिस्त्रियों, कारीगरों, डिजाइनरों, मिस्त्रियो, एकाउंटेंटों, तकनीकविदों तथा कंप्यूटर प्रोग्रामरों की नई पीढ़ी तैयार करनी होगी जो अपने साथी ग्रामीणों की सहायता कर सकें। इससे ग्रामीण सामूहिक रूप से आजीविका की परियोजनायें टिकाऊ रूप से बना कर अपनी आर्थिक व सामाजिक दृढ़ता सुनिश्चित कर सकेंगे।

छोटे उत्पादकों के संगठन उनके कौशल उन्नयन, बाजार की परिवर्तनशीलता समझने तथा अपने उत्पादों को शहरी बाजार के उपयुक्त बनाने का काम कर सकते हैं। वे पर्यावरण-हितैषी उत्पादों को प्रोत्साहित कर उनके प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग व प्राथमिक उत्पादकों को टिकाऊ स्तर पर आजीविका प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शिक्षा ज्यादा टिकाऊ रूप से व लचीले ढंग से देनी होगी ताकि आजीवन शिक्षा व कौशल उन्नयन को स्थान मिले क्योंकि पुराने पेशे समाप्त होने के साथ नए पेशे उभरेंगे। इसे केवल रोजगारों तक सीमित करने के बजाय खोज प्रोत्साहित करने तथा रोजगार सृजन तक विस्तार देना होगा। स्नातकों को सांस्कृतिक कौशल विकसित करने होंगे ताकि वे बहु-सांस्कृतिक दुनिया में अपने कौशलों का प्रयोग कर सकें। चूंकि दुनिया में डिजिटल संप्रेषण का प्रभुत्व स्थापित होने वाला है, इसलिए हमें डेटा से भरी दुनिया में इसके विश्लेषण में विशेषज्ञता विकसित करनी होगी। अनेक पेशों में उच्च स्तर की गणितीय क्षमता जरूरी है। शिक्षा संस्थानों और बाहरी दुनिया के बीच सीमायें कमजोर होती जा रही हैं। छात्रों को सीखने की व्यवस्था में परिवेश के अनुभव का अवसर देना होगा।

यदि हम प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार कर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रशिक्षण उद्योग की मांग के अनुरूप हो तो हमें विभिन्न पक्षों पर ज्यादा समन्वित व सामूहिक प्रभाव डालने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए कामगार प्रशिक्षण के पूरे परिवेश में एक समान साझा एजेंडा विकसित करना होगा। इसके लिए चार स्तरों-गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षक, बाजारोन्मुख पाठ्यक्रम, सीखने के परिणामों का आंकलन तथा नौजवानों व रोजगारों के बीच प्रभावी संगति पर ध्यान देना होगा। व्यक्तियों को परिवर्तन स्वीकार करने तथा झटके झेलने के लिए समुचित व सक्रिय सोच विकसित करनी होगी जो शक्तिशाली परिवर्तनों को समाहित कर सके। इस प्रकार की उथलपुथल स्वीकारने तथा प्रतियोगी लाभ की स्थिति में बने रहने के लिए परिवर्तनशीलता तेज तथा विश्वास के साथ होनी चाहिए।

क्विक न्यूज

खुफिया एजेंसियों के सहयोग के बगैर कोई सैन्य अभियान सफल नहीं हो सकता: नरवाने

पुणे। वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ एवं नए थल सेना प्रमुख नामित किए गए लेफ्टिनेंट जनरल मनोज नरवाने ने यहां शनिवार को कहा कि कोई भी सैन्य अभियान खुफिया एजेंसियों के सहयोग के बगैर सफल नहीं हो सकता।लेफ्टिनेंट जनरल नरवाने ने यहां एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में यह कहा, सैन्य अभियान और खुफिया सूचनाओं का आपस में करीबी संबंध है। जब कभी हमें संचालन ब्रीफिंग की जरूरत होती है तब यह हमेशा ही खबर दुश्मन के बारे में के साथ शुरू होता है और खबर वह होती है जो हम अपनी खुफिया एजेंसियों से प्राप्त करते है।

महाराष्ट्र में दोस्तों ने विवाद के चलते अपने ही दो दोस्तों की हत्या की

बुलढाणा। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के खामगांव में दोस्तों के एक समूह में शनिवार तड़के हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटपुरी निवासी विशाल देशमुख (32) और सचिन पवार (33) पर उन्ही के दोस्तों ने किसी विवाद के चलते धारदार हथियारों और पत्थरों से हमला कर दिया था। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए खामगांव के एक सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।अधिकारी ने बताया कि शिवाजी नगर पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

नाबालिग के साथ बलात्कार के दोषी को 12 साल की कैद

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले की एक अदालत ने 15 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने के मामले में एक व्यक्ति को 12 साल कैद की सजा सुनाई है।अतिरिक्त लोक अभियोजक एस. के. शुक्ला ने बताया कि अतिरिक्त जिला अदालत के न्यायाधीश संजय प्रताप सिंह ने शुक्रवार को 22 वर्षीय विशुन भुईयां को भादंस की धारा 363 (अपहरण), 376 (बलात्कार) और पोक्सो अधिनियम के तहत दोषी पाया।जांच में पता चला कि सौंधडीह गांव का निवासी भुईयां 17 जून 2017 को लड़की का अपहरण कर उसे दिल्ली ले आया था और एक महीने तक कई बार उसके साथ बलात्कार किया।

नागरिकता संशोधन कानून देश में लागू होने के लायक नहीं

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को राज्य में लागू करने की संभावना को एक बार फिर खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि यह कानून और एनआरसी देश में लागू होने के लायक ही नहीं है।अपने निवास पर संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहाकि ये लागू होने के लायक ही नहीं है। आप सात आठ करोड़ से भी कम आबादी वाले असम में ही आप एनआरसी में कायमाब नहीं हो पाए, क्या मुल्क में कामयाब हो पाएंगे। उन्होंने कहा, यह खाली ध्रुवीकरण करने की चाल है भाजपा की। गृहमंत्री अमित शाह व (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चाल है कि हर वक्त ध्रुवीकरण करके रखो कि आने वाले वक्त में हर चुनाव में हमें फायदा मिले, इसका इतना ध्रुवीकरण करो। नफरत की आग में झेंक दो देश को। हम इसको सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस कानून हर वर्ग को परेशान करने वाला है। ए लोग सीएए और एनआरसी दोनों को मिलाकर आगे बढना चाहते हैं। गहलोत ने कहा कि यह देश संविधान की मूल भावना पर चलेगा और चलना चाहिए। संविधान की भावनाओं एक तरफ रखकर अगर शासन करने का प्रयास होगा तो देश में वही होगा जो अभी हो रहा है। सीएए व एनआरसी के खिलाफ देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन में हिंसा की आलोचना करते हुए गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से कल जयपुर में शांति मार्च निकाला जाएगा। इस मार्च का उद्देश्य यही है कि राज्य में यह संदेश जाए कि यहां सभी धर्म व संप्रदाय के लोग शांति से रहना चाहते हैं। यह शांति मार्च यहां अल्बर्ट हॉल से शुरू होकर गांधी सर्किल पहुंचेगा। इससे पहले गहलोत ने अपने मंत्रियों व अधिकारियों के साथ इस शांति मार्च की तैयारियों का जायजा लिया।

गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने की चाल है सीएए एनआरसी : पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने राजग सरकार पर शनिवार को हमला बोला। उन्होंने कहा कि संशोधित नागरिकता कानून सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) देश को त्रस्त कर रहे गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने की चाल है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, सीएए और एनआरसी देश के सामने खड़े गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने की चाल है। उन्होंने कहा, जो लोग न सिर्फ अल्पसंख्यक बल्कि जो कोई देश की एकता एवं प्रगति की चिंता करते हैं, वे सीएए और एनआरसी का विरोध कर रहे हैं। नया नागरिकता कानून देश की धार्मिक, सामिजक एकता और सौहार्द को बिगाड़ेगा।

सीएए विरोधी प्रदर्शन के दौरान हिंसा के पीछे कांग्रेस का हाथ: रूपाणी

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने दो दिन पहले यहां मुस्लिम बहुल क्षेत्र शाह-ए-आलम में नए नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के लिए शनिवार को कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।राज्य सरकार ने बताया कि बृहस्पतिवार की इस हिंसा के लिए कम से कम 59 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हिंसा में दो दर्जन पुलिसकमी घायल हो गए थे।रूपाणी ने यहां संवाददाताओं से कहा, सरकार ने घोषणा की है कि इस हिंसा के पीछे जो भी होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। से लोगों की पहचान सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर की जाएगी।उन्होंने कहा, कांग्रेस हिंसा फैला रही है। गिरफ्तार किए गए पार्षद किस दल के हैं? वह कांग्रेस से हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस ही इस हिंसा के पीछे है।स्थानीय कांग्रेस पार्षद शहजाद खान पठान को हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। गृहमंत्री प्रदीपसिंह जडेजा ने बताया कि पठान के अलावा 58 अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई। जडेजा ने कहा कि पुलिस पर हमला करते हुए देखे जाने वाले सभी लोग गिरफ्तार किए जाएंगे। शाह-ए-आलम इलाके में बृहस्पतिवार को संशोधित नागरिकता कानून और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया था।

मंगलुरु में गत दिनों सीएए कानून के विरोध के दौरान पुलिस की गोली से मारे गए मृतकों के परिजनों से मिलते कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा

सीएए कर्फ्यू उल्लंघन

भाकपा सांसद विनय विश्वम सहित कई कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

भाषा। मंगलुरु

भाकपा के राज्यसभा सांसद विनय विश्वम और पार्टी के कुछ अन्य कार्यकर्ताओं को कर्फ्यू का उल्लंघन कर संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन करने के मामले में हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने भारत बचाओ, लोकतंत्र बचाओ के नारे लगाए और नए कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ एदियुरप्पा सरकार द्वारा उठाए कदमों की आलोचना भी की। पुलिस ने बताया कि विनय विश्वम सहित छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस बीच, पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को शहर में कर्फ्यू लगे होने के कारण प्रवेश करने से रोक दिया गया।पुलिस ने बताया था कि शहर के पुलिस आयुक्त पी. एस. हर्ष ने बताया ने सिद्धारमैया को रविवार देर रात तक शहर की सीमा से भीतर ना आने के लिए नोटिस जारी किया था। नोटिस सिद्धारमैया पर बंगलुरु, हुबली, मैसूर और गोवा हवाईअड्डे से शहर में आने पर रोक लगाता है। सड़क, रेल और वायु तीनों मार्गों से उनके शहर में आने पर रोक है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि कोई भी उनके शहर में आने का इंतजाम भी नहीं कर सकता। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को प्रतिनिधिमंडल जो शुक्रवार को हुई हिंसा में मारे गए दो लोगों के परिजन और घायलों से मिलने मंगलुरु पहुंचा था, उसे भी मिलने की अनुमति देने से भी इनकार कर दिया गया और हवाईअड्डे पर ही रोक लिया गया।प्रतिनिधिमंडल में विधानसभा में विपक्ष के नेता एस. आर. पाटिल, पूर्व गृह मंत्री एवं विधायक एम. बी. पाटिल, पूर्व स्पीकर एवं विधायक के. आर. रमेश कुमार और पूर्व सांसद वी. एस. उगरप्पा शामिल थे। सिद्धारमैया को अपनी बेंगलुरु से अपनी मंगलुरु की यात्रा भी रद्द करनी पड़ी थी, क्योंकि उनके निजी विमान को हवाईअड्डे ने वहां उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।शहर के पुलिस आयुक्त पी. एस. हर्ष ने बताया कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान गुरुवार को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद एहतियाती तौर पर आयुक्तालय की सीमा में रविवार की रात तक कर्फ्यू जारी रहेगा। हर्ष ने बताया कि बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों के लिए निर्देशानुसार नोटिस जारी किया गया है।

माकपा ने नागरिकता कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रखने की अपील की

भाषा। नई दिल्ली

माकपा ने शनिवार को लोगों का आह्वान किया कि वो नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन जारी रखें। पाटी महासचिव सीताराम एचुरी ने ट्वीट कर कहा, `असंवैधानिक संशोधित नागरिकता कानून और इसी से जु` एनआरसी के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन जारी रखें। उन्होंने कहा, `हम विरोध प्रदर्शनों पर लगाई गई रोक और कई जगहों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के बल प्रयोग की निंदा करते है। हम सभी से अपील करते हैं कि वो किसी उकसावे में नहीं आएं। इससे पहले माकपा के पोलित ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पहले ही अपने यहां राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू करने से इनकार किया है और से में केंद्र सरकार को एनआरसी एवं राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (एनपीआरी की प्रक्रिया से जुड़ी घोषणा को तत्काल वापस लेना चाहिए।वामपंथी पाटी ने कहा, पूर्वोत्तर के बाहर 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पहले ही कह दिया है कि वे अपने प्रदेशों में एनआरसी लागू नहीं करेंगे। कई दूसरे मुख्यमंत्री भी सी घोषणा कर सकते हैं। इस हालत में केंद्र सरकार की हठधर्मिता स्वीकार्य नहीं है।

पटना में एनआरसी व सीएए कानून के विरोध में अपने समर्थकों के साथ रैली निकालते आरजेडी नेता तेजस्वी यादव

सीएए और एनआरसी आर्थिक मुद्दों से ध्यान भटकाने की केंद्र की साजिश: राज ठाकरे

एजेंसी। पुणे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने शनिवार को संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को आर्थिक संकट से ध्यान भटकाने की केंद्र की साजिश करार दिया। ठाकरे ने हाल में बने सीएए के तहत अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से प्रवासियों की आमद पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, सीएए और एनआरसी के कारण देश में दंगे जैसी स्थिति है। मैं सोच रहा हू कि इन दोनों निर्णयों को कितने लोग समझते हैं। इन दोनों मुद्दों के भिन्न पक्ष हैं। ठाकरे ने कहा कि आर्थिक मंदी से ध्यान भटकाने के लिए खेले गए राजनीतिक खेल के लिए वह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बधाई देते हैं। ठाकरे ने पूछा, अगर आप आधार कार्ड दिखाकर मतदान कर सकते हैं तो उसी दस्तावेज से आपकी नागरिकता साबित क्यों नहीं हो सकती? लोगों को बायोमीट्रिक परीक्षण से क्यों गुजरना पड़ेगा? सीएए के प्रावधानों के बारे में एमएनएस अध्यक्ष ने कहा कि 135 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत को और अधिक लोग नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हिन्दू मुस्लिम का रंग देने की जरूरत नहीं है। ठाकरे ने यह भी कहा कि भारत कोई धर्मशाला या आश्रय स्थल नहीं है जहां अवैध प्रवासी आकर बस सकें। उन्होंने कहा कि भारत के मुसलमानों को असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। ठाकरे ने कहा, इसकी जांच करना जरूरी है कि नेपाल की सीमा से कितने बांग्लादेशी और पाकिस्तानी नागरिक भारत में घुसे हैं। ठाकरे ने राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए शिवसेना की भी आलोचना की।

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व एनआरसी पर स्थिति स्पष्ट करे : दिग्विजय

भाषा। इंदौर मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय नागरिक पंजी एनआरसी को लेकर देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने शनिवार को मांग की कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को एनआरसी पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहाकि भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा को यह बात साफ करनी चाहिए कि देश भर में एनआरसी लागू किया जाएगा या नहीं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह सवाल नड्डा के मध्यप्रदेश दौरे की पूर्व संध्या पर दागा है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष संशोधित नागरिकता कानून के समर्थन में पार्टी के इंदौर में कल रविवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। दिग्विजय ने कहा, देश में एनआरसी लागू होने का मतलब यह है कि सभी लोगों को खुद को भारतीय नागरिक साबित करने के लिए अपने पुरखों के जन्म प्रमाणपत्र, स्कूल में पढ़ने के प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज इकट्ठे करने होंगे। आप समझ सकते हैं कि इतने पुराने प्रमाणपत्र कोई व्यक्ति कैसे जुटा पाएगा? सीएए पर आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा, केंद्र सरकार के पास नागरिकता देने का अधिकार पहले से था। इसमें सीएए की जरूरत ही नहीं थी। उन्होंने एनआरसी और सीएए के खिलाफ देश भर में जारी हिंसक प्रदर्शनों पर चिंता जताते हुए कहाकि हम हिंसा के हमेशा विरोधी रहे हैं और हिंसक घटनाओं को रोकने का सतत प्रयास होना चाहिए। हमें महात्मा गांधी के बताए अहिंसक रास्ते पर चलकर अपनी बात कहनी चाहिए। दिग्विजय ने कहा कि देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एनआरसी लागू करने से इनकार कर दिया है।

गुहा ने सीएए को अनैतिक बताया, कहा कि समझदार सरकार इसे वापस लेगी

भाषा। बेंगलुरु

प्रतिष्ठित इतिहासकार और लेखक रामचंद्र गुहा ने संशोधित नागरिकता कानून को शनिवार को अनैतिक और संविधान की भावना के विरुद्ध बताया तथा कहा कि कोई भी समझदार और न्यायपूर्ण सरकार इसे वापस ले लेगी।उन्होंने कहा कि एनआरसी को तत्काल वापस लेना विश्वास बहाल करने और देश को मरहम लगाने के लिए पहला आवश्यक कदम है।गुहा ने ट्वीट किया, दो चीजें बिल्कुल स्पष्ट है। पहला कि एनआरसी को फौरन वापस लेना विश्वास बहाल करने और देश को मरहम लगाने का पहला आवश्यक कदम है। दूसरा सीएए अनैतिक और संविधान की भावना के विरुद्ध है। कोई भी समझदार और न्यायपूर्ण सरकार इसे भी वापस ले लेगी।गुहा उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें शहर में लागू निषेधाज्ञ की अवहेलना करते हुए यहां टाउन हॉल के समीप संशोधित नागरिकता कानून और एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया गया।हिरासत में लिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए गुहा ने कहा था कि यह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है कि पुलिस शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं करने दे रही जो कि नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है।

खेत प्रदूषित करने के लिए तीन खनन कंपनियों को 65-65 लाख जमा कराने का निर्देश

भाषा। पणजी

बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने तीन खनन कंपनियों को उसके समक्ष 65-65 लाख रुपए जमा कराने का निर्देश दिया है ताकि खनन के चलते प्रदूषित हुए खेतों को फिर से दुरुस्त किया जा सके। न्यायमूर्ति एम एस सोनक और न्यायमूर्ति एम एस जावलकर ने बुधवार को यह अंतरिम आदेश दिया जब राज्य के अभियोजक ने तर्क दिया कि ये खनन कंपनियां उत्तरी गोवा के सिरिगाओ गांव में धान के खेत में गाद भरने के लिए जिम्मेदार हैं। अदालत ने जिला खनिज संस्था खनन कंपनियों से मिले कर के जरिए केंद्र द्वारा गठित संग्रही को इस कार्य के लिए दो करोड़ रुपए अलग से रखने के भी निर्देश दिए।

इस याचिका में वेदांता इंक, राजाराम बांडेकर सिरिदाओ माइन्स प्राइवेट लिमिटेड और चावगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड प्रतिवादी थे। पीठ ने कहा, हम प्रत्एक खनन कंपनी को 27 जनवरी तक या उससे पहले 65-65 लाख रुपए इस अदालत में जमा करने के निर्देश देते हैं। पीठ ने कहा कि अगर बाद में पाया गया कि खनन कंपनियां इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार नहीं हैं तो जिला खनिज संस्था को पूरा खर्च उठाना होगा। अदालत ने राज्य के जल संसाधन विभाग को खेतों से 30 दिन के भीतर गाद हटाने का जिम्मा लेने का भी निर्देश दिया।

गोवा में बुजुर्ग महिला से बलात्कार के बाद हत्या की कोशिश के आरोप में युवक गिरफ्तार

पणजी। उत्तरी गोवा के अंजुना में 60 वर्षीय महिला से कथित तौर पर बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या की कोशिश के मामले में 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि मिजोरम के रहने वाले लालरिन्नुनाज लाल फाकजुआला को मंगलवार रात एक बुजुर्ग महिला से उसके घर में घुस कर बलात्कार करने और हत्या की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पास के एक रेस्तरां में वेटर के तौर पर काम करता है। उसने बुजुर्ग महिला के घर में घुस कर उससे कथित बलात्कार किया और तकिए से उसका मुंह दबा कर उसे जान से मारने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि रेस्तरां में उस वक्त काम कर रहे अन्य वेटरों ने कुछ आवाजें सुनीं और पीड़िता की मदद के लिए आए और आरोपी को पकड़ लिया। प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कारी) और 307 (हत्या की कोशिशी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पटना में एनआरसी व सीएए कानून के विरोध में उग्र प्रदर्शन करते लोग

...तब तुम मेरे पास आना

भगवा सरकार के दौरान साइड पोस्टिंग में दिन गुजार रहे खाकी महकमे के कुछ अफसर सीएए को लेकर राज्य में भड़की हिंसा के बाद अब मुखर होकर मुखिया के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। इनका कहना है कि जब सरकार और मुखिया की नजर में वह लोग फेल अफसरों की श्रेणी में हैं तो फिर हिंसा भड़कने के बाद कानून-व्यवस्था संभालने की अहम जिम्मेदारी में उन्हें क्यों ढकेला जा रहा है। खाकी वाले मुख्यालय में तैनात ऐसे ही एक आईजी और डीआईजी इस समय नवाबों के शहर में मुस्तैद किए गए हैं। इसके पीछे वजह यह है कि दोनों इस शहर में कई अहम पदों पर रह चुके हैं। जब भगवा सरकार आयी तो दोनों को पुरानी सरकार का खास बताते हुए महत्वहीन पदों पर भेज दिया गया। एक लंबा समय गुजर जाने के बाद भी इन्हें फील्ड की पोस्टिंग नसीब नहीं हुई। अब जब कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई तो मुखिया ने उन्हें मोर्चा संभालने का हुक्म सुना दिया। आदेश के पालन में ड्यूटी तो कर रहे हैं लेकिन डीआईजी साहब यह कहने से नहीं चूकते कि अगर हम लोग फेल साबित हैं तो फिर हमें क्यों, मुखिया अपने तीरअंदाज अफसरों को क्यों नहीं लगाते।

जिस्म इधर दिल उधर

विधान परिषद के इस सदस्य को कभी अपनी चल-अचल सम्पत्ति बचाने के लाले थे। आये दिन एलडीए अफसर इनकी सम्पत्तियों की पैमाइश करके गिराने की तैयारी में थे लेकिन जब से विधायक ने अपना चोला बदला है तब से उन्हें चैन है। न एलडीए का डर और न सम्पत्ति जाने का खतरा। भगवा चोला पहनकर मस्ती मना रहे इस विधायक का दर्द विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में छलक पड़ा और अपने पुराने साथियों की तरफ इशारा करके विधायक बोल पड़े कि मैं तो शरीर से यहां हूं, परन्तु आत्मा तो मेरी वहीं बसती है। मुस्लिम समाज से आने वाले इस नेता को सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने विधायक बनाया था और फिर दर्जा प्राप्त मंत्री भी बने। वैसे तो यह पुश्तैनी नवाब हैं लेकिन मंत्री बनने के बाद खूब सही-गलत किया और सम्पत्ति बनायी। सत्ता बदली तो सम्पत्तियों को बचाने के लिये सदन के अन्दर आंसू तक बहाने पड़े लेकिन उनके साथ उनके विधायकों ने कभी जंग नहीं की। चोला बदलने के बाद बिना जंग के विधायक मस्ती करने में जुटे हैं।

बीच का रास्ता

शीतकालीन सत्र में सरकार जब अपने ही सदस्यों की वजह से असहज हो गई तो बीच का रास्ता निकालने वाले एक माननीय को नाराज विधायकों को मनाने के लिए भेजा गया। विधायकगण विधानमंडल की लॉबी में बैठे हुए थे। माननीय के साथ शाहजहांपुर वाले मंत्री महोदय भी मौजूद थे। विधायक काफी नाराज थे जैसे ही माननीय अपने चिर परिचित अंदाज में वहां पहुंचे और उन्होंने बहुत ही नम्र आवाज में कहा कि देखिए आप लोग किंचित चिंता न करें बीच का रास्ता निकाला जाएगा। इतना कहना था कि सारे विधायक तेज स्वर में बोले कि बीच का रास्ता निकालते-निकालते आप यहां तक पहुंच गए। हमें बीच का रास्ता नहीं चाहिए। दोषी अधिकारियों को सदन में बुलाया जाए। इस बात पर माननीय किंचित भी नाराज नहीं हुए और विधायकों को मनाने की कोशिश में लगे रहे लेकिन बात बन नहीं पाई। बाद में स्पीकर के हस्तक्षेप पर मामला शांत हुआ।

ऐसा तो सोचा न था

सौ वर्ष की उम्र में चिर-परिचित और ऐतिहासिक संस्थान पर ऐसा बदनुमा दाग लगेगा, यह बात शायद स्थापना के समय उस अंग्रेज अधिकारी ने भी सोचा भी नहीं होगा, जिसने उनके सपनों को मूर्त रूप देने के लिए जी-भर मदद की थी। अपनी पुरातत्व व वास्तुकला को समेटे हुए इस संस्थान ने देश को राष्ट्रपति तक दिए हैं मगर 100 साल की उम्र में उसे इस कदर बदनाम किया जायेगा, यह बात न तो संस्थान की दीवारों को गंवारा हो सकती है और न ही यहां से पढ़ कर निकलने वाले छात्रों को। पेपरलीक में ऑडियो प्रकरण का ऐसा मामला हुआ की संस्थान की सबसे बड़ी कुर्सी तक इसके घेरे में आ गई। सबसे बड़ी कुर्सी के घेरे में आने के बाद एक के बाद एक गुरुजनों के कारनामे खुलते जा रहे हैं। हालांकि गुरुजनों के यह कारनामें विवि के लिए कोई नई परंपरा नहीं है। इसे सनातन से चली आ रही व्यवस्था के रूप में देखा जा सकता है। पर, हैरानी इस बात की है कि ये सारे मामले किसी खास के इशारे पर खोले जा रहे हैं। जो भी हो, पर यह बदनाम करने का सिलसिला जो चल निकला है, इसके बारे में किसी को उम्मीद नहीं थी। ऐसा हश्र किसी ने न सोचा था।

मुसीबत ने किया स्वागत

तहजीब के शहर में नवागंतुक जिला प्रशासन के बड़े साहब टुंडा बिरयानी, शाम ए अवध का नजारा देख भी नहीं पाए थे कि धूल भरी आंधी सब उड़ा ले गयी। साहब का स्वागत ऐसे होगा किसी ने सोचा भी न था। सिर मुड़ाते ओले पड़े। बेचारे बड़े साहब। प्रदर्शन करने वालों ने कुछ बाकी नहीं रखा। नदवा में हुई पत्थरबाजी और प्रदर्शन को संभालने पर बड़ी कामियाबी समझ बैठे साहब की खुशियां परवान भी नहीं चढ़ पायी थीं कि हुडदंग ने सब काफूर कर दिया। गुरुवार को एनआरसी पर प्रदर्शन कर हुड़दंगियों ने सब खुशी छू मंतर कर दी। दंगाइयों का हुड़दंग ऐसा कि रोके न रुका। बड़ी बड़ी बातें करने वाले अधिकारियों के सारे बोल गोल हो गए। जलती बसों को रोक नहीं सके। आधी अधूरी तैयारियों से कूदे अधिकारी एक दूसर का मुंह ताक रहे थे जब हुड़दंगियों को भगाने के दौरान आंसू गैस के गोले फुस्स हो गए। हिंसा से चलते वाले पुलिस अधिकारी भी झुंझला गए। दौड़ पड़े डंडे लेकर, आखिर देशी तरीका भी कब काम आएगा। अब बेचारे बेहाल हुए घूम रहे बड़े साहब एक विशेष वर्ग के मुखियाओं को मनाने में जुटे हुए हैं। कभी इस धर्म के धुरंधर के साथ बैठे रहे, तो कहीं जबरन मुस्कराहट के साथ चाय की चुस्की में भुलाने का प्रयास करते रहे। र तत भी नींद न आने की पूरी गारंटी है कि पता नहीं कब कैब, एनारसी मिलकर नारकीय बना दें। कुछ लोग चुटकी लेने में नहीं चूके। पिछले साहब के जाते ही लोग क्यों भड़क गए।

हिंसा एवं सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान न करें: राज्यपाल

आनंदीबेन पटेल ने की शांति की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में प्रदेश के अनेक जिलों में हो रहे हिंसक प्रदर्शन एवं सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान के दृष्टिगत नागरिकों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। प्रदेशवासियों के नाम अपनी अपील में राज्यपाल ने कहा है कि हिंसा, आगजनी एवं सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान से कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती है। इससे जान-माल की हानि सहित बच्चों की पढ़ाई एवं रोगियों के उपचार में व्यवधान उत्पन्न होता है तथा आम नागरिकों को भी परेशानी होती है। राज्यपाल ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून के प्राविधान से किसी भी नागरिक का हित प्रभावी नहीं होगा। भ्रम की स्थिति न उत्पन्न होने दें तथा अफ वाहों से दूर रहें। इस विषय में किये जा रहे दुष्प्रचार से प्रभावित न हों।

गवर्नर से मिले सीएम योगी: लखनऊ। नागरिकता संशोधन एक्ट को लेकर प्रदेश के कई जिलों में हिंसा की घटनाओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राजभवन जाकर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की और ताजा स्थिति से अवगत कराया। सीएम करीब पन्द्रह मिनट राजभवन में रहे और राज्य सरकार द्वारा उठाये गये कदमों से उन्हें अवगत कराया। मिली जानकारी के मुताबिक सीएम योगी सुबह करीब 11 बजे पांच कालीदास स्थित अपने आवास से राजभवन निकले। राजभवन पहुचने पर उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की। नागरिकता संशोधन एक्ट को लेकर हो रही हिंसा के विभिन्न बिन्दुओं पर सीएम ने राज्यपाल के साथ बात की।

गलत प्रचार कर देश में आग लगाने से बाज आए विपक्ष: भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने विपक्षी दलों को आगाह करते हुए कहा कि वह नागरिकता संशोधन कानून पर गलत प्रचार कर देश में आग लगाने से बाज आएं वर्ना इस आग में वह भी नहीं बचेंगे। देश और प्रदेश में विरोध के नाम पर संगठित हिंसा देश की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान करने वाले और जनहानि करने वालों को इसका अंजाम भुगतना होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य की योगी सरकार हिंसा करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की भरपाई भी उनसे ही कराएगी। नागरिकता संशोधन कानून बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफ गानिस्तान में धार्मिक आधार पर सताए गए हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनों, पारसियों व ईसाइयों को नागरिकता देकर मानवता को बचाने के लिए लाया गया है लेकिन कांग्रेस की अगुवाई में सपा, बसपा, राजद आदि तमाम दल इस कानून पर लोगों को गुमराह कर देशभर में हिंसा फैलाने का षडयंत्र रच रहे हैं। विपक्षी दल पर्दे के पीछे से भयानक खेल खेल रहे हैं और देश की शांति को नष्ट करना चाहते हैं। देश के विभिन्न भागों में हुई हिंसा के पीछे कई राजनैतिक दलों के नेताओं की भूमिका सामने आई है।

उन्होंने कहा कि देश का विभाजन कराने वाली कांग्रेस फिर से देश को बांटना चाहती है। स्वार्थ की राजनीति करते हुए कांग्रेस और उसके सहयोगी दल लोगों को हिंसा के लिए उकसा रहे हैं लेकिन उनको ठीक से समझ लेना चाहिए अब देश में मोदी और राज्य में योगी सरकार है जो संवैधानिक ढंग से संसद के दोनों सदनों में पारित नागरिकता संशोधन कानून का अतार्किक विरोध करते हुए संविधान का मजाक बनाकर संसद को कमजोर करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के षडयंत्र को कामयाब नहीं होने देगी। उत्तर प्रदेश में वीडियो फु टेज तथा अन्य पुष्ट प्रमाणों के आधार पर बलवाई चिन्हित किए जा रहे है। तथ्यों के आधार पर उपद्रवियों की संपत्तियों को जब्त करके जनधन की हानि की भरपाई की जाएगी।

आधुनिकीकरण के दौर में भारत का दुनिया में एक विशेष स्थान: डॉ. दिनेश शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी शिक्षण संस्थान का हृदय होता है। यह शिक्षण संस्थान की उत्कृष्टता का पैमाना होता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में कहा जाता है कि अगर लन्दन की आर्थिक स्थिति को जानना है तो हाउस ऑफ कामन्स को नहीं बल्कि लन्दन के स्टाक एक्सचेन्ज को देखना चाहिए। इसी प्रकार से किसी शिक्षण संस्थान के बारे में जानने के लिए वहां के पुस्तकालय को देखना चाहिए।

डॉ. शर्मा ने यह विचार शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के मधु लिमये लाइब्रेरी द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल कान्फ्रेंस ऑन डवलपमेन्ट ऑफ डिजिटल लाइब्रेरीज इन आईपीआरडीजीम कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जितना अच्छा पुस्तकालय उतना ही बेहतर वह शिक्षण संस्थान होता है। पुस्तकालय में सूचनाओं का भंडारण होता है। यहां पर बौद्धिक संपदा से

सम्बद्ध सामग्री का प्रयोग होता है। यहां पर ज्ञान के संचरण के जरिए भविष्य का संरक्षण भी होता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि समय के बदलाव के साथ भारत सरकार ने डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया जैसे आयाम दिए हैं। आधुनिकीकरण के इस दौर में भारत का दुनिया में एक विशेष स्थान है। डॉ. शर्मा ने कहा कि समय के बदलाव के साथ शोध गंगा ईपीजी पाठशाला, शोध सिन्धु एविद्या मित्र तथा डिजिटल लाइब्रेरी से शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। कभी कभी विद्यार्थी डिजिटिल सूचना का प्रयोग विधि सम्मत तरह से नहीं कर पाते हैंए, तब विसंगति पैदा होती है। ऐसे समय में कापीराईट के नियमों का पालन आवश्यक होता है। उम्मीद है कि यह सेमिनार इस क्षेत्र में आने वाले परेशानियों के बारे में जागरूकता की दिशा में अहम रोल निभाने में सफल होगी। विशेष अतिथि प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति डॉ. ए पी जे, अब्दुल कलाम तकनीकि विश्वविद्यालय लखनऊ ने अपने उद्बोधन में चीन के टेकनेशनालिज्म के बारे में बताया तथा पुस्तकालयों में आर्टीफीशियल एन्टेलीजेन्स तकनीकि के प्रयोग के बारे में भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. एन लक्ष्मनराव एमीरिटस प्रोफेसर ओसमानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, डॉ. मनीष बाजपेई, कुल सचिव मनोज कुमार, डॉ. एके तिवारी, डॉ. वन्दना सिंह, डॉ. केए पाण्डेय, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. अलका सिंह, संजय दिवाकर इत्यादि ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

धान खरीद ने फिर भरा फर्राटा

लखनऊ(पीएनएस)। दो महीने की सुस्त रफ्तार के बाद धान खरीदा ने अचानक फर्राटा भरा है। दो महीनें में पन्द्रह लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का आंकड़ा दिसम्बर माह में अचानक 33 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गया हैं। खरीद में आयी इस तेजी से अफसरों का जोश भी बढ़ा है और बचे दिनों में वह निर्धारित लक्ष्य से अधिक धान की खरीद होने का दावा करने लगे हैं। धान खरीद के ताजा आंकड़ों के मुताबिक राज्य में अब तक 33 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान किसानों से खरीदा जा चुका है। जिसमे जिसमे सबसे अधिक 8.84 लाख मीट्रिक टन धान खाद्य एवं रसद विभाग ने खरीदा है। राज्य सरकार की क्रय एजेन्सी पीसीएफ ने 6.56 लाख मीट्रिक टन, यूपी एग्रो ने 1.12 लाख मीट्रिक टन, यूपीएसएस ने 2.22 लाख मीट्रिक टन, नैफेड ने 1.43 लाख मीट्रिक टन, एसएफसी ने 1.41 लाख मीट्रिक टन

तथा यूपीपीसीयू ने 5.33 लाख मीट्रिक टन सहित बाकी अन्य एजेन्सियों ने खरीदा है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल इसी अवधि में 21.41 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया था जबकि इस बार खरीद का आंकड़ा 33 लाख मीट्रिक टन को पार कर गया है। अभी पहले चरण की धान खरीद 31 जनवरी तक होनी है और दूसरे चरण की धान खरीद 28 फरवरी तक होगी। सरकार ने कुल 50 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा है। अधिकारियों का मानना है कह इस लक्ष्य को खरीद खत्म होने से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

नागरिकता संशोधन अधिनियम व एनआरसी का सपा हर स्तर पर करेगी विरोध: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी नागरिकता संशोधन अधिनियम तथा एनआरसी के पक्ष में नहीं है। उसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता का अधिकार है लेकिन उसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं हो सकता है। शांतिपूर्ण एवं अहिंसात्मक ढंग से ही अपनी बात रखनी चाहिए। श्री यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे सामाजिक सद्भाव बनाने और आपसी भाईचारा कायम रखने के लिए जनता के बीच जाएं और उनसे सम्पर्क बनाकर समाजवादी पार्टी का पक्ष रखे। वे किसी के बहकावे में नहीं आएं। समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक विरोध की पक्षधर है और उसकी मांग है कि किसी के साथ अन्याय न किया जाए। सरकार द्वारा निर्दोषों को फंसाने की साजिश नहीं होनी

चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा को मनमानी छोड़कर जनता की आवाज सुननी चाहिए। सत्ता के रोड रोलर से जनमत को कुचला नहीं जा सकता है। देश को तबाह करने और समाज की विषमता को बढ़ावा देने की किसी भी प्रवृत्ति को देश स्वीकार नहीं करेगा। असहमति को विद्रोहभावना से नहीं देखा जाना चाहिए। देश में गंगा-यमुनी संस्कृति पर आघात को जनता बर्दाश्त नहीं कर सकती। अखिलेश ने कहा कि संविधान की मूलभावना से किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जा सकता है। ऐसा करना संविधान की शपथ की अवहेलना और राष्ट्रीय हितों से खिलवाड़ करना होगा। भाजपा सरकार को भी संविधान का सम्मान करना सीखना चाहिए। लोकतंत्र की मर्यादा एवं नैतिकता का सम्मान होना आवश्यक है।

सीएए व एनआरसी पर जिद छोड़कर अपना फैसला वापस ले सरकार

लखनऊ(पीएनएस)। बसपा अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह संशोधित नागरिकता कानून और एनआरसी पर अपनी जिद छोड़कर अपने फैसले को वापस ले। बसपा अध्यक्ष ने शनिवार को ट्वीट करके कहा कि अब तो नए सीएए व एनआरसी के विरोध में केंद्र सरकार के एनडीए में भी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। अत: बसपा की मांग है कि वे अपनी जिद को छोड़कर इन फैसलों को वापस ले। साथ ही प्रदर्शनकारियों से भी अपील की है कि अपना विरोध शांतिपूर्ण ढंग से ही प्रकट करें। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मायावती ने पार्टी समर्थकों को नए नागरिकता कानून के विरोध में हिंसक विरोध प्रदर्शन करने की जगह डाक और मेल आदि से संबंधित राज्य के डीएमए सीएम व राज्यपाल को लिखित ज्ञापन भेजने को कहा है। उन्होंने लोगों से तोड़फोड़ व हिंसा न करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि कि केंद्र सरकार की ओर से लाए गए नए नागरिकता कानून व एनआरसी को जबर्दस्ती थोपने के अंदेशे में पूरे देश में जगह-जगह जनाक्रोश है। बसपा पूरी तरह इसके साथ है।

गरीबों को राशन की चीनी वितरण का मामला

खरीद योजना बनाने व बिगाड़ने में बिता दिये ढ़ाई साल

● सरकार को नही मिली चीनी आपूर्ति करने वाली कोई कम्पनी, सहकारी मिलों से खरीद का नया प्रस्ताव

कमल दुबे। लखनऊ

चालीस लाख से ज्यादा गरीब परिवारों को चीनी बांटने में सरकार के अफसरों ने हाथ खड़े कर दिये हैं। ढ़ाई साल से ज्यादा की कवायद के बाद भी चीनी आपूर्ति करने वाली कम्पनियां सरकार को नही मिली हैं। नतीजतन खाद्य विभाग ने प्रस्ताव भेजकर सहकारी मिलों से गरीबों के लिये चीनी खरीदने की नयी पहल की है। खाद्य एवं रसद आयुक्त मनीष चौहान के मुताबिक मैराथन प्रयास के बाद भी ई-टेंडरिंग में कोई कम्पनी चीनी आपूर्ति करने के लिये आगे नही आयी है। उनका कहना है कि पिछले करीब ढ़ाई साल से फंसा गरीबों की चीनी का राशन में फिर से वितरण शुरू कराने के लिये सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। जिसमे किसी कम्पनी के न मिलने का जिक्र करते हुये सहकारी मिलों से फिर से चीनी की आपूर्ति के लिये पहल की गई है। सरकार की मंजूरी मिलने पर खाद्य आयुक्त को राशन में चीनी का वितरण शुरू होने की उम्मीद है।

अप्रैल 2017 में केन्द्र सरकार ने राशन में चीनी का वितरण पूरी तरह बंद करने का फैसला लिया था। इस फैसले के पहले केन्द्र सरकार सभी राज्यों को 18.40 रुपये प्रतिकिलो की दर से सब्सिडी देती थी और राशन उपभोक्ताओं को चीनी का वितरण होता था। यूपी की योगी सरकार सहित अन्य राज्यों की सरकारों ने केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों की सब्सिडी बनाये रखने की पहल की थी। जिसे केन्द्र सरकार ने सब्सिडी बंद होने के कुछ महीनों बाद स्वीकार कर लिया था। जिससे राज्यों में चीनी वितरण का रास्ता साफ हो गया था। गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों को चीनी दिये जाने के केन्द्र सरकार के निर्णय के बाद से पिछले करीब ढ़ाई साल से यूपी में चीनी वितरण की कवायद चल रही है, लेकिन सरकारी मशीनरी चीनी का वितरण शुरू नही करा सकी है। चीनी आपूर्ति के लिये करीब साल भर तक निविदा के द्वारा चीनी आपूर्ति की कोशिश हुई लेकिन अधिकारियों के इस प्लान को राज्य सरकार ने ई-टेंडरिंग का हवाला देकर खारिज कर दिया था। इसके बाद मंत्रिपरिषद की बैठक में ई-टेंडरिंग कराके गरीबों को चीनी का वितरण शुरू कराने के अधिकारियों को निर्देश दिये गये थे। राज्य सरकार की तरफ से दिये गये इन निर्देशों को साल भर से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन गरीबों को चीनी का इंतजार अभी खत्म नही हुआ है। खरीद की योजनाओं को बनाने और बिगाड़ने में सरकारी मशीनरी ने ढ़ाई साल से ज्यादा का समय गुजार दिया है। अभी भी गरीबों को चीनी वितरण होने की तस्वीर पूरी तरह साफ नही है। खाद्य एवं रसद विभाग के नये प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद चीनी खरीद की फिर से सरकारी कवायद होगी। चीनी खरीदने के सरकारी जतन फेल होने के पीछे अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि कोई भी कम्पनी निर्धारित दर से लम्बे समय तक चीनी की आपूर्ति करने को तैयार नही है। इसके अलाव जिन कम्पनियों ने थोड़ी-बहुत दिलचस्पी दिखाई है, वे वितरण सेंटरों तक जाकर चीनी नही देना चाहती है। ऐसे में खाद्य एवं रसद विभाग ने मजबूरन सहकारी मिलों से चीनी खरीदने का प्रस्ताव सरकार को भेजना पड़ा है।

भाजपा ने शुरू से ही पिछड़ों को ठगने का काम किया: लल्लू

● 26 से 13 जनवरी तक मंडलवार बैठकें, नुक्कड़ सभाएं कर पिछड़ों व अतिपिछड़ों को कांग्रेस से जोड़ेंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पिछड़ों का सम्मान रखा है और वर्तमान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में पिछड़े वर्ग को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व दिया गया है। आने वाले समय में प्रदेश में पिछड़ों को संगठन व सत्ता में भागीदारी दिलाई जाएगी।

उन्होंने वर्तमान सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने शुरू से ही पिछड़ों को ठगने का काम किया है। लल्लू शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में विभिन्न मंडलों के पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग) के प्रतिनिधियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व सांसद राजा राम पाल ने की। बैठक का संचालन श्री आनन्द वर्मा ने किया। इस मौके पर लल्लू ने कहा कि देश व प्रदेश में बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न, बलात्कार, हत्या जैसे जघन्य घटनाओं और अपनी विफ लताओं को छिपाने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार तरह-तरह के हथकण्डे अपना रही है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग भाजपा की कुत्सित चाल को समझ चुका है और वह अब इनके बहकावे में आने वाला नहीं है। प्रदेश में पिछड़ा वर्ग कांग्रेस पार्टी के पक्ष में लामबन्द हो रहा है।

एनआरसी व सीएए भारत के संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ: प्रियंका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि एनआरसी और सीएए भारत के संविधान के मूल आत्मा के खिलाफ है। किसी भी कीमत पर बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान पर हमला नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जनता से शांति और सौहार्द बनाने की अपील की है। प्रियंका ने कहा कि जनता इस हमले के खिलाफ सड़क पर उतर कर संविधान के लिए लड़ रही है लेकिन सरकार बर्बर दमन और हिंसा पर उतारू है। एनआरसी और नागरिकता संशोधन कानून देश की गरीब जनता के खिलाफ है।

भाजपा सरकार ने जैसे नोटबन्दी में गरीबों को लाइन में खड़ा किया था अब एनआरसी और नागरिकता संशोधन कानून के नाम पर लोगों को लाइन में खड़ा करेगी, एक कट ऑफ डेट तय करेगी और हर एक भारतीय

को अपनी भारतीयता सिद्ध करने के लिए उस डेट के पहले का कोई मान्य दस्तावेज पेश करना पड़ेगा। इससे गरीब और वंचित लोगों को प्रताड़ित किया जाएगा। देश के तमाम हिस्सों से छात्रों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वकीलों और पत्रकारों की अवैध रूप से गिरफ्तारियां निंदनीय हैं। पूरे देश समेत उत्तर प्रदेश के हर जिले से लोगों को गिरफ्तार करके पुलिस कहां ले जा रही है, किसी को पता नहीं है। यह लोकतंत्र के लिए काला दिन है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दो दिन से कई सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं को पुलिस अवैध हिरासत में रखी हुई है। उनके परिजनों को उनकी गिरफ्तारी की कोई खबर नहीं दी गयी। मीडिया के माध्यम से दिल दहला देने वाली खबर मिल रही है कि उनको पुलिस हिरासत में मारा पीटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में संचार व इंटरनेट सरकार ने बंद कर रखा है। फिरोजाबाद, अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली, रामपुर, कानपुर और गोरखपुर में पुलिस ने शांतिपूर्ण चल रहे प्रदर्शनों पर लाठीचार्ज किया। जगह-जगह चल रहे प्रदर्शन और मार्च में पुलिस लोगों को हिंसा के लिए उकसा रही है। उत्तर प्रदेश में पुलिसिया हिंसा में 15 लोगों के मारे जाने की खबर है।

नागरिक संशोधन कानून को तत्काल वापस लें मोदी व शाह

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी एवं आराधना मिश्रा मोना ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा संविधान की रक्षा के लिए गांधीवादी तरीके से आन्दोलन कर रहे आन्दोलनकारियों को समर्थन करने के लिए उनके प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। नेता द्वय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मन्त्री अमित शाह से अपील की है कि वे तत्काल नागरिक संशोधन कानून को वापस लें तथा जनता से संवाद करें और उन्हें संतुष्ट करें और यह आग जो देश-प्रदेश में लगी है उसे बुझाएं। नेता द्वय ने कहा है कि लोकतन्त्र में सरकार का प्रथम कर्तव्य होता है कि यदि कहीं असंतोष है या आग लगी है तो वह उसे बुझाती है और स्थिति का सामान्य करती है परन्तु यहां भारतीय जनतापार्टी की केन्द्रीय सरकार ने शान्त भारत देश को जबरदस्ती अशांत कर दिया है और राजनैतिक आग लगा दी है।

उद्धव ने किसानों के दो लाख तक कर्ज माफ करने की घोषणा की

● भाजपा ने इसे छलावा बताया, कहाः हम 1.5 लाख रुपए तक के कर्ज माफ कर चुके हैं। 2017 से 2019 के बीच से किसान बहुत कम होंगे जिनका कर्ज बकाया होगा

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को किसानों के दो लाख रुपए तक कर्ज माफ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यहां विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन यह घोषणा करते हुए कहा, 30 सितम्बर, 2019 तक लिए गए फसल हमारी सरकार द्वारा माफ किए जाएंगे। की उच्चतम सीमा दो लाख रुपए तक है।

इस योजना को महात्मा ज्योतिराव फुले ण माफी योजना कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा समय पर कर्ज का भुगतान करने वाले किसानों के लिए एक विशेष योजना लाई जाएगी। महाराष्ट्र के वित्तमंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि कर्ज माफी शर्तरहित होगी और इसका विवरण भविष्य में मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी किया जाएगा।

सदन में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाया कि सरकार ने पूरा कर्ज माफ करने का अपना वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना नीत सरकार किसानों को बेमौसम बरसात के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रति हेक्टेयर पच्चीस हजार रुपए की सहायता देने में विफल रही है। उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री बनने से पहले खुद इसकी मांग की थी। इसके बाद फडणवीस और अन्य भाजपा नेताओं ने विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

भाजपा ने इसे छलावा बताया

भाषा। नागपुर

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को घोषणा की, कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा किसानों के कर्ज माफ करने की योजना की घोषणा के विरोध में भाजपा प्रदर्शन करेगी। फडणवीस ने कर्ज माफी को किसानों के साथ विश्वासघात बताया।

शिवसेना के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने दिन की शुरुआत में 30 सितंबर 2019 तक कर्ज लिए किसानों के दो लाख रुपए तक के ण माफ करने की योजना की घोषणा की थी। विधानसभा के बाहर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, हम किसानों से हुए धोखे के विरोध में राज्यवार प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, भाजपा नीत सरकार द्वारा 2017 में की गई कर्जमाफी से पहले ही किसान लाभान्वित हो चुके हैं। हमने 1.5 लाख रुपए तक के कर्ज माफ किए थे। 2017 से 2019 के बीच से किसान बहुत कम होंगे जिनका कर्ज बकाया होगा। फडणवीस ने कहा कि कर्जमाफी के असली हकदार वे किसान हैं जिनकी फसल बेमौसम बरसात से अक्टूबर में बर्बाद हुई।

पारिवारिक व्यवस्था को मजबूत कर ना समय की जरूरतः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली(भाषा)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शनिवार को पारिवारिक व्यवस्था और इसके मूल्यों को स्कूल के दिनों से ही मजबूत करने और बच्चों को बड़ों का आदर करना सिखाने को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बुजुर्गों के पारिवारिक सदस्यों और समुदायों से आग्रह किया कि उनकी देखभाल और सेहत को उच्च प्राथमिकता दें। हेल्थ एंड वेलबीइंग इन लेट लाइफ : पर्सपेक्टिव एंड नैरेटिव्स फ्रॉम इंडिया पुस्तक के विमोचन के अवसर पर उपराष्ट्रपति ने भारतीय पारिवारिक व्यवस्था और पारिवारिक मूल्यों को भारतीय सभ्यता की खासियत बताया। पुस्तक एम्स के जिरियाट्रिक मेडिसिन के विशेष डॉ. प्रसून चटजी ने लिखी है। नायडू ने सामाजिक एवं व्यवहारगत बदलाव का आह्वान करते हुए कहा, हमें भारतीय पारिवारिक व्यवस्था, मूल्यों, संस्कृति और परम्पराओं की तरफ लौटना होगा। माता-पिता, गुरु और प्रकृति का आदर करना भारतीय दर्शन में समाहित है। उपराष्ट्रपति ने बुजुर्गों से दुर्व्यवहार और उन्हें छोड़े जाने की खबरों पर क्षोभ जताया और कहा कि काफी संख्या में बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में जबरन भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बच्चों का कर्तव्य है कि अपने माता-पिता और दादा-दादी की अच्छी तरह देखभाल करें।

राशन की अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी के लिए नए राशन कार्ड की आवश्यकता नहीः पासवान

नई दिल्ली। खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने कहा है कि जून 2020 से देश भर में लागू होने जा रही सरकार की महत्वाकांक्षी एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड योजना के तहत एक जगह से दूसरी जगह जाने पर राशन कार्ड का लाभ लेने के लिए नए राशन कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने कहा इस पहल को अभी प्रायोगिक आधार पर लागू किया जा रहा है। किसी नागरिक के देश के दूसरे राज्य में जाने पर वह वहां की राशन की दुकान से राशन ले सकेंगे। सरकार का उद्देश्य अगले साल एक जून से पूरे भारत में इस पहल को लागू करना है। इस पहल के तहत, पात्र लाभार्थी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 'एनएफएसएी के तहत देश की किसी भी उचित मूल्य की दुकान से एक ही राशन कार्ड का उपयोग करके अपने हिस्से का खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। पहल के कार्यान्वयन की समीक्षा करने वाले पासवान ने कहा, कुछ अखबारों में खबरें थीं कि इस योजना के लिए नए राशन कार्ड जारी करने होंगे। यह तथ्यहीन बात है।

नया राशन कार्ड लेना आवश्यक नहीं है। मौजूदा कार्ड पूरे भारत में मान्य होगा। उन्होंने कहा कि लाभार्थी अपने मौजूदा राशन कार्ड का उपयोग ईपीओएसी मशीनों पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण द्वारा कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य स्तरीय पोर्टेबिलिटी 12 राज्यों में पूरी तरह और चार में आंशिक रूप से चालू है। आठ राज्य आपस में एक दूसरे के यहां जारी कार्ड को स्वीकार करने लगे हैं। आठ राज्यों में दो-दो सटे राज्यों के बीच कार्ड की पोर्टेबिलिटी शुरू हो चुकी है।

मार्च तक एनपीए को लेकर अच्छी हो जाएगी अधिकांश बैंकों की स्थितिः रजनीश कुमार

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई के चेयरमैन रजनीश कुमार ने शनिवार को कहा कि गैर-निष्पादित संपत्ति एनपीए के मामले में अधिकतर बैंक मार्च तक अच्छी स्थिति में होंगे और बैंकिंग प्रणाली में ऋण वितरण के लिए नकदी की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने फिक्की के 92वें सालाना सम्मेलन में कहा कि बुनियादी संरचना तथा उपभोक्ता क्षेत्र में ण की मांग में कोई खास कमी नहीं आई है, अत: इन क्षेत्रों में ण वितरण के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, 31 मार्च तक अधिकांश बैंक एनपीए के लिहाज से अच्छी स्थिति में होंगे। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर घटाने का लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बैंक संपत्ति और देनदारी में असंतुलन बनने के जोखिम को देखते हुए ब्याज दर में एक सीमा से अधिक कटौती नहीं कर सकते हैं। कुमार ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में पूंजी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट पर्याप्त ण नहीं ले रहे हैं और अपनी क्षमता का अच्छे से उपयोग नहीं कर रहे हैं।

दूरसंचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम की प्रस्तावित नीलामी के लिए ण देने के बारे में उन्होंने कहा, हमारे लिए दूरसंचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए ण देना पूरी तरह से असुरक्षित है। यह कागजों पर सुरक्षित है क्योंकि नीलामी सरकार करने वाली है, लेकिन व्यावहारिक तौर पर यह पूरी तरह से असुरक्षित है।

महाराष्ट्र के सभी संभागों में मुख्यमंत्री कार्यालय स्थापित किए जाएंगेः उद्धव ठाकरे

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि राज्यभर में संभागीय स्तर पर मुख्यमंत्री कार्यालय खोले जाएंगे ताकि लोगों को सरकारी कामकाज के लिए मुम्बई की यात्रा नहीं करनी पड़े। ठाकरे ने विधानसभा में कहा कि इन मुख्यमंत्री कार्यालयों को मंत्रालय में स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय से जोड़ा जाएगा और दावा किया कि यह कदम सत्ता के विकेंद्रीकरण के सरकार के प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने यह भी घोषणा कि राज्य में 50 स्थानों पर गरीबों के लिए 10 रूपए में भोजन योजना शुरू की जाएगी जो शिवभोजन के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगी। शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन ठाकरे ने यह भी कहा कि विदर्भ में सभी लंबित सिंचाई परियोजनाएं जून, 2023 तक पूरी की जाएंगी और धान के किसानों को अतिरिक्त 200 रूपए प्रति क्विंटल दिया जाएगा तथा मुम्बई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर कृषि समृद्धि केंद्र खोले जाएंगे।

देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका जारी रहेगीः वायुसेना प्रमुख

भाषा। हैदराबाद

वायुसेना प्रमुख आर के एस भदौरिया ने रक्षा क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखने पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि मौजूदा दशक में युद्ध की पद्धतियों और स्वरूप में अहम बदलाव नजर आने की संभावना है। वायुसेना प्रमुख भदौरिया ने कहा कि वायुसेना ने अपनी स्थापना के बाद से चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

उन्होंने कहा, मौजूदा दशक में युद्ध की पद्धतियों और स्वरूप में अहम बदलाव नजर आने की संभावना है। वायुसेना प्रमुख ने नजदीक के डुंडीगल स्थित एयरफोर्स एकेडमी में संयुक्त स्नातक परेड के दौरान कहा, भरतीय वायुसेना रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगी और आप उन प्रमुख लोगों के समूह में शामिल होंगे जिनसे यह कर दिखाने को कहा जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा करने वाले फ्लाइट कैडेट प्रत्एक कार्य को निपुणता से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, जब हम युद्ध के समूचे परिदृश्य में दुश्मन से लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, से में हमें मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में तथा उभरने वाली किसी अन्य जरूरी भूमिका में भी राष्ट्र की सक्रियता से अवश्य मदद करना चाहिए। वायुसेना की फ्लाइंग एवं ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 127 फ्लाइट कैडेट के प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने पर इस परेड का आयोजन किया गया था। वायु सेना द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार 21 महिला अधिकारी भारतीय वायुसेना में शामिल हुइ'। भदौरिया ने परेड का निरीक्षण करने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके सभी फ्लाइट कैडेट को प्रेजिडेंट कमीशन प्रदान किया। वायु सेना अकादमी के कमांडेंट ने प्रशिक्षण में सफल सभी कैडेट को शपथ दिलाई। विज्ञप्ति के अनुसार शनिवार को नए कमीशन प्राप्त करने वाली अधिकारियों में गाजियाबाद की आरती तोमर भी शामिल हैं जो इस बैच में फाइटर ब्रांच की एकमात्र महिला अधिकारी हैं।

पाक से विमर्श की लड़ाई में आगे रहने के लिए एकीकृत जनसंपर्क कमान की जरूरत

भाषा। नई दिल्ली

देश के साइबर सुरक्षा प्रमुख ने पाकिस्तान के साथ विमर्श की लड़ाई में आगे रहने के लिए सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के लिए एक एकीकृत जन संपर्क कमान की जरूरत पर शनिवार को जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने डायरेक्टर जनरल इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डीजी-आईएसपीआरी के जरिए अपने इन कार्यों में तालमेल बना रखा है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत ने कहा कि सशस्त्र बलों के तीन अंगों के अपने-अपने जनसंपर्क अधिकारी हैं और वे अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। उन्होंने कहा, हम डीजी-आईएसपीआर के समतुल्य अपना तंत्र बनाने जा रहे हैं क्योंकि सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के अपने खुद के जन संपर्क हैं और वे अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। अब राष्ट्रीय स्तर पर मौजूद किसी व्यक्ति को अब विमर्श की लड़ाई पर और इसे विभिन्न क्षेत्रों में लागू करने पर गौर करना होगा। पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के लिए प्रवक्ता के तौर पर काम करने वाले डीजी-आईएसपीआर के बारे में बात करते हुए पंत ने कहा कि पड़ोसी देश ने विमर्श की लड़ाई में इस एजेंसी के जरिए अपने कार्य में तालमेल स्थापित कर रखा है।

उन्होंने यहां एक सेमिनार में कहा, उनके पाक के डीजी-आईएसपीआर के बनने के बाद से हम दूसरी ओर से पश्चिम सीमा से क्या प्राप्त कर रहे हैं, उन्होंने अपने कार्य में तालमेल बना लिया है। आधिकारिक ट्विटर हैंडल, फिशियल डीजीआईएसपीआर के मुताबिक मेजर जनरल आसिफ गफूर इस पद पर दिसंबर 2016 से हैं। लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त पंत ने कहा, जब वह 'डीजीआईएसपीआर विमर्श की लड़ाई करता है, जैसा हमने कश्मीर के मामले में कहा, वह यूरोप को यह संदेश भेजता है कि मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब वे डीजीआई एसपीआर इस्लामी देशों से बात करते हैं, तब वे उनसे कहते हैं कि इस्लाम खतरे में है। वे दक्षिण पूर्व एशिया से क्षेत्रीय अस्थिरता के बारे में कहते हैं उन्होंने कहा, इसलिए, सा लगता है कि वे तालमेल के साथ काम करते हैं।

आसू ने मोदी, शाह व सोनोवाल पर लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाया

भाषा। गुवाहाटी

असम स्टूडेंट्स यूनियन-आसू ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल पर आरोप लगाया कि वे विवादित नागरिकता कानून के पीछे यहां बसे बांग्लादेशियों से उनकी पहचान, भाषा और जमीन को सुरक्षित रखने की दलील देकर लेकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।

आसू के प्रमुख सलाहकार समज्जुल भट्टाचार्य ने सीएए के खिलाफ महिला रैली को संबोधित करते हुए दावा किया तीनों नेता असम के लोगों को विशिष्ट फार्मूले से मूल लोगों को बचाने और साथ ही बांग्लादेशियों को सीएए के जरिए बसाने की नीति से धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उनका 'भाजपी विलक्षण फार्मूला समझ नहीं आ रहा। एक ओर वह कहते हैं कि असमी लोगों की भाषा, पहचान और जमीन सुरक्षित है, दूसरी ओर सीएए के जरिए बांग्लादेशियों को लाएंगे जो मूल निवासियों के लिए खतरा हैं। आसू अध्यक्ष दीपांकन कुमार नाथ ने कहा कि मोदी सरकार सीएए के जरिए दिसंबर 2014 तक राज्य में आए बांग्लादेशियों को रखने की बात कर लोगों को भ्रमित कर रही हैं और गलतफहमी पैदा कर रही है जबकि 1985 में असम समझैते के तहत 26 मार्च 1971 के बाद आए बांग्लादेशियों को बाहर रखने की व्यवस्था है। उन्होंने कहा, असम समझैते के तहत हमने देश की ओर से अपने छोटे से राज्य पर अवैध विदेशियों के बोझ को सहा, लेकिन अब सीएए के जरिए दिसंबर 2014 तक के बोझ को सह नहीं सकते।

नाथ ने कहा, हमने अब तक असम में सभी अवैध अप्रवासियों को सभी सुविधाएं दी हैं, लेकिन हम उन्हें अपने राज्य में चुनाव लड़ने नहीं देंगे। संशोधित नागरिकता कानून से असम में बहुत कम बांग्लादेशियों को लाभ होने के सोनोवाल के दावे का संदर्भ देते भट्टाचार्य ने कहा, अगर यह संख्या बहुत कम है तो वह 'सोनोवाली मोदी और शाह से कहें कि उन्हें असम से ले जाकर गुजरात में बसा दें। अगर संख्या कम है तो गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से केवल एक ट्रेन से उन्हें ले जाया जा सकता है।

आसू के महासचिव लुरिंगज्योति गोगोई ने रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि मोदी सरकार सीएए सांप्रदायिक एजेंडे के लिए लाई है। उन्होंने कहा, यह कानून विध्वंसक है क्योंकि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी असम में बस जाएंगे और जनसांख्यिकी बदल जाएगी, जिससे असमी लोगों का अस्तित्व प्रभावित होगा, इसके अलावा असमी भाषा के स्थान पर बंगाली का प्रभुत्व हो जाएगा। गोगोई ने कहा, बांग्लादेशियों ने हमारी जमीन में घुसपैठ की, उन्होंने हमारी नौकरियां और राजनीतिक अधिकार छीन लिया। हम एक भी बांग्लादेशी को स्वीकार नहीं करेंगे, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान।

गुजरात में तीन पाकिस्तानी हिंदुओं को नागरिकता मिली

मोरबी(भाषा)। संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में जारी प्रदर्शनों के बीच गुजरात के एक सांसद ने शनिवार को पाकिस्तान से एक दशक पहले आए हिंदू परिवार के तीन सदस्यों को नागरिता का प्रमाण पत्र सौंपा। गुजरात के राजकोट से लोकसभा सदस्य मोहन कुंडारिया ने मोरबी के वावड़ी गांव में आयोजित समारोह में तीन लोगों को देश की नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा। इन लोगों में हरसिंह सोढ़ा, सरूपसिंह सोढ़ा और प्रभातसिंह सोढ़ा शामिल हैं। ए लोग 2007 में पाकिस्तान से भारत आए थे। कुंडारिया ने बताया कि मोरबी में रह रहे से हजारों हिंदुओं को जल्दी ही नागरिकता दी जाएगी। उन्होंने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, से हजारों लोग हैं जो पाकिस्तान से आए हैं और मोरबी में रह रहे हैं। नए कानून के तहत अंतत: उन्हें नागरिकता मिल जाएगी। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के तहत आज तीन लोगों को नागरिकता का प्रमाण पत्र दिया गया।

शिवसागर जिले के डेमू में शनिवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने गाना गाया।

पेज एक का शेष

कड़े पहरे...

के पड़ोसी इलाके से पांच बाहरियों को हिरासत में लिया है। छह और लोगों को दंगा करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा पुलिस कर्मियों को अपनी ड्यूटी न करने देने के लिए बल का इस्तेमाल करने के मामले में निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने कहा कि सभी 27 आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। जामा मस्जिद के आसपास इलाके में शनिवार को कारोबार सामान्य ढंग से चला। दरियागंज व्यापारी एसोसिएशन के सचिव मनीष सेठ ने कहा कि शनिवार को क्षेत्र में सभी दुकानें खुली और किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने सख्त निगरानी रखी। शुक्रवार की शाम यहां पर बड़ी संख्या में प्रदर्शकारी इकट्ठा हुए थे। दिल्ली गेट के पास एक किताब विक्रेता ने नए कानून को लेकर नाराजगी जताई और कहा कि आंदोलन के लिए लोगों को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। कल यहां पर प्रदर्शन हिंसक हो गया था तथा एक कार को आग लगा दी गई थी। किताब विक्रेता ने कहा 'यदि मैं आपसे कहूं कि कल मैं आपका घर छीन लूंगा और आप जानते हैं कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं तो क्या आप चुपचाप बैठेंगे? हिंसा किसी चीज का जवाब नहीं है लेकिन आप इस बात की उम्मीद नहीं कर सकते कि लोग उस समय चुपचाप बैठेंगे जब उनका भविष्य अनिश्चित हो।' इस बीच उत्तर पूर्व के शाहदरा जिले में, जहां पर शुक्रवार को प्रदर्शकारियों के हिंसक हो जाने के कारण पुलिस उपायुक्त राजबीर सिंह मामूली चोटें आईं थीं, पुलिस ने कहा कि यहां से 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि फिलहाल यहां पर हालात काबू में हैं। अधिारी ने कहा ' दिल्ली पुलिस के जवान पूरे इलाके में तैनात हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शुक्रवार शाम से वे फ्लैग मार्च कर रहे हैं। हालात में नियंत्रण में रखने के लि पुलिस उत्तर पूर्व इलाके में फ्लैग मार्च कर रही है और स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थानीय लोगों से बातचीत भी कर रहे हैं। शांति सुनिश्चित करने के लिए पुलिस यहां पर अमन कमेटियों के सदस्यों के संपर्क में भी है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के पुरानी दिल्ली के दरियागंज और सीमापुरी इलाके में पथराव और हिंसा की घटनाएं हुईं थी। दरियागंज में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई थी, जिसके चलते पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया था। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक कार में आग लगा दी थी।

करोड़ों परिवारों ...

बढ़ जाती है। भाजपा के महासचिव भूपेन्द्र यादव ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि संशोधित नागरिकता कानून को लेकर विपक्ष मुख्यत: कांग्रेस भ्रम फैला रही है। भ्रम और झूठ की राजनीति की जा रही है। भाजपा इसका जवाब देगी। उन्होंने कांग्रेसी नेताओं से सवाल किया कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2003 में बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने की अपील की थी ? क्या कांग्रेस देश में आगजनी और उपद्रव का समर्थन करती है? क्या एक विपक्षी दल इस विषय पर भारत के बाहर दूतावास पर प्रदर्शन करता है, क्या वो इस नीति को उचित मानते हैं? सवालों की बौछार के बाद यादव ने कहा कि भाजपा का मानना है कि धार्मिक प्रताड़ना के शिकार हुए अनेक लोगों को नागरिकता कानून के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई आशा, विश्वास, सुरक्षा, आस्था का भाव जगा है। साथ ही गरिमापूर्ण जीवन जीने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।अभियान का ब्योरा देते भाजपा महासचिव ने बताया कि आने वाले 10 दिनों में एक विशेष अभियान चलाकर घर-घर जाकर तीन करोड़ से ज्यादा परिवारों से संपर्क किया जाएगा और उन्हें सीएए के बाबत सही जानकारी दी जाएगी। इस कानून के समर्थन में हर जिले में रैली और सभाएं की जाएंगी। 250 से ज्यादा स्थानों पर पत्रकारों से वार्ता भी की जाएगी।

महातिर को...

को नागरिकता से वंचित रखने के लिए भारत यह कदम उठा रहा है। निंदा जारी रखते महातिर ने कहा कि स्वयं के धर्मनिरपेक्ष होने का दावा करने वाले भारत को देख कर अब उन्हें दुख होता है। वह कुछ मुसलमानों को नागरिकता से वंचित रखने की दिशा में काम कर रहा है। इस पर तात्कालिक प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि मीडिया की खबर के मुताबिक मलेशिया के प्रधानमंत्री ने एक बार फिर भारत के आंतरिक मामले को लेकर बयान दिया है। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) उन लोगों को नागरिकता देने की प्रक्रिया को तेज करता है जो धार्मिक कारणों से सताए जाने की वजह से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए हैं। इस कानून से न तो किसी भी भारतीय नागरिक की स्थिति प्रभावित होती है और न ही कोई भारतीय नागरिक अथवा धर्मावलंबी नागरिकता से वंचित नहीं होने जा रहा है। इस प्रकार मलेशियाई प्रधानमंत्री की टिप्पणी तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

चारों आरोपियों...

उच्च न्यायालय ने कहा कि इन चीजों को उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आयोग के सामने जरूरत के हिसाब से पेश किया जाए। खंडपीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ये आदेश जारी किए। उसने कहा कि राज्य सरकार एम्स के चिकित्सा दल की विमान यात्रा, उनके ठहरने और उनके लिए अन्य सारी सुविधाओं का इंतजाम करेगी ताकि दल उसे सौंपे गए काम को बखूबी कर पाए। शुक्रवार को तेलंगाना के महाधिवक्ता ने कहा था कि इन चारों के शवों का उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के मुताबिक पहले ही पोस्टमार्टम कर दिया गया है, इसलिए फिर से पोस्टमार्टम के लिए कोई आदेश जारी करने की जरूरत नहीं है। न्यायमित्र डी प्रकाश रेड्डी ने हालांकि दलील दी थी कि दूसरे पोस्टमार्टम की जरूरत पर गौर करने के लिए ही उच्च न्यायालय के निर्देश पर शवों को सुरक्षित रखा गया है और उच्चतम न्यायालय भी इस पर मुहर लगा चुका है। उच्चतम न्यायालय ने पशुचिकित्सक के सामूहिक बलात्कार एवं हत्या के चारों आरोपियों के मुठभेड़ में मारे जाने की परिस्थितियों की जांच के लिए पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश वीएस सरपुरकर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग गठित किया था। बंबई उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रेखा सोनदुर बालडोटा और सीबीआई के पूर्व निदेशक डीआर कार्तिकेयन उसके अन्य सदस्य हैं। आयोग को छह महीने के अंदर उच्चतम न्यायालय को रिपोर्ट सौंपनी है। इन चारों आरोपियों को महिला के साथ कथित रूप से बलात्कार करने, गला घोंटकर उसे मार डालने और उसके शव को जला देने के लिए 29 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। इस वारदात को लेकर देशभर में जनाक्रोश फैल गया था और गुनहगारों को कड़ी सजा देने की मांग करते हुए जगह जगह प्रदर्शन किया गया था। चारों आरोपियों को छह दिसंबर को उस पुलिया के पास पुलिस ने कथित मुठभेड़ में गोली मार दी थी, जहां 28 नवंबर को 25 वर्षीय पशुचिकित्सक का जला हुआ शव मिला था। पुलिस इस मामले में पशुचिकित्सक का फोन, कलाई घड़ी और अन्य चीजें बरामद करने के लिए चारों को लेकर पुलिया के पास पहुंची थी। यह मुठभेड़ भी कानूनी जांच के दायरे में आ गई। चारों आरोपियों के शव का छह दिसंबर को ही महबूबनगर के एक सरकारी अस्पताल में पहला पोस्टमार्टम किया था और फिर उन्हें यहां गांधी अस्पताल में लाया गया था। साइबराबाद पुलिस ने कहा था कि जब दो आरोपी पुलिसकर्मियों से हथियार छीनकर उनपर गोलियां चलाने लगे तब उन्होंने उनपर जवाबी कार्रवाई की। आरोपियों की गोलीबारी एवं पथराव में दो पुलिसकमी घायल हो गए थे।

भाजपा ने औरंगाबाद का नाम बदलने की शिवसेना की पुरानी मांग को उठाया

भाषा। औरंगाबाद

भाजपा ने औरंगाबाद शहर का नाम बदलकर संभाजीनगर करने की मांग की है। पाटी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को इस संबंध में औरंगाबाद नगर निगम 'एएमसीी के महापौर नंदकुमार गोडेले से मुलाकात कर उनके सामने यह मांग रखी। दिलचस्प बात यह है कि शिवसेना ने दशकों पहले यह मांग की थी। इस संबंध में जून 1995 में एएमसी की आम सभा में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया था। हालांकि उस समय कांग्रेस पार्षद मुश्ताक अहमद ने प्रस्ताव को बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ में चुनौती दे दी थी। उच्च न्यायालय से याचिका खारिज होने के बाद अहमद ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसने शहर का नाम बदलने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। एएमसी में भाजपा के समूह के नेता प्रमोद राठौड़ और पाटी के अन्य नेताओं ने गोडेले से मुलाकात कर इस संबंध में नगर निगम में नया प्रस्ताव पेश करने का आग्रह किया।

भारत की नजरें दसवीं श्रृंखला जीतने पर

●आत्मविश्वास से ओतप्रोत है टीम इंडिया

●तीसरा वनडे आज, वेस्टइंडीज भी ताकत लगाएगी

भाषा। कटक

आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में उतरेगी तो उसका इरादा वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 10वीं द्विपक्षीय श्रृंखला जीतने का होगा। वेस्टइंडीज ने चेन्नई ने पहले वनडे में शानदार जीत दर्ज की थी लेकिन भारत ने विशाखानपत्तनम में दूसरा मैच उसी अंदाज में जीतकर वापसी की। कप्तान विराट कोहली खाता नहीं खोल सके लेकिन शीर्षक्रम के सभी बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने हैट्रिक लगाई। भारत ने दूसरा मैच 107 रन से जीता।

दूसरे मैच में 159 रन बनाने वाले रोहित सभी प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज सनत जयसूर्या के रिकार्ड से नौ रन पीछे हैं। केएल राहुल ने भी पहले विकेट की 220 रन की साझेदारी में शतक जमाया था। जून में पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मुकाबले से पारी का आगाज कर रहे राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके अपनी जगह पक्की कर ली है। श्रेयस अय्यर और षभ पंत ने भी रन बनाए। गेंदबाजी में चोटिल दीपक चाहर की जगह दिल्ली के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को मौका मिल सकता है। फीलिडंग में भारत का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। अय्यर ने जरूर शिमरोन हेटमाएर को शानदार थ्रो पर रन आउट किया लेकिन चाहर ने निकोलस पूरन और शाइ होप का कैच टपकाया। कोहली ने मैच के बाद कहा , हमें कैचिंग बेहतर करनी होगी। अपनी गलतियों से पार पाना होगा। फीलिडंग का लुत्फ उठाने की जरूरत है। बाराबती स्टेडियम की पिच भी विशाखापत्तनम की तरह बल्लेबाजों की मददगार होगी। हेटमाएर और होप ने चेन्नई में भारतीय गेंदबाजों को दबाव में रखा था और दूसरे मैच में अय्यर का बेहतरीन थ्रो नहीं होता तो वह एक बार फिर बड़ी पारी खेल जाते। आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने हेटमाएर को सात करोड़ 75 लाख रूपए में खरीदा। उनके साथी शेल्डन कोटरेल को किंग्स इलेवन पंजाब ने साढे आठ करोड़ रूपए में खरीदा। वहीं इस साल रोहित के बाद सर्वाधिक रन बना चुके होप पर किसी ने बोली नहीं लगाई और वह इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। कीरोन पोलार्ड की टीम ने पहले दो वनडे में टास जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। यहां भी ओस को ध्यान में रखकर टीमें दूसरी पारी में गेंदबाजी से बचना चाहेंगी। वेस्टइंडीज टीम इस प्रयास में होगी कि भारत से 13 साल बाद कोई द्विपक्षीय श्रृंखला जीत सके। मार्च में आस्ट्रेलिया से द्विपक्षीय श्रृंखला हारी भारतीय टीम ने पिछले 15 साल में लगातार दो द्विपक्षीय श्रृंखलाएं नहीं गंवाई है।

टीमें : भारत: विराट कोहली (कप्तानी), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, षभ पंत, शिवम दुबे, केदार जाधव, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, दीपक चाहर, मोहम्मद शमी और शार्दुल ठाकुर।

वेस्टइंडीज: कीरोन पोलार्ड (कप्तानी), सुनील अंबरीश, शाई होप, खैरी पियरे, रोस्टन चेस, अल्जारी जोसेफ, शेल्डन कोटरेल, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, शिमरान हेटमायर, एविन लुईस, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, कीमो पाल और हेडन वाल्श जूनियर।

मैच दोपहर 01.30 बजे शुरू होगा।

कुलदीप व उनकी टीम को टिप्स देते कोच शास्त्री

कुलदीप

नवदीप

श्रृंखला के निर्णायक मैच में कोहली के पास बाराबती रिकार्ड को सुधारने का मौका

कटक । भारतीय कप्तान विराट कोहली ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले श्रृंखला के निर्णायक तीसरे वनडे से पहले कड़ा अभ्यास किया। वह बाराबती स्टेडियम में अपने रिकार्ड को सुधारना चाहेंगे क्योंकि वह यहां सभी प्रारूपों के चार मैचों में केवल 34 रन ही बना सके हैं। वैकल्पिक नेट सत्र में कोहली ने काफी समय तक बल्लेबाजी की जिसमें उन्होंने मैदानी स्ट्रोक के अलावा उठाकर शाट भी खेले। कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चेन्नई और विशाखापत्तनम में हुए मैचों में क्रमश: चार रन और शून्य बनाया। बाराबती स्टेडियम में इस भारतीय स्टार खिलाड़ी ने तीन वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में कुल 34 -तीन, 22, एक और आठ- रन बनाए हैं। वह भारत में जितने स्थलों पर कम से कम तीन मैच खेले हैं, उसे देखते हुए यह उनका न्यूनतम स्कोर है। कोहली यहां श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर 2017 में खेले गए पिछले मैच (टी20 अंतरराष्ट्रीई में नहीं खेले थे। वह सबसे पहले पैड लगाकर आए और उन्होंने करीब आधे घंटे तक बल्लेबाजी की और फिर थ्रोडाउन अभ्यास किया। भारतीय खिलाड़ी शाम में पड़ने वाली ओस से काफी चिंतित दिखे। उन्होंने क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर के मार्गदर्शन में गीली गेंद से ट्रेनिंग की। श्रेयस अय्यर ने कहा, हमने कैच लपके तो गेंद पूरी तरह से गीली थी। हम तैयार हैं और जो भी बुरी परिस्थितियां होंगी, हम उनके लिए तैयार हैं। विकेट के बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह दूसरी पारी में काफी तेज होगा और ओस इसमें अहम भूमिका निभाएगी। हम यहां पहले भी श्रीलंका के खिलाफ खेल चुके हैं और शाम में आउटफील्ड में काफी ओस थी जो बहुत ज्यादा है।

पुणे हाफ मैराथन में लगभग 20 हजार धावक लेंगे भाग

पुणे। अमेरिकी ओलंपियन जेनेट चेरोबोन-बावकॉम के नेतृत्व में लगभग 20,000 धावक रविवार को यहां आयोजित होने वाले बजाज आलियांज पुणे हाफ मैराथन (बीएपीएचएमी में भाग लेंगे। जेनेट इस हाफ मैराथन की ब्रांड दूत भी है। मैराथन का आयोजन शहर में श्री शिव छत्रपति खेल परिसर बालवाड़ी स्टेडियमी में सुबह 5.15 बजे से होगा। जेनेट ने कहा, पुणे आने के बाद मैंने शहर में इस आयोजन के प्रति जिस तरह का उत्साह देखा है उससे काफी रोमांचित हूं। सा महसूस ही नहीं होता है कि यह दौड़ सिर्फ अपने दूसरे वर्ष में है। मैं खुद भी दौड़ के लिए उत्सुक हूं। इस मैराथन में भाग लेने के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं जहां उनकी संख्या लगभग 29 प्रतिशत है। प्रतिभागियों में 7 प्रतिशत धावकों की उम्र 50 वर्ष से अधिक हैं जिसमें सबसे उम्रदराज धावक 82 साल के हैं।

आईओसी ने संयुक्त राष्ट्र ओलंपिक संधि प्रस्ताव के सह प्रायोजन के लिए कोविंद को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रमुख थामस बाक ने संयुक्त राष्ट्र ओलंपिक संधि प्रस्ताव का सह प्रायोजन करने के लिए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को धन्यवाद दिया है। प्रस्ताव के तहत हर तरह के वैमनस्य को भुलाकर तोक्यो ओलंपिक और पैरालम्पिक खेल 2020 में खिलाड़ियों और दर्शकों की भागीदारी और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जाएगी। बाक ने कोविंद को लिखे पत्र में कहा , मैं संयुक्त राष्ट्र संधि प्रस्ताव का सह प्रायोजन करके ओलंपिक खेलों को आपकी सरकार के सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। यह प्रस्ताव नौ दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र आमसभा में स्वीकार किया गया था।

संधू थाईलैंड मास्टर्स में संयुक्त 11वें स्थान पर

पटाया। भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू ने सत्र के आखिरी थाईलैंड मास्टर्स के तीसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर करके संयुक्त 11वां स्थान हासिल कर लिया। चंडीगढ के 31 वषीय इस गोल्फर ने तीन बडी लगाई और दो बोगी किए। उनका कुल स्कोर 10 अंडर 203 रहा। वह नौ अन्य के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर है। अर्जुन अटवाल सात अंडर 64 के स्कोर के साथ संयुक्त 21वें स्थान पर रहे। एसएस पी चौरसिया, ज्योति रंधावा और आदिल बेदी संयुक्त 47वें स्थान पर रहे।

हमने जो रास्ता चुना है, कल के मैच के नतीजे से वह प्रभावित नहीं होगा: सिमंस

भाषा। कटक

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच फिल सिमंस को लगता है कि उनकी टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी शायद रविवार को यहां श्रृंखला के निर्णायक मैच में भारत को हराने के लिए काफी नहीं होगा लेकिन कैरेबियाई टीम ने उनके मार्गदर्शन में जो दिशा पकड़ी है, वह इसके नतीजे से प्रभावित नहीं होगी। पूर्व खिलाड़ी सिमंस को अक्टूबर में दोबारा वेस्टइंडीज का कोच नियुक्त किया गया। वेस्टइंडीज ने चेन्नई में शानदार प्रदर्शन से जीत हासिल की लेकिन घरेलू टीम ने वापसी करते हुए विशाखापत्तनम में पांच विकेट पर 387 रन के विशाल स्कोर बनाकर 107 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला बराबर कराई। सिमंस ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी जानते हैं कि हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ खेलना चाहते हैं और हालांकि हम अपना सर्वश्रेष्ठ भी खेलें तो हम शायद जीत नहीं पाएं। उन्होंने कहा, अहम चीज यह है कि हम कुछ बनाने की कोशिश कर रहे हैं और कल के मैच से वह दिशा प्रभावित नहीं होगी जिसमें हम बढ़ रहे हैं। लेकिन हम कुछ निर्माण करने की कोशिश कर रहे हैं और हम उस दिशा में बढ़ना जारी रखेंगे। हालांकि टीम में सकारात्मकता है जिसमें उनके शीर्ष रैंकिंग के बल्लेबाज आईसीसी वनडे रैंकिंग में शामिल हैं। शाई होप और शिमरोन हेटमाएर शानदार फार्म में हैं। उन्होंने कहा, वे हमें बता रहे हैं कि यहां पर 300, 320 रन यहां टक्कर का स्कोर होगा। आपको इन दिनों इन मैचों को जीतने की कोशिश करनी चाहिए, विशेषकर भारत के खिलाफ। आप हमेशा 320 रन का स्कोर बनाने की कोशिश करते हो या फिर इसका पीछा करने की।

अब अपने खेल को बखूबी समझता हूं : अय्यर

भाषा। कटक

श्रेयस अय्यर ने शनिवार को कहा कि अपने कैरियर की शुरूआत में वह इतने जिम्मेदार नहीं थे लेकिन अब अपने खेल को बखूबी समझते हैं। लंबे समय से भारतीय टीम की समस्या रहे बल्लेबाजी के चौथे नंबर पर अय्यर अपनी दावेदारी पुख्ता करते जा रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने पहले दो वनडे में अर्धशतक जमाए। उन्होंने तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर कहा , यह परिपक्वता और जिम्मेदारी से आता है। प्रथम श्रेणी कैरियर के दौर में मैं आक्रामक था और कभी जिम्मेदारी नहीं लेता था। उन्होंने कहा , बाद में मुझे लगा कि उच्चतम स्तर पर खेलने के बाद परिपक्वता जरूरी है। मैं स्ट्रोक्स भी लगा सकता हूं और एक रन भी ले सकता हूं। मैं अपने खेल को बखूबी समझता हूं और उसके अनुसार खेलता हूं। आईपीएल 2018 सत्र के बीच में गौतम गंभीर ने दिल्ली टीम की कप्तानी छोड़ दी थी जिसके बाद अय्यर को कप्तान बनाया गया। पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स टीम के ढांचे में बदलाव हुआ लेकिन अय्यर कप्तान बने रहे। दिल्ली पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही। अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 88 गेंद में 70 रन की धीमी पारी के बारे में कहा , टीम की जरूरत के हिसाब से खेलना पड़ता है और मैने वही किया। टीम को उस समय बड़े शाट्स की जरूरत नहीं थी। सिर्फ एक बड़ी साझेदारी चाहिए थी। तीन दिन बाद पांचवें नंबर पर उतरकर उन्होंने 32 गेंद में 53 रन बनाए। उन्होंने कहा , पिछले वनडे में मैं पांचवें नंबर पर उतरा। मैं हालात के अनुरूप खेलता हूं और मुझे पता है कि मैं धीमा भी खेल सकता हूं और आक्रामक भी। यह पूछने पर कि क्या दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रिकी पोंटिंग की इस बदलाव में अहम भूमिका रही, उन्होंने हां में जवाब दिया। उन्होंने कहा ,रिकी पोंटिंग काफी सकारात्मक इंसान है। वह हर खिलाड़ी का सहयोग करते हैं और सभी को समान दर्जा देते हैं। उनकी मानव प्रबंधन की क्षमता कमाल की है।

●शुरूआत में जिम्मेदार नहीं था

भारत का एक प्रशंसक ने टीम इंडिया के समर्थन में अपने बदन में स्टिकर बनाकर प्रदर्शन करते हुए

अभ्यास करती वेस्टइंडीज की टीम

धोनी और फ्लेमिंग से सीखने का मौका मिलेगा : सैम कुरेन

भाषा। चेन्नई

इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन ने चेन्नई सुपर किंग्स में चुने जाने को कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच स्टीफन फ्लेमिंग के दिमाग से सीखने का मौका बताया है। आईपीएल नीलामी में इंग्लैंड के सबसे महंगे खिलाड़ी बने कुरेन को चेन्नई टीम ने साढ़े पांच करोड़ रूपए में खरीदा। चेन्नई और दिल्ली कैपिटल्स के बीच उन्हें खरीदने की होड़ लगी थी। कुरेन ने अपनी नई टीम द्वारा डाले गए वीडियो में कहा , चेन्नई आकर अपने नए साथियों से मिलने , कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और कोच स्टीफन फ्लेमिंग से मिलने को बेताब हूं। मेरे लिए यह उनसे सीखने का सुनहरा मौका है और उम्मीद है कि हम ट्राफी जीतेंगे। कुरेन पिछले सत्र में किंग्स इलेवन पंजाब का हिस्सा थे जिन्होंने एक हैट्रिक भी लगाई थी। लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण टीम ने उन्हें नीलामी से पहले रिलीज कर दिया। मुझे चेन्नई में खेलने का इंतजार है। पिछले साल मैने चेन्नई के खिलाफ खेला और इस बार चेन्नई टीम में रहूंगा। यह काफी खास होगा। हम दर्शकों के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

आबिद और मसूद की शतकीय पारी

● श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टेस्ट पाकिस्तान मजबूत स्थिति में

भाषा। कराची

सलामी बल्लेबाजों आबिद अली 174 और शान मसूद 135 की शतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 278 रन की साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में शनिवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में दो विकेट पर 359 रन बनाकर अपनी स्थित बेहद ही मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होते समय कप्तान अजहर अली 57 और बाबर आजम 22 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। टीम की कुल बढ़त 315 रन की हो गई है जबकि उसके आठ विकेट बचे हुए हैं। श्रीलंका की तरफ से दोनों विकेट लाहिरु कुमारा ने लिए। आबिद और मसूद की जोड़ी पाकिस्तान के लिए टेस्ट की एक ही पारी में शतक लगने वाली तीसरी सलामी जोड़ी बन गई है। इस शतकीय पारी के साथ आबिद उन बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने अपने शुरुआती दोनों टेस्ट मैच में शतकीय पारी खेली। पहली पारी में 80 रन से पिछड़ने वाले पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 57 रन से शुरू की और बल्लेबाजों की मददगार पिच पर टीम ने पूरे दिन में 338 रन जोड़ और सिर्फ दो विकेट गंवाए। मसूद और आबिद महज 20 रन से पहले विकेट के पाकिस्तानी रिकार्ड को अपने नाम करने से चूक गए। यह रिकार्ड आमिर सोहेल और एजाज अहमद के नाम है जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी मैदान पर 1997 में 298 रन की साझेदारी की थी। मसूद ने करियर के 19वें टेस्ट में 135 रन बनाकर अपनी दूसरी शतकीय पारी खेली। उन्होंने क्रीज पर लगभग पांच घंटे बिताए और अपनी पारी में तीन छक्के और सात चौके लगाए। मसूद ने इस दौरान टेस्ट में अपने 1,000 रन पूरे किए। आबिद 398 मिनट तक क्रीज पर डटे रहे और उन्होंने अपनी पारी में 21 चौके और एक छक्का लगाया। आबिद लगातार अपने शुरुआती दोनों टेस्ट में शतक लगाकर स्ट्रेलिया के विलियम पोंसफोर्ड, डग वाल्टर्स और ग्रेग ब्लेवेट, भारत के सौरव गांगुली और रोहित शर्मा, वेस्टइंडीज के एल्विन कालीचरण और न्यूजीलैंड के जिमी नीशाम जैसे बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। इस मामले में शीर्ष पर भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन है जिन्होंने दिसंबर 1984 में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण करने के बाद अपने पहले तीन टेस्ट में तीन शतक बनाए।

भारतीय तेज गेंदबाजी इकाई दुनिया में सर्वश्रेष्ठ : स्टेन

भाषा। जोहानसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने शनिवार को भारतीय टीम की मैजूदा तेज गेंदबाजी इकाई की तारीफ करते हुए इसे दुनिया में सबसे सर्वश्रेष्ठ करार दिया। स्टेन को इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी रायल चैलेंजर्स बैंगलोर ने गुरुवार को हुई नीलामी में उनकी मूल कीमत दो करोड़ रुपए के साथ टीम से जोड़ा था। स्टेन ने ट्विटर पर प्रशंसकों के साथ बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखी। जब ट्विटर यूजर ने उनसे पूछा कि मौजूदा समय में किस टीम के पास सबसे अच्छी गेंदबाजी आक्रमण है, तो उन्होंने कहा भारत स्टेन ने कहा कि मौजूदा समय के गेंदबाजों में आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस उनके चहेते गेंदबाज है। कमिंस को आईपीएल नीलामी में कोलकाता नाइट राडर्स ने उन पर 15.50 करोड़ रुपए की रिकार्ड बोली लगाकर अपनी टीम से जोड़ा। छत्तीस साल के स्टेन ने कहा कि वह आईपीएल के आगामी सत्र में खेलने का इंतजार कर रहे है। स्टेन ने आईपीएल में 92 मैच खेले हैं और वह इस टी20 लीग में 100 विकेट तक पहुंचने से सिर्फ चार कदम दूर है।

मानसिक स्वास्थ्य कारणों से बिड़ला ने क्रिकेट से ब्रेक लिया

नई दिल्ली। पिछले आईपीएल तक राजस्थान रायल्स के सदस्य रहे आर्यमन बिड़ला ने मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट से अनिश्चितकाल के लिए ब्रेक ले लिया। घरेलू सर्किट में मध्यप्रदेश के लिए खेलने वाले 22 बरस के बिड़ला ने शुक्रवार रात को सोशल मीडिया पर इसका लान किया। उन्होंने एक बयान में कहा , यह कड़ी मेहनत, समर्पण और साहस भरा सफर रहा जो मैं यहां तक पहुंचा। खेल से जुड़ी चिंताओं से निपटना अब थोड़ा मुश्किल हो रहा है। देश के प्रमुख व्यवसायियों में शुमार कुमार मंगलम बिड़ला के बेटे आर्यमन ने कहा कि उन्होंने अब तक खेलने की कोशिश की लेकिन अब मानसिक स्वास्थ्य का मसला अहम हो गया है। मध्यप्रदेश के लिए जूनियर वर्ग में खेलने वाले बिड़ला 2017 में रणजी सीनियर टीम से जुड़े। उन्होंने नौ प्रथम श्रेणी मैच और चार लिस्ट ए मैच खेले। उन्होंने सीके नायुडू ट्राफी में तीन शतक समेत 602 रन बनाए। वह 2018 से 2020 तक दो सत्र में रायल्स का हिस्सा रहे लेकिन कोई मैच नहीं खेल सके। उन्होंने नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया। इससे पहले आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल, निक मेडिनसन और विल पुकोवस्की ने भी मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट से ब्रेक लिया था।

बीमार होने के बाद भी सचिन 2003 विश्व कप के दौरान मैदान में डटे रहे

● खिंचाव और गंभीर दस्त के बाद भी खेले
● पाकिस्तान के खिलाफ खेली 98 रन की शानदार पारी

भाषा। नई दिल्ली

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की 2003 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई 98 रन की शानदार पारी का हर भारतीय मुफीद है लेकिन कम लोगों को ही पता है कि इस मैच में खिंचाव की परेशानी का सामना करने वाले मास्टर ब्लास्टर ने गंभीर रूप से दस्त 'डायरियाी से पीडि़त होने के बावजूद भी श्रीलंका के खिलाफ अगले मैच में मैदान में उतरकर अपने स्वास्थ्य को जोखिम में डाला। तेंदुलकर की वह पारी प्रशंसकों को याद है लेकिन पाकिस्तान और फिर श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान इस भारतीय बल्लेबाज को जो परेशानी झेलनी पड़ी उसके बारे में

कम लोगों को ही पता है। तेंदुलकर श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान गंभीर रूप से दस्त से जूझ रहे थे और उससे निपटने के लिए उन्हें टिशू पेपर का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने इस मैच में 97 रन बनाए थे जिसे भारतीय टीम ने 183 रन से जीता था। इस विश्व कप में तेंदुलकर ने 673 रन बनाए थे जो किसी भी खिलाड़ी का एक विश्व कप में सबसे अधिक रन का रिकार्ड है। इस दौरान पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ उन्हें अपने शरीर को जोखिम में डालना पड़ा था। मास्टर ब्लास्टर ने इंडिया टुडे टेलीविजन चैलन के विशेष कार्यक्रम इंस्पिरेशन में कहा, पाकिस्तान के खिलाफ वह मैच मेरे करियर का एकमात्र सा मुकाबला था जिसमें मैंने रनर लिया था। यह विश्व कप का मैच था और ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। सा लगा जैसे किसी ने मुझमें 500 किलोग्राम वजन बांध दिया हो। आप हमारे तत्कालीन फिजियो एंड्रयू लीपस से इस बारे में पूछ सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे शरीर में काफी दर्द था और मैं रन लेने के लिए दौड़ रहा था जो सही नहीं था। मैं मैदान पर गिर गया और मैंने उठने की कोशिश की लेकिन उठ नहीं पाया। मुझे लगा ंठन के कारण शरीर को काफी नुकसान होगा। तेंदुलकर ने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले उबरने के लिए जरूरत से ज्यादा नमक का पानी लेने का उलटा असर हो गया। उन्होंने कहा, मेरे पेट में समस्या थी लेकिन मैं अगले मैच में ंठन से बचना चाहता था इसलिए मैं जरूरत से ज्यादा नमक पानी का घोल ले रहा था। यह इतना ज्यादा हो गया कि मुझे डायरिया की समस्या हो गई। तेंदुलकर से पूछा गया कि सी शारीरिक स्थिति के बाद भी उन्होंने मैदान में उतरने का फैसला कैसे किया तो इस पूर्व दिग्गज ने कहा, जब आप इस स्तर पर खेलते हैं तो उन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपको वहां जाना होता है और खेलना पड़ता है, फिर चाहे मैं वहां खड़ा रहूं, बल्लेबाजी करूं या नहीं।

मेराबा, तृषा ने फाइनल में प्रवेश किया

● बांग्लादेश जूनियर अंतरराष्ट्रीय सीरीज

तृषा

भाषा। ढाका

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मेसनाम मेराबा लुवांग और तृषा जॉली ने शनिवार को यहां बांग्लादेश जूनियर अंतरराष्ट्रीय सीरीज में क्रमशः पुरूष और महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीय मेराबा ने चौथे वरीय मलेशिया के एम फाजरिक मोहम्मद राजिफ को 21–17 14–21 21–14 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना मलेशिया के केन योन ओंग से होगा। केन योन ओंग ने भारत के विकास प्रभु को दूसरे सेमीफाइनल में 21–9 21–10 से पराजित किया। महिला एकल में शीर्ष वरीय तृषा हमवतन अद्या पराशर को 21–10 21–18 से मात देकर फाइनल में पहुंची। अब वह खिताब के लिए थाईलैंड की तीसरी वरीय क्रीटापोर्ण जिनाटानेट से भिड़ेंगी जिन्होंने मलेशिया के दूसरे वरीय झिंग यि टान को दूसरे सेमीफाइनल में 21–18 21–14 से शिकस्त दी। आर विकास प्रभु और अरूण कार्तिक के की पुरूष युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

हाकी इंडिया ने अखिल भारतीय पुलिस हाकी से पंजाब व जम्मू कश्मीर पुलिस को हटाने के लिए कहा

● अनुशासनहीनता और बदसलूकी के कारण कार्यवाही

भाषा। नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने शनिवार को अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड से भुवनेश्वर में चल रही 68वीं अखिल भारतीय पुलिस हाकी चैम्पियनशिप से अनुशासनहीनता और बदसलूकी के कारण पंजाब पुलिस और जम्मू कश्मीर पुलिस को तुरंत हटाने के लिए कहा।

हाकी इंडिया की अनुशासन समिति ने इस महीने की शुरूआत में पंजाब सशस्त्र पुलिस, जालंधर और जम्मू कश्मीर पुलिस हाकी टीमों पर तीन महीने के लिए सभी अखिल भारतीय टूर्नामेंटों में भाग लेने पर रोक लगा दी थी। उन्होंने अनधिकृत सरबत दा भला हाकी टूर्नामेंट में भाग लिया था। दिल्ली में नेहरू कप हाकी के दौरान मैदान पर मारपीट में शामिल रही पंजाब पुलिस पर 10 मार्च 2020 से नौ जून 2020

तक अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया गया है। अदालत के आज के फैसले के बाद हाकी इंडिया ने कहा ,हाकी इंडिया ने अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड के सचिव को लिखा है कि भुवनेश्वर में चल रही अखिल भारतीय पुलिस हाकी चैम्पियनशिप से पंजाब पुलिस और जम्मू कश्मीर पुलिस को तुरंत हटाया जाए। इसमें कहा गया , हाकी इंडिया ने शहर की एक अदालत द्वारा दिए गए स्थगनादेश 'जिससे इन दोनों टीमों को टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति मिल गई थीी को वापिस लेने के लिए जम्मू कश्मीर के प्रमुख जिला न्यायाधीश के समक्ष याचिका दायर की थी। प्रमुख जिला न्यायाधीश , जम्मू ने 18 दिसंबर को मामला शहर की उसी अदालत को सौंपा। अदालत ने 19 और 20 दिसंबर को सुनवाई के बाद 21 दिसंबर को दिए आदेश में 12 दिसंबर के स्थगनादेश को वापिस ले लिया।

द्रविड़ के बेटे ने लगाया दोहरा शतक

भाषा। बेंगलुरू

भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित ने कर्नाटक राज्य अंडर 14 अंतर क्षेत्र क्रिकेट मैच में दोहरा शतक लगाया। उपाध्यक्ष एकादश के कप्तान ने धारवाड़ जोन के खिलाफ

कर्नाटक राज्य अंडर 14 अंतर क्षेत्र क्रिकेट

250 गेंद में 22 चौकों की मदद से 201 रन बनाए। महान बल्लेबाज द्रविड़ के बड़े बेटे समित ने दूसरी पारी में नाबाद 94 रन बनाए और 26 रन देकर तीन विकेट भी लिए। मैच हालांकि ड्रा रहा। समित ने 2015 में अंडर 12 टूर्नामेंट में अपने माल्या अदिति इंटरनेशनल स्कूल के लिए तीन अर्धशतक लगाए थे और तीनों में उनकी टीम विजई रही। भारत के लिए 164 टेस्ट खेल चुके द्रविड़ ने 286 पारियों में 13288 रन बनाए हैं। वह फिलहाल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख हैं।

महिला टी–20 रैंकिंग : राधा दूसरे स्थान पर कायम

भाषा। दुबई

दीप्ति और पूनम खिसकी

बाएं हाथ की भारतीय स्पिनर राधा यादव ताजा जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं लेकिन हमवतन दीप्ति शर्मा और पूनम यादव एक पायदान खिसककर क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजों की सूची में जेमिमा रोड्रिग्स ने अपना चौथा स्थान कायम रखा है जबकि स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर भी क्रमशः अपने सातवें और नौंवे स्थान पर बनी हुई हैं। भारत ने आईसीसी महिला टी20 टीम रैंकिंग में भी अपना चौथा स्थान बरकरार रखा हुआ है। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स टी20 बल्लेबाजी सूची में शीर्ष पर कायम हैं।

दिल्ली परिवहन निगम
(रा0 रा0 क्षेत्र, दिल्ली सरकार)
आई0पी0 एस्टेट : नई दिल्ली–110002

दिल्ली परिवहन निगम/FCMS Project (कलस्टर बसों) में अनुबंध पर संवाहक पद (आरंभ में एक वर्ष/अथवा दिल्ली परिवहन निगम की प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा) के साक्षात्कार हेतु सूचनाः

दिल्ली परिवहन निगम/FCMS Project (Cluster Buses) में रोजगार निदेशालय द्वारा प्राप्त सूची के अनुसार अभियर्थियों को अल्पावधि अनुबंध आधार पर संवाहक पद (आरंभ में एक वर्ष / अथवा दिल्ली परिवहन निगम की प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा) पर भर्ती हेतु साक्षात्कार के लिए निम्नलिखित तिथि व कम संख्या/विवरण अनुसार कार्मिक विभाग दिल्ली परिवहन निगम,आई0पी0 मुख्यालय, इन्द्रप्रस्थ नई दिल्ली–110002 में सभी जरूरी दस्तावेजों सहित (Employment Exchange ID, Valid Conductor License issued STA Delhi, Valid First Aid, ID proof, Disability Certificate (for PHP Candidates), All Educational Certificates with Original Photocopy and Three latest Passport size photograph(not more than two months with date mentioned) and two Postcard Photograph size (4" x 6") Color) प्रस्तुत हो।

रोजगार निदेशालय द्वारा प्रायोजित क्रम संख्या के आधार पर पंजीकृत अभियार्थयों का साक्षात्कार हेतु	साक्षात्कार दिनांक (10.00 AM to 14:00 PM)
2011200533-2011205264	03.01.20 (FRI)
2011205285-2011209927	06.01.20 (MON)
2011209932-2011214758	07.01.20 (TUE)
2011214768-2011221009	08.01.20 (WED)
2011221017-2011227084	09.01.20 (THU)
2011227085-2011232229	10.01.20 (FRI)
2011232232-2011237010	13.01.20 (MON)
2011237018-2011241014	14.01.20 (TUE)
2011241018-2011245659	15.01.20 (WED)
2011245662-2011250366	16.01.20 (THU)
2011250378-2011254331	17.01.20 (FRI)
2011254333-2011258933	20.01.20 (MON)
2011258938-2011262737	21.01.20 (TUE)
Absentee candidates from above dates	22.01.20 (WED)

अतः उपरोक्त सभी अभियार्थियों को निर्देश दिये जाते हैं कि वह निम्न लिखित निर्देशों का पालन करे।
(1) सभी अभियार्थियों से अनुरोध है कि उपरोक्त निर्धारित दिनांक व समय पर इस कार्यालय में उपस्थित हों, अन्यथा यह समझाा जायेगा कि उसे उपरोक्त संवाहक (अनुबंध) पर रोजगार की जरूरत नहीं है। अतः उसके आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा और न ही भविष्य में इस पर विचार किया जायेगा।
(2) अभियर्थियों की आयु 18–35 वर्ष (इस विज्ञापन की तिथि को) से अधिक न हो। यदि कोई SC/ST/OBC से सम्बंधित है तो उनको भारत सरकार द्वारा जारी नियमानुसार छूट दी जायेगी।
(3) अभ्यर्थियों को परिसर के अंदर मोबाईल फोन, ब्लूटुथ, ईरफोन व अन्य कोई भी संचार उपकरण लाने की अनुमति नहीं है।
(4) सफल उम्मीदवारों को प्रतीक्षा सूची में रखा जाएगा और भविष्य में आवश्यकतानुसार वरीयता को ध्यान में रखते हुये उनको निगम की सेवाओं से समायोजित किया जायेगा।
(5) प्रार्थी को यह स्पष्ट बताना होगा कि उसने दिल्ली परिवहन निगम में कार्य किया है या नहीं। यदि यह पाया गया कि उसे दिल्ली परिवहन निगम से किसी भी कारणवश मैडिकल अनफिट/निकाले गए/Terminated प्रत्याशियों के सख्त निर्देश हैं कि वह इस अवसर पर शामिल न हो अन्यथा सख्त कार्यवाही की जाएगी।
(6) उपरोक्त विवरण दिल्ली परिवहन निगम की वैबसाइट www.dtc.nic.in पर भी उपलब्ध है।

प्रबन्धक (कार्मिक)

जेरेमी ने राष्ट्रीय और अपना युवा विश्व रिकार्ड तोड़ा

● कतर इंटरनेशनल कप भारोत्तोलन

भाषा। दोहा

युवा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक जेरेमी लालरिन्नुंगा ने छठे कतर इंटरनेशनल कप में पुरूषों के 67 किलो वर्ग में रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता। सत्रह बरस के इस भारोत्तोलक ने स्नैच में 140 , क्लीन एंड जर्क में 166 और कुल 306 किलो वजन उठाकर युवा विश्व और एशियाई रिकार्ड तोड़ा। जेरेमी के नाम कुल 27 रिकार्ड है जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिकार्ड शामिल है। उन्होंने तीन युवा विश्व, तीन युवा एशियाई और छह राष्ट्रमंडल रिकार्ड समेत 12 अंतरराष्ट्रीय और 15 राष्ट्रीय रिकार्ड अपने नाम किए हैं। एशियाई चैम्पियनशिप में उन्होंने युवा विश्व और एशियाई रिकार्ड तोड़कर 297 किलो वजन उठाया था। वहीं इस साल विश्व चैम्पियनशिप में जेरेमी ने 296 किलो वजन उठाकर दसवां स्थान हासिल किया था।

तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना लक्ष्य : राष्ट्रीय रिकार्डधारी नटराज

नई दिल्ली। तैराकी में 50 मीटर बैकस्ट्रोक, 100 मीटर बैकस्ट्रोक और 200 मीटर बैकस्ट्रोक का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाने वाले श्रीहरि नटराज ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। मैं फिलहाल

तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में हूं। इसके बाद मेरा लक्ष्य एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और ओलंपिक 2024 में पदक जीतना है। नटराज ने यह भी कहा कि खेल प्रतिभाओं को तलाशने के लिए खेलो इंडिया युवा खेल अच्छी पहल है। पहले दो सत्र में भाग ले चुके नटराज फिलहाल गुवाहाटी में 10 से 22 जनवरी तक होने वाले इन खेलों की तैयारी में जुटे हैं। खेलो इंडिया सरकार की अच्छी पहल है। इससे खिलाड़ियों को एक और स्पर्धा में भाग लेने का मौका मिला है। उन्हें मीडिया में प्रचार भी खूब मिला। मेरा आत्मविश्वास इन खेलों से काफी बढा है।यह प्रतिभाओं को तलाशने का अच्छा मंच है। दो बरस की उम्र से तैराकी करने वाले नटराज ने खेलो इंडिया के पहले सत्र में छह स्वर्ण और एक रजत जबकि दूसरे सत्र में सात स्वर्ण अपने नाम किए।

हरि सिंह क्रिकेट क्लब दिल्ली ने जीता खिताब

● अमिय त्रिपाठी क्रिकेट

पायनियर समाचार सेवा। फाजिलनगर

मैन ऑफ़द मैच सागर कल्याण–120 के आतिशी शतक के बाद फैजान आलम –चार विकेट की गेंदबाजी से हरि सिंह क्रिकेट क्लब दिल्ली ने पंद्रहवीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब फाइनल में आजाद स्पोर्ट्स फाजिलनगर को 57 रन से हराकर जीत लिया। राज मालती स्टेडियम पावानगर फाजिलनगर में घने कोहरे के चलते दोपहर 12 बजे सुबह शुरू हुए फाइनल मुकाबले में फाजिलनगर के कप्तान जमशेद आलम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया । हरि सिंह क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के मैच में नौ विकेट गवांकर 257 रन का विशाल स्कोर बनाया। सागर कल्याण ने 120 रन की आतिशी शतकीय पारी खेली। सागर ने 46 गेंदों की अपनी पारी में नौ चौके व बारह छक्के भी जड़े। हरजीत सिंह ने 35 रन ;20 गेंदए पांच चौकेए दो छक्केद्धए फैज आलम व अनुभव आहूजा ने 31.31 रन बनाए। फाजिलनगर से जमशेद आलम ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट ;सातवांए आठवांए नौवांद्ध लेते हुए हैट.ट्रिक पूरी की। मिलन यादव व साहेब युवराज को दो.दो विकेट मिले। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाजिलनगर की टीम निर्धारित बीस ओवर में आठ विकेट गवांकर 200 रन ही बना सकी। प्रियांशु श्रीवास्तव ;50 रनए 33 गेंदए नौ चौकेए एक छक्केद्ध की अर्धशतकीय पारी के बाद प्रशांत श्रीवास्तव व यशोवर्द्धन ने 33.33 रन जबकि अंशुल कपूर ने 23 रन जोड़े लेकिन टीम की हार को टाल नहीं सके। हरि सिंह क्रिकेट क्लब दिल्ली से फैजान आलम ने चार ओवर में 42 रन देते हुए चार विकेट चटकाए। फैजान ने प्रतिद्वंद्वी टीम का पांचवांए छठां व सातवां विकेट लगातार लेते हुए हैट.ट्रिक भी पूरी की। आज के मैन ऑफ़द मैच सागर कल्याण को पांच हजार नगद पुरस्कार व ट्राफी डॉ रामानुज पाण्डेय ने प्रदान की। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता हरि सिंह क्रिकेट क्लब को मुख्य अतिथि कर्नल हर्षबर्धन दुबे ने विजेता ट्राफी व एक लाख पच्चीस हजार का नगद पुरस्कार दिया। उपविजेता आजाद स्पोर्ट्स को विंग कमांडर दीपांकर ने उप विजेता ट्राफी व पचहत्तर हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया। विशिष्ट पुरस्कार में मैन ऑफ़ द टूर्नामेंट हरि सिंह क्लब के फैजान आलम को हीरो बाइक पडरौना के प्रोप्राइटर अजय गुप्ता ने प्रदान की। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज आजाद स्पोर्ट्स फाजिलनगर के जमशेद आलम तथा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज एनई रेलवे के आशीष यादव चुने गए।

गुजरात पर पंजाब की बढ़त

● बिग बाउट मुक्केबाजी लीग

भाषा। नई दिल्ली

पंजाब पैंथर्स ने शनिवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हाल में जारी बिग बाउट इंडियन बॉक्सिंग लीग के फाइनल की दमदार शुरुआत की है और शुरुआती दो मुकाबले जीत गुजरात जाएंट्स को दबाव में ला दिया है। पंजाब के लिए महिलाओं के 51 किलोग्राम भारवर्ग दर्शन दूत और पुरुषों के 57 किलोग्राम भारवर्ग में अब्दुलमलिक खालाकोव ने अपने.अपने मुकाबले जीते। दर्शन की यह लगातार तीन हार के बाद पहली जीत है। पीठ में परेशानी के चलते पंजाब की कप्तान एमसी मैरीकॉम रिंग में नहीं उतरी इसलिए दर्शन के ऊपर मैरीकॉम की भरपाई करने की बड़ी जिम्मेदारी थी। शुरुआत में दर्शन जरूर थोड़ी जल्दबाजी में दिखीं लेकिन समय रहते उन्होंने वापसी की और गुजरात की राजेश नरवाल को 4–1 से हरा दिया। लीग दौर में चिराग से मात खाने वाले खालाकोव इस मैच में विशेष रणनीति के साथ उतरे थे। उन्होंने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामकता दिखाई और चिराग को हैरान किया। उन्हें जीत हासिल करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

आगे पुरुषों के 69 किलोग्राम भारवर्ग में पंजाब के मनोज कुमार का सामना गुजरात के आशीष कुल्हारिया से होगा। गुजरात के कप्तान अमित पंघल पुरुषों के 52 किलोग्राम भारवर्ग में पंजाब के पीएल प्रसाद से भिड़ेंगे।

कुहू स्पोर्ट्स को हरा साउंड इमेज्स फाइनल में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शमसुल हसन शम्सी ट्राफी के सेमीफाइनल में कुहू स्पोर्ट्स को साउंडइमेज्स ने 7 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए कुहू ने 169 रन बनाए। आनंद–68, दीपक–28 व हिमांशु ने 37 रन बनाए। मोनु व मोनींनदर ने 3–3 विकेट लिए। जवाब में उतरी साउंड इमेज्स की टीम ने मृत्युजंय–101 रन की मदद से जीत हासिल की।

आईजीसीएल स्थगित

लखनऊ। इंडियन ग्रामीण क्रिकेट लीग (आईजीसीएल) का 23 दिसम्बर को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होने वाला फाइनल वर्तमान हालातों के चलते स्थगित कर दिया गया है। आईजीसीएल चेयरमैन अनुराग भदौरिया के अनुसार वर्तमान विरोध प्रदर्शनों के चलते प्रशासन से मिले दिशा निर्देश के चलते फाइनल मुकाबले व आईजीसीएल के स्थानीय संस्करण के उद्घाटन समारोह को स्थगित कर दिया गया है।

शटलर मानसी फाइनल में

लखनऊ। बीबीडी यूपी एकेडमी में साई खेलो इंडिया की शटलर मानसी सिंह ने सेमीफाइनल में जीत के साथ खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल कर लिया है। मानसी ने भुवनेश्वर में चल रही सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप यह सफलता हासिल की।

मेगा ट्रेंड क्लब जीता

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग में मेगा ट्रेंड क्लब ने क्रिकेट प्रमोशन ग्रुप को 10 विकेट से हरा दिया। पहले खेलते हुए क्रिकेट प्रमोशन ग्रुप ने 52 रन बनाए। किशन–15, रत्नेश–18 व मो.खान ने 15 रन बनाए। राज ने 3 विकेट लिए। जवाब में उतरी मेगा की टीम ने फैज–31 व आनंद के 28 रन की मदद से लक्ष्य हासिल कर लिया।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! punjab national bank ...the name you can BANK upon!

कब्जा सूचना
(अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, पंजाब नैशनल बैंक की तरफ से प्राधिकृत अधिकारी ने सिक्युरिटाईजेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एण्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सिक्योरिटी इंटरेस्ट 2002 के साथ 60 दिनों के भीतर नोटिस में निहित रकम की अदायगी हेतु एक डिमांड नोटिस जारी किया था। ऋणी के द्वारा रकम की अदायगी न करने के कारण निम्नलिखित ऋणकर्ता एवं जन साधारण को नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रत्येक खाते के समक्ष अंकित तिथि को उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधोलिखित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। विशेषतः ऋणी एवं जन साधारण को एतद् द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे संबधित परिसम्पत्ति की खरीद फरोख्त न करें तथा इन परिसम्पत्ति के किसी भी क्रय विक्रय के लिए यहाँ नीचे प्रत्येक खाते के समक्ष रकम उस पर देय ब्याज के लिए पंजाब नैशनल बैंक के प्रभार अधीन होंगे। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता हैं

क्र. सं.	ऋणी/बंधककर्ता/गारन्टर के नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि	चिपकाये गये कब्जा नोटिस की तिथि	मांग नोटिस के अनुसार बकाया रकम
1.	**शाखा : सुभाष रोड** **ऋणी:** 1. श्री नितीन पाल पुत्र चतर सिंह, 2. श्री चतर सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप **गारन्टर/बंधककर्ताः** श्री वी के शर्मा पुत्र श्री जे पी शर्मा, एवं श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री चतर सिंह	सभी सम्पत्ति खसरा नं0 1208/2 माप क्षेत्रफल 178 वर्ग मीटर जिसमे से कुल कवर्ड क्षेत्रफल 110 वर्ग मीटर एवं शेष क्षेत्रफल 68 वर्ग मीटर स्थित मौजा रायपुर परगना परवादून, जिला- देहरादून। **सीमायें:-** पूर्वः 11.5 चौडा रास्ता के बाद श्री अतर सिंह की सम्पत्ति, पश्चिमः भृगु एवं खला की सम्पत्ति, उत्तरः रास्ता, दक्षिणः नरेन्द्र सिंह की सम्पत्ति। **सम्पत्ति स्वामीः** श्रीमती सुमित्रा देवी पतनी श्री चतर सिंह, 102 रायपुर निकट बस स्टेंड देहरादून।	21.09.2019	17.12.2019	रु0 **5,04,918.98/-** + ब्याज (रू0 47,095/-) ब्याज एवं अन्य खर्चे दिनांक 01.06.2019 से

दिनांकः 21.12.2019 स्थान – देहरादून प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

गांधी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत का प्रचार करने के लिए अमेरिकी संसद में विधेयक

● अगले पांच वर्ष के लिए 15 करोड़ डॉलर की मांग की

भाषा। वाशिंगटन

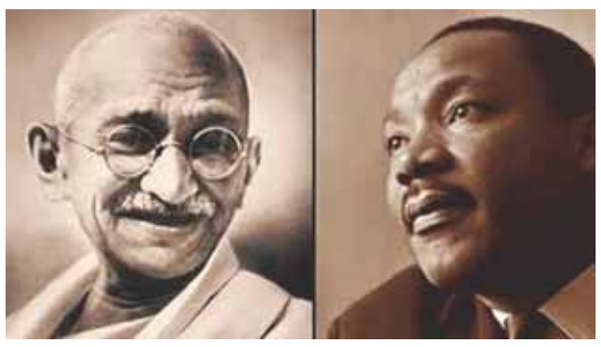

अमेरिका के प्रसिद्ध नागरिक अधिकार नेता सांसद जॉन लुईस ने महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर के विचारों का प्रचार करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश कर अगले पांच वर्ष के लिए 15 करोड़ डॉलर की मांग की है।

गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पेश किया गया, हाउस बिल 'एचआर 5517ी दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच मित्रता और गांधी एवं लूथर किंग जूनियर के विचारों एवं योगदान को दर्शाता है।

विधेयक के अन्य प्रस्तावों में गांधी-किंग डेवलपमेंट फाउंडेशन की स्थापना करना भी शामिल है, जिसे भारतीय कानूनों के तहत यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट 'यूएसएआईडी द्वारा गठित किया जाएगा। विधेयक में इस फाउंडेशन के लिए यूएसएआईडी को अगले पांच वर्ष तक हर वर्ष तीन करोड़ रुपए देने की मांग की गई है।

विधेयक में कहा गया, यह फाउंडेशन अमेरिका और भारत की सरकारों द्वारा गठित एक परिषद होगी जो स्वास्थ्य, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण के क्षेत्रों में गैर-सरकारी संगठनों को अनुदान मुहैया कराएगी।

इस विधेयक को भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा, रो खन्ना, और प्रमीला जयपाल के अलावा ब्रेंडा लॉरेंस, ब्रांड शेरमैन और जेम्स मैकगवर्न का समर्थन हासिल है। अमेरिका में भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला ने विधेयक का स्वागत करते हुए कहा, यह भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक और वैचारिक संबंधों को मजबूत करता है।

अकाल तख्त के जत्थेदार को भेजा जाएगा अमेरिकी संसद का प्रस्ताव

● गुरु नानक प्रकाश पर्व

वाशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष सीनेटर ने कहा है कि वह सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में अकाल तख्त के जत्थेदार को अमेरिकी कांग्रेस के प्रस्ताव की एक विशेष प्रति भेज रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट में 14 नवंबर को सर्वसम्मति से पारित हुए इस प्रस्ताव में अमेरिका के सिखों के योगदान एवं बलिदानों तथा देश और दुनियाभर में उनके साथ होने वाले भेदभाव का जिक्र किया गया है। इस प्रस्ताव को टॉड यंग और बेन कार्डिन ने सह-प्रायोजित किया। सीनेटर टॉड यंग ने बुधवार को यूएस कैपिटल में कहा, हम अकाल तख्त के जत्थेदार और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष को प्रस्ताव की एक प्रति भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों क्रमश: अमरिंदर सिंह और मनोहर लाल खट्टर को भी प्रस्ताव की प्रतियां भेज रहे हैं।

भेदभाव दूर करने, आर्थिक विकास के लिए हटाए गए अनुच्छेद 370 के प्रावधान

● अमेरिकी सांसद ने कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने कहा है कि भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने का फैसला आर्थिक विकास बढ़ाने, भ्रष्टाचार को खत्म करने और धर्म एवं जाति के आधार पर भेदभाव खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के समर्थन में उठाया था।

गौरतलब है कि भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त करने और उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की पांच अगस्त को घोषणा की थी।

अमेरिकी सांसद जो विल्सन ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में गुरुवार को कहा था कि भारतीय संसद ने आर्थिक विकास को बढ़ाने, भ्रष्टाचार को खत्म करने और लिंग, धर्म एवं जाति के आधार पर भेदभाव खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों को बढ़ाने के लिए विभिन्न दलों के समर्थन से यह निर्णय लिया।

दक्षिणी कैरोलिना से रिपब्लिकन सांसद ने कहा, दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र के तौर पर अमेरिका भारत को सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में उभरता देख खुश है। अमेरिकी राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला ने सांसद विल्सन के इस बयान को लेकर ट्विटर के माध्यम से उनका शुक्रिया अदा किया।

मध्य फ्रांस के ल्योन में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन करते श्रमिक, शिक्षक, डॉक्टर, वकील और फ्रांसीसी कार्यबल के लोग

संकटग्रस्त भारतीयों को त्वरित वित्तीय सहायता के लिए प्रवासी समुदाय को शामिल किया जाए: एनआरआई

भाषा। वाशिंगटन

पैसों की कमी के चलते अपने नागरिकों की मदद कर पाने में भारतीय दूतावासों की असमर्थतता को देखते हुए एक प्रख्यात प्रवासी भारतीय 'एनआरआई ने विदेशों में संकट में फंसे भारतीयों को त्वरित आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए प्रवासी समुदाय, आईसीडब्ल्यूएफ और अन्य प्रतिष्ठित संगठनों एवं व्यक्तियों को इस प्रक्रिया में शामिल करने का आह्वान किया है।

भारतीय समुदाय कल्याण निधि आईसीडब्ल्यूएफी का गठन 2009 में किया गया था। इसका मकसद संकट और आपातकाल में विदेशों में मौजूद से भारतीय नागरिकों की सहायता करना है जिन्हें सबसे ज्यादा इसकी जरूरत हो। भारत सरकार ने 2017 में, दूतावासों एवं वाणिज्य दूतावासों को प्रत्एक निधि की अदायगी के लिए नई दिल्ली से अनुमति लेने संबंधी निर्णय निर्धारण प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण कर दिया था। कई वर्षों से संकट में फंसे भारतीयों की मदद कर रहे न्यूयॉर्क के प्रेम भंडारी ने कहा कि चूंकि आईसीडब्ल्यूएफ पूरी तरह चंदे पर आधारित है, इसलिए अमेरिका और ब्रिटेन में मौजूद बड़े दूतावासों के पास ही पर्याप्त संसाधन होते हैं जो संकटग्रस्त भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा कर सके। लेकिन, सूडान जैसे देश जहां फैक्टरी में लगी भीषण आग में 20 भारतीय मजदूरों की मौत हो गई थी, वहां के दूतावास तुरंत मदद नहीं कर पाते और आईसीडब्लूएफ का इस्तेमाल नहीं कर पाते क्योंकि राशि इतनी अधिक नहीं होती। भंडारी ने कहा कि वह भारत सरकार से अपील करते हैं कि प्रवासी भारतीयों और प्रवासी भारतीय समुदायों को इस निधि में खुले दिल से योगदान देने की अनुमति दें।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के दोषी प्रोफेसर को मौत की सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने फेसबुक पोस्ट में ईशनिंदा के लिए एक प्रोफेसर को शनिवार को मौत की सजा सुनाई। मीडिया में आइ' खबरों से यह जानकारी मिली है। पंजाब प्रांत के मुल्तान शहर में बहाउद्दीन जकरिया विश्वविद्यालय 'बीजेडयू के अंग्रेजी साहित्य विभाग में अतिथि प्राध्यापक जुनैद हफीज के खिलाफ पुलिस ने 13 मार्च 2013 को ईशनिंदा के आरोप में मामला दर्ज किया था। मामले की 2014 में सुनवाई शुरू हुई और हफीज को मुल्तान में नए केन्द्रीय कारागार के अति-सुरक्षित वार्ड में रखा गया। डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश काशिफ कय्यूम ने पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-सी के तहत हफीज को मौत की सजा सुनाई और पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया। हफीज के वकील राशिद रहमान की 2014 में उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अमेरिका ने अंतरिक्ष युद्धों के लिए बल का गठन किया

वाशिंगटन (एएफपी)। अमेरिका ने रक्षा मंत्रालय के तहत पूर्ण विकसित अमेरिकी अंतरिक्ष बल का गठन कर चीन और रूस से लगातार मिल रही 21वीं सदी की सामरिक चुनौतियों का काट ढूंढ लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आकांक्षा पर काम करते हुए, व्हाइट हाउस ने संकेत दे दिया है कि वह स्टार वार में यानि उपग्रह रोधी हथियार और उपग्रहों को मार गिराने वाले हथियारों के लिहाज से भी अपने वर्चस्व को किसी भी तरह कायम रखेगा। ट्रंप की इस इच्छा का पहले विरोध किया गया था। ट्रंप ने अंतरिक्ष बल के गठन को वास्तविकता में बदलने के लिए 2020 राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण कानून पर हस्ताक्षर किया, जो पेंटागन बल के लिए शुरुआती बजट तय करेगा जो सेना की पांच अन्य शाखाओं के लिए बराबर होगी। ट्रंप ने हस्ताक्षर के लिए एकत्र हुई सेना के सदस्यों से कहा, अंतरिक्ष में बहुत कुछ होने जा रहा है क्योंकि अंतरिक्ष विश्व का नया युद्ध क्षेत्र है। अंतरिक्ष बल अमेरिकी सेना का छठा आधिकारिक बल होगा। अन्य बलों में थलसेना, वायुसेना, नौसेना, मरीन और तटरक्षक बल शामिल है। रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने शुक्रवार को कहा, अंतरिक्षीय क्षमताओं पर हमारी निर्भरता बहुत तेजी से बढ़ी है और आज बाहरी अंतरिक्ष अपने आप में किसी युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, उस क्षेत्र में अमेरिकी वर्चस्व को बरकरार रखना अब अमेरिकी अंतरिक्ष बल का मिशन है।

अमेरिका का हस्तक्षेप चीन के हितों को नुकसान पहुंचा रहा है : शी ने ट्रंप से कहा

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अमेरिका के अपने समकक्ष डोनाल्ड ट्रम्प से शुक्रवार को कहा कि ताइवान, हांगकांग, शिनजियांग और तिब्बत के संबंध में अमेरिका की टिप्पणियों और कृत्यों से दो आर्थिक महाशक्तियों के बीच रिश्तों पर असर पड़ रहा है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि ट्रम्प के साथ फोन पर हुई बातचीत में शी ने कहा कि अमेरिका ने चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया और चीन के हितों को नुकसान पहुंचाया है जो परस्पर विश्वास और द्विपक्षीय सहयोग के लिए नुकसानदेह है।

खबर में शी के हवाले से कहा गया है कि चीन उम्मीद करता है कि अमेरिका विभिन्न बातचीतों में दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी अहम सहमति का गंभीरतापूर्वक पालन करेगा, चीन की आपत्तियों को अहमियत देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि द्विपक्षीय संबंध तथा महत्वपूर्ण एजेंडा बाधित न हो।

जयपाल से नही मिलने के जयशंकर के फैसले की कमला हैरिस ने की निंदा

भाषा। वाशिंगटन

शीर्ष डेमोक्रेटिक सीनेटर कमला हैरिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका की यात्रा पर आए विदेश मंत्री एस. जयशंकर के भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल से नहीं मिलने के फैसले को लेकर उनकी निंदा की है।

हैरिस ने ट्वीट किया, किसी अन्य देश की सरकार का संसद को यह बताना गलत है कि कैपिटोल हिल बैठकों में किन सदस्यों को बैठने की अनुमति है। भारतीय मूल की पहली अमेरिकी सीनेटर हैरिस ने कहा कि वह जयपाल के समर्थन में खड़ी हैं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि सदन में जयपाल के साथी भी उनके समर्थन में खड़े हैं।उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन पोस्ट में आई एक खबर में कहा गया था कि जयशंकर ने प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति की बैठक में भाग लेने से इनकार कर दिया था क्योंकि इस बैठक में अन्य सांसदों के साथ जयपाल भी शामिल होने वाली थीं। इससे पहले, अमेरिकी सीनेटर और राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने की दावेदार एलिजाबेथ वारेन ने शुक्रवार को कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी केवल तभी सफल होगी जब सच्ची वार्ता और धार्मिक बहुलतावाद, लोकतंत्र और मानवाधिकार के प्रति साझ सम्मान उसका आधार हों। उन्होंने कहा कि सांसद प्रमिला जयपाल को चुप कराने की कोशिश बहुत ही विचलित करने वाली है। जयपाल ने अमेरिकी संसद में कश्मीर पर प्रस्ताव लाकर जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद वहां लगाए गए सभी प्रतिबंधों को हटाने का अनुरोध किया था। जयशंकर ने गुरुवार को भारतीय पत्रकारों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा था कि इस महीने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में कश्मीर पर लाया गया प्रस्ताव जम्मू-कश्मीर में हालात का निष्पक्ष चित्रण नहीं करता है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा था, मैं उस प्रस्ताव से अवगत हूं। मुझे लगता है कि इसमें जम्मू-कश्मीर के हालात को ठीक से समझ नहीं गया।

विविध न्यूज

बीआरएसी के संस्थापक फजले हसन का निधन

ढाका। विश्व के सबसे बड़े गैर सरकारी संगठनों में एक बांग्लादेश रूरल एडवांसमेंट कमेटी (बीआरएसी) के संस्थापक फजले हसन आबिद का 83 वर्ष की आयु में ढाका में निधन हो गया। बीआरएसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि आबिद के मस्तिष्क में ट्यूमर था, जिसका इलाज चल रहा था। बयान में कहा गया, हम उनकी विरासत को उसी लचीलेपन, गरिमा और विनम्रता के साथ आगे ले जाएंगे। आबिद ने लंदन में एक अकाउंटेंट के तौर पर प्रशिक्षण लिया था और 1971 में युद्ध के दौरान उन्हें तेल कंपनी शेल की नौकरी छोड़ दी थी। उन्होंने लंदन का फ्लैट बेचकर बीआरएसी की स्थापना की थी।

चीन में बर्फीली नदी में बस गिरने से छह की मौत

बीजिंग। उत्तर पूर्वी चीन के जिलिन प्रांत के औद्योगिक शहर तोंग्हुआ में शनिवार को एक बर्फीली नदी में यात्री बस फिसल कर गिर गई जिसके कारण छह लोगों की मौत हो गई। बस में 37 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि डोंगचोंग जिले में स्थानीय समयानुसार सुबह ज्ञारह बजे एक अस्पताल के पास बर्फ पर बस के फिसलने से यह हादसा हुआ।

हांगकांग पुलिस ने गोली चलाने वाले शख्स को पकड़ा

हांगकांग। हांगकांग पुलिस ने शनिवार को कहा कि एक सशस्त्र संदिग्ध ने अधिकारियों पर उस समय गोली चलाई जब वे महीनों तक चले लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों से जुड़े एक अभियान में उसे गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम को ताइ पो जिले में जब अधिकारी 19 वर्षीय युवक की ओर बढ़ रहे थे तब उसने अपनी अर्ध स्वचालित पिस्तौल निकाल ली। उसकी गोली किसी को नही लगी और उसे पकड़ लिया गया। इसके बाद नजदीक के एक फ्लैट में हुई तलाशी में एआर-15 अर्ध स्वचालित राइफल्स और 250 से अधिक गोलियां बरामद हुई।

उत्तर कोरिया की आलोचना पड़ सकती है महंगी: प्योंगयांग

सियोल। उत्तर कोरिया ने शनिवार को चेतावनी दी कि मानवाधिकारों को लेकर उसकी आलोचना कर अमेरिका सिर्फ तनाव को बढ़ाएगा और वाशिंगटन को यह महंगा पड़ सकता है। उत्तर कोरिया ने यह चेतावनी से वक्त दी है जब दोनों देशों के बीच परमाणु वार्ता में गतिरोध व्याप्त है। आधिकारिक कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि प्योंगयांग के मानवाधिकार रिकार्डों की आलोचना करने से स्थिति और खराब होगी जो पहले से ही तनावपूर्ण है।

टियागो, चिली में पुलिस के साथ हुई झड़पों के दौरान आंसू गैस के प्रभाव से राहत देने के लिए अपना चेहरा पानी और बेकिंग सोडा के मिश्रण से धोते हुए सांता क्लॉज की पोशाक में एक सरकार-विरोधी प्रदर्शनकारी

ताईवान में राष्ट्रपति साई इंग-वेन की चुनाव में संभावनाएं काफी मजबूत

एएफपी। ताइपे

ताईवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन चुनावों में अपनी संभावनाओं को लेकर काफी आत्मविश्वास से भरी हुई दिख रही हैं जो अपने लिए एक दूसरा कार्यकाल चाहती हैं। चीन की ओर से दी जा रही धमकी और हांगकांग में राजनीतिक अशांति ने देश में चुनाव से पहले साई इंग-वेन के पक्ष में हवा बनाई है।

साई का मुकाबला बीजिंग समर्थक कोमिनतांग (केएमटी) पाटी के हान कुओ यू से है। पिछले वर्ष हुए स्थानीय चुनावों से हान कुओ यू काफी मजबूत हुए थे लेकिन प्रचार में वह पिछड़ रहे हैं। देश में चुनाव 11 जनवरी को होने वाले हैं। चीन द्वारा ताईवान के प्रति कड़ा रुख अपनाने के चलते चीन के साथ संबंध यहां बड़ा मुद्दा बन गया है। नेशन ताईवान यूनिवर्सिटी में राजनीतिक विश्लेषक वांग ए लिह ने कहा, चीन विरोधी भावनाएं रेटिंग्स में एक महत्वपूर्ण निर्णायक कारक बन रही हैं। उन्होंने कहा, साई पार्टी का नारा चीन का प्रतिरोध करें, ताईवान को बचाएं गूंज रहा है।

1949 में गृहयुद्ध की समाप्ति के बाद से ताईवान वस्तुत: एक संप्रभु देश रहा है लेकिन चीन इसके इसके बावजूद इस द्वीपीय देश को अपना क्षेत्र के तौर पर देखता है और उसने उसे फिर से मिलाने का संकल्प जताया है, उसका कहना है कि जरूरी हुआ तो इसके लिए बल प्रयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा,हान पर बीजिंग समर्थक होने का ठप्पा लगा है जबकि त्सई खेमे की मतदाताओं से अपील है कि आज का हांगकांग कल का ताईवान हो सकता है।

फलस्तीनी क्षेत्रों में हुए युद्ध अपराधों की जांच करेगी आईसीसी

● इस कथन पर इजराइल ने गुस्से भरी प्रतिक्रिया दी है वहीं अमेरिका ने इसकी निंदा की है

एएफपी। द हेग

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की मुख्य अभियोजक ने कहा है कि वह फलस्तीनी क्षेत्रों में युद्ध के दौरान हुए कथित अपराधों की पूर्ण जांच शुरू करना चाहती हैं। उनके इस कथन पर इजराइल ने गुस्से भरी प्रतिक्रिया दी है वहीं अमेरिका ने इसकी निंदा की है।

फलस्तीनियों ने आईसीसी के इस कदम को लंबे समय से लंबित कदम बताते हुए इसका स्वागत किया है। गाजा में 2014 से चल रही स्थिति की अभियोजकों द्वारा पांच साल तक की गई प्रारंभिक जांच के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस फैसले ने आईसीसी को यहूदी राज्य के खिलाफ एक राजनीतिक हथियार के तौर पर स्थापित कर दिया है। इजराइल 2002 में गठित इस अदालत का हिस्सा बनने से इनकार करता रहा है।

आईसीसी की अभियोजक फातोउ बेनसोउदा ने शुक्रवार को एक बायन में कहा, मैं इस बात से संतुष्ट हैं कि फलस्तीन में स्थिति की जांच आगे शुरू करने के लिए तार्किक आधार मौजूद हैं। उन्होंने कहा, संक्षिप्त में कहूं तो मुझे लगता है कि पूवी यरूशलम और गाजा पट्टी सहित वेस्ट बैंक में युद्ध अपराध किए गए या किए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने कथित अपराधों को अंजाम देने वालों के कोई ब्योरे नहीं दिए। बेनसोउदा ने कहा कि, इस स्थिति से संबंधित अनोखी एवं बेहद विवादित कानूनी एवं तथ्यात्मक मुद्दों के चलते वह पूर्ण जांच शुरू करने से पहले, आईसीसी से उस क्षेत्र की जानकारी लेंगी जो अदालत के अधिकार क्षेत्र में आता है।

वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा, हम इसका या इजराइल को अनुचित तरीके से निशाना बनाने वाली किसी भी कार्रवाई का पुरजोर विरोध करते हैं। इजराइल क्षेत्र में अमेरिका का शीर्ष सहयोगी है।

सीरिया में हवाई हमलों के कारण हजारों नागरिक अपने घर छोड़कर भागे : संरा

बेरूत। उत्तर पश्चिमी सीरिया के दक्षिण इदलिब क्षेत्र से इस सप्ताह भारी बमबारी के बीच हजारों नागरिक विस्थापित हुए। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ओसीएचए ने कहा, दक्षिणी इदलिब में 16 दिसंबर के बाद से हवाई हमले और गोलाबारी तेज होने के बाद दक्षिण इदलिब के मारेत अल-नुमान इलाके से हजारों नागरिकों के उत्तरी प्रांत की ओर भागने की खबर है।

ओसीएचए (यूनाइटेड नेशन फिस फॉर कोर्डिनेशन फ ह्यूमैनेटेरियन अफेयसी) का यह बयान तब आया है जब शुक्रवार को सीरियन ब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमैन राइट्स ने कहा कि इदलिब में सीरियाई सेना और सशस्त्र समूहों के बीच इड़पों में पिछले 24 घंटे में 80 से अधिक लोग मारे गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा, 19 दिसंबर के बाद से ही मारेत अन-नुमान शहर के लोगों ने मानवीय समुदाय से बात करनी शुरू कर दी कि वे सुरक्षित बाहर निकलना चाहते हैं लेकिन भारी हवाई बमबारी के कारण वे सा नहीं कर सके। उसने कहा, पिछले 72 घंटों में हजारों परिवारों के विस्थापित होने का अनुमान है। ओसीएचए के अनुसार, मारेत अल-नुमान में और उसके आसपास करीब 163,000 लोग हैं तथा हजारों परिवारों के शुक्रवार तक उत्तरी प्रांत की ओर भागने की खबर है।

माली में सड़क किनारे लगे बमों की चपेट में आने से दो सैनिकों और दो नागरिकों की मौत

बमाको। मध्य माली में सड़क किनारे लगे बमों की चपेट में आने से दो सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई। स्थानीय सरकार और सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारी के अनुसार पश्चिम अफ्रीकी देश के मध्य मोप्ती क्षेत्र के मोंडोरो शहर के पास वाहन से यात्रा कर रही दो महिलाओं की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई, जब गुरुवार को बुर्किना फासो से लगी सीमा से थोड़ा पहले उनका वाहन सड़क किनारे लगे बम की चपेट में आ गया। अस्पताल के एक कर्मचारी ने बताया कि वाहन में सवार दो बच्चे भी बुरी तरह घायल हैं। इस बीच, एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बुधवार को मोंडोरो के उत्तर में लगभग 50 किलोमीटर पर होम्बोरी शहर के पास सड़क किनारे लगे बम की चपेट में आने से दो सैनिकों की जान चली गई और चार अन्य जवान घायल हो गए। माली 2012 से उत्तर में इस्लामी विद्रोह को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसमें हजारों सैनिकों और नागरिकों की मौत हुई है।

पायनियर
रविवार, 22 दिसंबर, 2019

एजेण्डा

मेरे खयाल से लोगों को अपना मनचाहा करने का और अपनी मर्जी के अनुसार जीवन जीने का पूरा अवसर मिलना चाहिए
– ऐलिजाबेथ मॉस

प्रगति के नए प्रयोगों की दस्तक

कार्बन सूत से स्याही बनाने से लेकर प्लास्टिक से कालीन बनाने, पुराने ट्रक के टायरों से खेल के मैदान बनाने तक, नया भारत अपने कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदलने के लिए तकनीक का उपयोग कर रहा है। जिन लोगों ने लक्ष्य बनाया है कि वे पर्यावरण व दूसरों को अपनी जीवनशैली बदलने में सहायता करेंगे, ऐसे उद्यमियों से मुलाकात पर आधारित शालिनी सक्सेना और मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट

कार्बन फुटप्रिंट से स्याही बनाना

दिल्ली या इस संदर्भ में बैंगलुरु जैसे शहर में रहने की मुसीबतों में से एक है सड़क पर भारी तादात में कारों का होना। इससे ट्रेफिक जाम होता है। लेकिन सबसे बुरा है प्रदूषण जो ये वाहन उत्सर्जित करते हैं जिससे अनेक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं। लेकिन क्या हो यदि किसी के पास इस उत्सर्जन को नियंत्रित करने और इसे एक उपयोगी उत्पाद में रूपांतरित करने का समाधान हो? आपको यकीन हो या न हो, मगर बैंगलुरु की एक कंपनी– ग्राविकी लैब्स– यही काम कर रही है– वो कार्बन सूत एकत्रित करती है और उससे ऐसा उत्पाद बनाती है जिसके अनेक उपयोग हैं– काली स्याही।

हालांकि खयाल शानदार है, मगर इसमें अनिरुद्ध शर्मा, जो केम्ब्रिज, मेसाचुसेट्स में एमआईटी मीडिया लैब्स से स्नातक हैं, और उनकी टीम को अपने उत्पाद के साथ सामने आने में तीन साल लगे। साल 2013 में शर्मा द्वारा संस्थापित, ग्राविकी लैब्स ने अभी तक दो टन पीएम 2.5 पर्टिकुलेट मैटर को निष्क्रीय किया है और 20,500 लीटर स्याही बनाई है।

ग्रावकी लैब्स के सह–संस्थापक, निखिल कौशिक, जो पेशे से चार्टर्ड एकाऊंटेंट हैं, बताते हैं कि वह कंपनी की उत्पादन ईकाई और संचालन की देखरेख करते हैं। एक सीए किस प्रकार लीक से हटकर स्याही उत्पादनकार्य में शामिल होता है? कौशिक कहते हैं, '' चीजें बस घटित हो गयीं। यह कुछ ऐसा था जिस पर अनिरुद्ध और मैं काम करना चाहते थे। हमारे पास अनेक योजनाएं थीं और वायु प्रदूषण उनमें से एक थी। बीते तीन वर्षों में, हमने अन्य योजनाओं को त्याग दिया और प्रदूषण से स्याही बनाने पर ध्यान दिया है और इस पर काम करते आए हैं। ऐसा नहीं था कि हम मूलत: इसी को शुरू किया और इसकी शुरुआत हो गयी, इसकी एक धीमी प्रक्रिया रही है।''

वह बताते हैं कि अनिरुद्ध जिन्होंने एमआईटी मीडिया लैब से अपनी मास्टर की पढ़ाई की थी, जानते थे कि व्यक्ति इस प्रकार की अवधारणा पर कुछ कर सकता है। स्याही बनाने में कौशिक व अनिरुद्ध को लंबा समय लगा– महज अवधारणा से अंतिम उत्पाद तक पहुंचने में।

Nikhil Kaushik, Co-founder, Graviky Labs

वह बताते हैं कि अब से पहले, जो किसी ने इन क्षेत्रों में कुछ काम किया, वो चार सौ साल पहले था, ऐसा नहीं कि वे जो कर रहे हैं, वो कोई निहित प्रेरणा थी। बकौल कौशिक, ''जब हम हीनेकन के साथ अपना साझा उद्यम लेकर सामने आए, तो तुर्की से किसी ने हमें इससे परिचित कराया था कि इस्तांबुल में एक मसजिद हुआ करती थी जहां इसकी कलाकृतियों को कुछ इस प्रकार बनाया गया था जिसमें मोमबत्ती से बने सूत का उपयोग किया गया था। भारतीय पारिस्थितिकी के तहत भी, हमारी महिलाएं काजल बनाने में सूत का उपयोग करती आई हैं। तब से इसका कई बार पुन:उपयोग किया गया है।''

सूत बनाने के लिए, अनेक तकनीकें हुई हैं जो चलन में हैं। बीते वर्षों में, वाहत उत्सर्जन या कारखाना पर्टिकुलेट मैटर घटाने के लिए मानक निधार्रित किए गए हैं। कौशिक स्पष्ट करते हैं, ''यह पहले से हो रहा था। हमारा ध्यान था कि ये तकनीकें प्रचलित थीं, फिर भी बहुत सारा प्रदूषण होता था। दूसरा, क्या हम इसे लेकर कुछ कर सकते हैं जो उससे बेहतर हो? यह सब मापने में समय लगता है। जब आप कच्चा ईंधन जलाते हैं, तो फिल्टर जैसी सोख्ता तकनीक होती है। लेकिन इन्हें साफ करना पड़ता है जिसमें हजारों टन कचरा उत्पन्न होता है।

>> पेज 3

कचरे से कला तक

खूबसूरत कंबलों से लेकर कालीनों, गद्देदार आसनों व तकियों तक, हर कोई अपने घरों के लिए सर्वोत्तम सजावट चाहता है। इनसे अपने घरों को सजाना और पर्यावरण को नजरंदाज करना हमारा अपराधी सुख है। लेकिन क्या हो यदि हम आपको बताएं कि आप, उन प्राकृतिक रूप से न सड़ने वाले सजावटी खलनायकों के साथ प्रकृति को बर्बाद करने की शर्मिंदगी महसूस किए बिना, इन सारी सामग्रियों को प्रदर्शित कर सकते हैं। जीहां, आपने सही पढ़ा है। एक अंतर्राष्ट्रीय होम फैशन ब्रांड– द रग रीपब्लिक एक पर्यारण–योद्धा की भूमिका निभा रही है। वो रीसाइकिल्ड प्लास्टिक को खूबसूरत कालीनों, कंबलों व कुशनों में रूपांतरित करने का उद्यम कर रही है।

इतना ही काफी नहीं है। लाखों प्लास्टिक की बोतलें हर साल कबाड़ियों तक पहुंचती है। यह अपने आपमें टिकाऊ भविष्य की दिशा में योगदान करती विशाल संख्या है।

दिल्ली के 50 वर्षीय बिजनेसमैन, आदित्य गुप्ता की दिमागी उपज, इस ब्रांड की शुरुआत 2013 में हुई थी। हालांकि, वो आदित्य नहीं थे जो इस बिजनेस के मास्टरमाइंड थे। कालीन बनाने का मूल विचार उनके माता पिता, जेके गुप्ता और मिनाक्षी गुप्ता का था, जिन्होंने 1983 में मेरठ में कालीन बनाने के काम की शुरुआत की थी। उन्हें बिलकुल नहीं मालूम था कि यह ईकाई जिसे उन्होंने छह बुनकरों के साथ अपने गैराज में स्थापित किया था, एक दिन एक औद्योगिक अगुवा बनकर उभरेगी, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष स्तर पर लगभग 5000 परिवारों की भरण पोषण करेगी और 80 से अधिक देशों को कंबलों की सप्लाई करेगी।

Aditya Gupta, Director, The Rug Republic

गुप्ता बताते हैं, ''मैंने द रग रीपब्लिक नाम को क्यों चुना, इसका कारण यह था कि मैं कुछ अलग, सार्वभौमिक व नया करना चाहता था। और यह नाम बहुत मेल खाता था। यह इस बात को संप्रेष्ज्ञित करने का माध्यम था कि हमारे पास हर किसी के लिए होम फैशन है।''

>> पेज 3

टायर है खेल का नया मैदान

जब कोई खेल के मैदान के बारे में सोचता है तो पहली बात जो दिमाग में उपजती है, लोहे और प्लास्टिक से बने मार्ग, झूले व हिंडोले। लेकिन क्या हो, अगर कोई आपको बताए कि कोई पुराने टायरों से खेल का मैदान बना सकता है, जहां कि बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को खूब आनंद मिल सके? उत्तर होगा– क्या यह संभव भी है? लेकिन युवा आर्किटेक्टों के एक समूह ने आईआईटी–खडगपुर से पास होने के बाद इसे संभव बना दिया है।

ऐसी है इन खेल मैदानों की लोकप्रियता, जहां बैंगलुरु की स्वयंसेवी संस्था– आंटहिल क्रिएशन द्वारा पुराने ट्रक के टायरों का उपयोग किया जाता है, इसने आज 17 राज्यों में अपनी उपस्थिति महसूस कराई है। ऐसे नए किस्म के खेल मैदान बनाने का विचार तब शुरु हुआ जब यह टीम अभी अपनी पढ़ाई कर रही थी।

आंटहिल क्रिएशन की सहसंस्थापक पूजा राय याद करती हैं, ''मैं साल 2015 में कालेज के अपने अंतिम वर्ष में थी, मैं इस स्कूल में गयी जहां बच्चे टूटी सीमेंट पाइपों से खेल रहे थे। वे टूटे स्लिपरों से बेडमिंटन खेल रहे हैं। तभी हमें अहसास हुआ कि इन बच्चों के पास तो अपने पार्क तक नहीं हैं जहां वे खेल सकें। हमने इसे लेकर कुछ करने का फैसला किया। हम सभी ने अपना पहला प्ले ग्राऊंड बनाया। उस समय, हमें अहसास नहीं था कि यह कितनी बड़ी समस्या थी। अगले कुछ वर्षों में, हमें समूचे देश से, टायरों के इस्तेमाल से खेल के मैदान बनाने के अनेक आवेदन प्राप्त हुए।''

राय और उनके दोस्तों ने अपनी नौकरियां छोड़ दीं और पूर्णकालिक स्तर पर ऐसे खेल के मैदान बनाने का फैसला किया। टायरों के उपयोग का खयाल इसलिए आया क्योंकि टीम युवा थी, उनके पास प्लेग्राऊंड बनाने के लिए पैसा नहीं होता था। एक समय के बाद विभिन्न प्रयोगों से गुजरते हुए उन्होंने महसूस किया कि टायर बहुत टिकाऊ हैं।

बकौल राय, ''बच्चे आक्रामक ढंग से खेलते हैं। खेल के मैदान लंबे समय तक क्यों नहीं टिकते हैं इसका कारण यह है कि लोहे में जंग लग जाता है और प्लास्टिक टूट जाता है। लेकिन टायर टिकाऊ होते हैं। हम इन्हें इस प्रकार से बनाने का प्रयास कर रहे हैं जहां ये सालों साल चल सकें। हम उन सामग्रियों का उपयोग कर रहे हैं जिन्हें रीसायकिल किया जा सकता है – टायर और ड्रम।''

Children playing with the tyres

हालांकि, टीम कार टायरों का उपयोग नहीं करती है क्योंकि वे उतने मजबूत नहीं होते हैं। वे ट्रक टायरों के लिए मिशेलिन टार्य व अपोलो टायर्स जैसी कंपनियों के पास गए। सुश्री राय बताती हैं, ''हम इन कंपनियों के साथ

उनके सीएसआर अभियान के अंग के रूप में काम करते हैं। हम कबाड़ी डीलरों के पास भी गए जो थोक में काम करते हैं।'' राय कहती हैं कि एक औसत खेल का मैदान बनाने के लिए, उन्हें अस्सी टायरों की जरूरत होती है। चूंकि यह ऐसा खेल का मैदान है जहां रास्ते रंगीन होने चाहिए। टायरों को प्राइमर लगाकर उपचारित करना पड़ता है – साथ ही चूंकि वे खुले में होते हैं और उन्हें मौसमी कारकों में टिकाए रखने की जरूरत होती है।

वे बच्चों को खेल के मैदान में आने की अनुमति देने से पहले अहानिकारक रंगों का इस्तेमाल भी करते हैं।

''रबर टिकाऊ होता है। खेल के मैदान, जिन्हें हमने अभी तक बनाया है, हमने उसमें घिसने पिटने के कोई संकेत नहीं देखे हैं। हालांकि हमने समूचे देश में खेल के मैदान बनाए हैं मगर हमारा कार्यालय बैंगलुरु में है। हम अब अपनी कोशिशों को उड़ीसा और महाराष्ट्र में केन्द्रित कर रहे हैं। ''

वह बताती हैं कि जिन परियोजनाओं पर हमने काम किया है उनमें अधिकांश सरकारी स्कूलों के लिए हैं। राय बताती हैं, ''ऐसे मामलों में, प्रधानाचार्य हमें अनुमति देते हैं। जब हम सार्वजनिक स्थानों में काम करते हैं, तो बीबीएमपी दागदार व निर्जीव स्थानों की पहचान करने में हमारी सहायता करती है जहां हम काम कर सकें और उन्हें रूपांतरिक कर सकें। ये खेल के मैदान उन कंपनियों के लिए कर्मचारी भागीदारी का भी हिस्सा हैं जिनके साथ हम काम करते हैं। वित्तीय सहायता उनसे प्राप्त होती है। चूंकि ये परियोजनाएं स्वयंसेवी हैं, कर्मचारियों को आने और खेल का मैदान बनाने के लिए स्वागत किया जाता है।''

वह कहती हैं कि स्थान को रूपांतरित करने में पांच से छह दिन लगते हैं।

शुरू में, बच्चों को पुराने टायर उतारने से बहुत खुशी नहीं होती थी। वे आम तौर पर पूछते थे : 'हमारे स्कूल में वे कचरा क्यों फेंक रहे हैं? ' लेकिन कुछ ही दिनों में, बच्चे खेलना शुरू करने के लिए बेचैन हो उठते थे। जो हमने बनाया होता है उस पर खेलने का जोश इतना होता है कि वे पेंट को सूखने तक नहीं देते हैं।

राय कहती हैं, ''हम जो कर रहे हैं, कचरे का पुन: इस्तेमाल, बहुत छोटा है। यह तथ्य कि बच्चों को शामिल किया जाता है, इसका अर्थ है कि हम लोगों की सोच बदलने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें कचरे को रचनात्मक ढंग से पुन: उपयोग करने व पुनर्चक्रित करने के लिए उत्साहित कर रहे हैं।

हम कचरा पैदा करते रहते हैं और आपके पास उसे साफ करने की एक और संस्था है। यह एक टिकाऊ समाधान नहीं है। हमें आशा है कि कचरा उपयोग के नवोन्मेषी विचारों के साथ और भी लोग सामने आ सकते हैं। लोग अपनी कोशिश कर सकते हैं, प्लास्टिक का उपयोग न करना उनमें से एक कदम है।''

त्यागने का अर्थ है इस अहसास पर पहुंचना कि कुछ लोग आपके इतिहास का हिस्सा हैं, मगर आपके भाग्य का हिस्सा नहीं
- स्टीव मराबोली

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

खुद की कमजोरियां सुधारें

यह मानव स्वभाव में है कि वह अपना सुधार करे, जो उसे बेहतर भविष्य की ओर देखने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए, हम सभी उच्च आशाओं व आकांक्षाओं के साथ जीवन आरंभ करते हैं। उसी के अनुरूप, हम अपने स्वप्निल गंतव्य निर्धारित करते हैं। क्षमतानुरूप बुलंदिया हासिल करने के लिए सपने अनिवार्य होते हैं, क्योंकि वे लक्ष्य तक पहुंचने की एकाग्रता का काम करते हैं। चूंकि सदियों से चांद ने इंसान को आकर्षित किया, उसकी जिज्ञासा को जगाया, हर रोज दिखा- फिर भी अज्ञात रहा। उसे जानने और समझने के जुड़ाव ने वैज्ञानिकों को प्रेरित किया कि वे इंसान को चांद पर भेजें। फिर भी, हर किसी का सपना साकार नहीं होता है। सपने का साकार न होना अक्सर निराशाजनक अनुभवों में नजर आता है। क्यों? क्या हम नीयति अनुसार इतने असहाय हैं?

बिलकुल नहीं, बशर्ते हम अपनी अंतर्निहित सशक्तकारी उपकरणों को अधिकतम उपयोग करें। याद रखें, हम सभी असीम क्षमताओं के साथ जन्मे हैं जो अगर उजागर हो जाती हैं तो इंसान कोई असीम क्षमतावान हो जाता है। हालांकि विडंबना यह है कि हमारी मानसिक क्षमता का प्रमुख हिस्सा अनछुआ रह जाता है, क्योंकि यह अनेक अनुवांशिक सीमाओं से घिरा रहता है। सच कहा जाए- साधारण लोग बिरले ही अपनी मानसिक क्षमता का पांच से सात प्रतिशत उपयोग करने में सक्षम हैं। हालांकि विडंबना यह है कि इसका भी, यदि न्यायपूर्ण ढंग से उपयोग हो तो व्यक्ति तुलनात्मक रूप से अधिक आसानी व सुविधा के साथ जीवन जीने में सक्षम हो सकता है। ध्यान रखें, आइंस्टीन जैसे लोगों के बारे में बताया जाता है कि उन्होंने इतिहास रचने के लिए अपनी मानसिक क्षमता का सिर्फ दस से चौदह फीसदी ही किया था।

आपको अपनी पूर्ण क्षमता सामने लाने का प्रयास करना चाहिए। यह फिर आपको आसानी से आगे बढ़ा सकती है। आप फिर बगैर किसी की सलाह लिए, 'जो आप चाहते हैं' और 'क्या उचित है' के बीच अंतर कर सकते हैं। साथ ही, आप अपना सर्वोत्तम कदम उठाने में सक्षम होंगे। इसलिए, असल चुनौती है अपने मन की सीमाओं पर काबू पाना और उसके दायरे को विस्तारित करना। इसका उपाय यही है कि आत्मविश्लेषण की स्थिति प्राप्त की जाए। यह प्रक्रिया मानसिक सीमाओं को पहचानने, स्वीकारने तथा फिर उससे ऊपर उठने में सहायता करती है।

यहां यह ध्यान देना मुनासिब है कि हम बिरले ही, किसी कार्य को करने से पहले, अपनी सर्वाधिक सक्षम सशक्तीकरण उपकरण बुद्धि को जगाने के मामले में सजग रहते हैं। मन की सीमाओं पर काबू पाने के बारे में कुछ नहीं कहना है। और बुद्धि अपने आप सक्रिय भूमिका में नहीं आ सकती। परिणाम यह होता है, कि हम आंख बंद करके अंतर्निहित इच्छाप्रवृत्तियों के सामने खुद को समर्पित कर देते हैं, यह मानते हुए कि वे पूवर्जन्म से चली आ रही

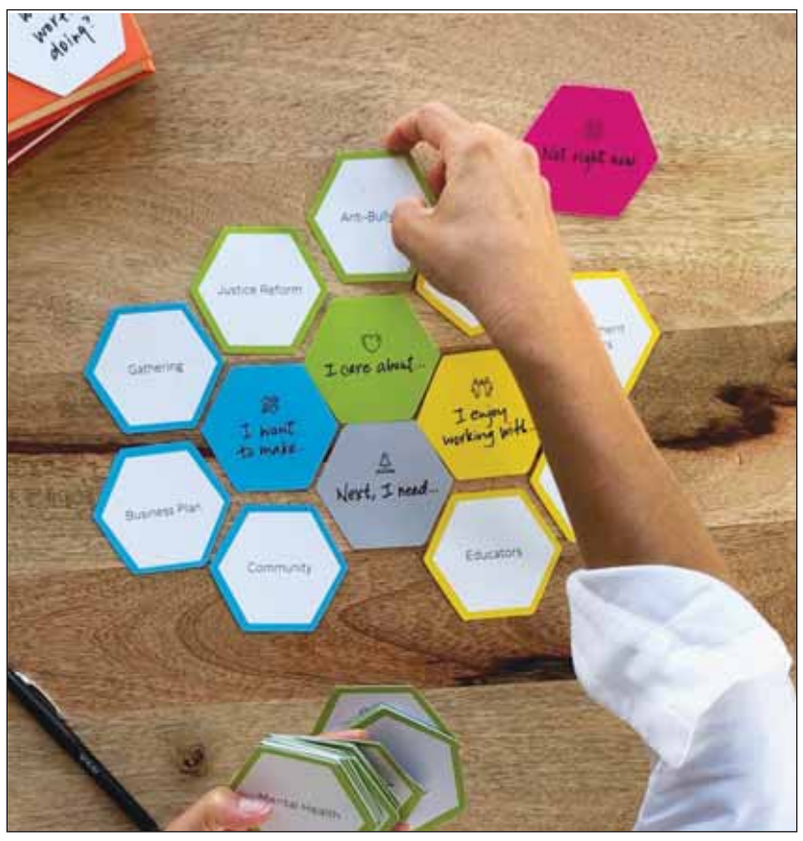

कार्मिक छवियां हैं। हम न तो जानने का प्रयास करते हैं कि वे इच्छाएं उचित हैं या नहीं, न ही हम इसकी परवाह करते हैं कि हमने किसी लक्ष्य के लिए अग्रसित हैं या नहीं। जब हम विफल होते हैं तो या तो हम दूसरों पर दोष मढ़ देते हैं या अपने भाग्य पर। सच हालांकि यही है कि हम पर्याप्त ढंग से अपनी आंतरिक शक्ति को सामने लाने का प्रयास नहीं करते हैं। इसलिए स्वामी विवेकानंद ने कहा है: '' दुनिया का इतिहास उन कुछ लोगों का इतिहास है जिनकी खुद में आस्था थी। आस्था आंतरिक दिव्यता की मांग करती है। आप कुछ भी कर सकते हैं। आप विफल होते हैं क्योंकि आपने अपार आंतरिक क्षमता को सामने लाने का पर्याप्त ढंग से प्रयास नहीं किया है।''

यहां एक ऐसे व्यक्ति का मामला उल्लेखनीय है जिसने एक दिन आकर पूछा: '' महोदय, पिछले साल से, मैं अपने व्यक्तिगत जीवन समेत आजीविका, दोनों मामलों में कठिन समय से गुजरा हूं। मुझे अनेक प्रस्ताव मिलते हैं लेकिन अंतिम क्षण में, वे हाथ से निकल जाते हैं। मुझे भय है कि मुझसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों ने मेरे जीवन के साथ गलत होने में भूमिका निभाई है। मेरी पत्नी स्वार्थी है और वो मेरी संवेदनाओं व चिंताओं की बिलकुल परवाह नहीं करती है। सबसे बुरा तो यह कि वह मुझे आध्यात्मिकता की ओर जाने से हतोत्साहित करती है। आपको कब लगता है कि यह स्थिति बदल सकती है? ''

अपने भीतर की विशिष्ट मान्यताओं को तार्किक आधार देने का प्रयास मत करें, जो कि बृहस्पति के वरुण के प्रति पतनशील भाव का परिणाम हो सकता है। दूसरों को दोष देने से पहले, अपनी खुद की कमजोरियों की पहचान करें , उन्हें स्वीकारें तथा उन्हें दूर करेंगे तो चीजें आज नहीं तो कल बदल जाएंगी। अपने ज्योतिष संकेतकों को देखें। आप मेष राषि में जन्मे हैं जो अपने स्वामी मंगल, अड़ियल राहु और सूर्य के साथ लग्न भाव में दृढ़तापूर्वक विराजमान है। जो आपको जिद्दी, आक्रामक, अहंकारी, व अधीर बनाता है। आप दावेदार की हैसियत से जीना चाहते हैं, और दूसरों से अपने आदेशों के अनुपालन की अपेक्षा करते हैं। आपमें बिना उचित सोच विचार किए किसी भी काम में कूद पड़ने की प्रवृत्ति है। काश इतना ही काफी होता ,मगर नहीं, बुध समेत सूर्य और चन्द्रमा दोनों नक्षत्र, सभी यूरेनस के विपरीत मुद्रा में संग्रस्त हैं, जो आपको जिद्दी, अव्यवहारिक, पूर्वाग्रही व आत्मकेन्द्रित बनाते हैं। बुध के शनि व चन्द्रमा के प्रति पतनशील भाव, अड़ियल एकांगी सोच लेकर आता है, और आपको दूसरों के प्रति असंतुष्ट बनाता है। चन्द्रमा का शनि के विपरीत होना निराशाजनक मानसिकता जगाता है। साथ ही, आप दूसरों के प्रति ईष्यालु व कटु आलोचक होंगे। यहां मैं जोड़ दूं कि आप आध्यात्मिकता की पुकार से पहले अपनी उस चिंतन प्रक्रिया में सुधार लाएं जो किसी रूप में आपके आचरण में नजर आती है। इसका अर्थ होता है कि आप सिर्फ अपनी खयाली अवधारणाओं में भटक रहे हैं।

दादी का कहना

जाड़ों के दौरान बहती या बंद नाक एक आम समस्या है और जो चिड़चिड़ा सकती है। इस समस्या से आराम पाने के लिए कुछ घरेलू तरीके हैं जिन्हें अपनाया जा सकता है। सर्दियों में सर्दी-जुकाम का शिकार होना आम बात है, और यह ऐसी बिमारी है जो किसी भी अन्य बिमारी की तरह चिड़चिड़ा बना सकती है। मगर यह ऐसी स्थिति है जिससे घर पर आसानी से निपटा जा सकता है। अगर आप बहती नाक की समस्या से जूझ रहे हैं तो तरल पदार्थ पीना या हमेशा हाइड्रेटेड रहना मददगार हो सकता है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके साइनस में म्यूकस पतला होकर निरंतर निकलता रहे और आपके लिए उसे बाहर निकालना आसान रहे, वर्ना, यह मोटा और चिपचिपा हो सकता है, जो नाक को और भी बंद कर सकता है। गर्म पेयपदार्थों का सेवन करें। चाय या काफी अच्छा काम कर सकते हैं क्योंकि गर्मी व भाव आपके नासिका मार्ग को खुला व असंकुचित बनाए रखने में सहायता करेंगे। हर्बल चाय अनोखी कारगर है। चाहें तो अधिक आराम पाने के लिए कप से भाव भी ले सकते हैं। फेशियल स्टीम भी लाभकारी हो सकती है। एक साफ बर्तन में गर्म पानी रखें। उसे पर्याप्त गर्म कर लें ताकि उसमें से भाप निकलती हो। उसे उबालें नहीं। भाप के सामने एक बार में बीस से तीस मिनट तक अपने चेहरे को रखें। नाक के रास्ते गहरी सांस लें । अगर आपका चेहरा बहुत गर्म हो जाएं तो थोड़ा अवकाश ले लें । त्वरित आराम पाने के लिए, व्यक्ति गर्म पानी से स्नान भी कर सकता है। इससे बहती व बंद नाक को खुलने में सहायता मिलेगी।

- शकुंतला देवी

स्वयं को बदलो, जग को बदलो

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी का कहना है कि व्यक्तिगत आचरण किस प्रकार वैश्विक विकास को प्रभावित कर सकता है, इस संबंध में जागरुकता फैलाने के लिए समाज को सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है

विश्व नेता क्यों अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं को हल करने में अक्षम है, उनमें एक कारण है इंसान की अतार्किकता। उसने हमेशा अपने असभ्य आचरण को समाज के स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य के बतौर उचित ठहराने की कोशिश की है। उसने तो अपने बर्बर आचरण को स्वाभाविक, मनोवैज्ञानिक रूप से वैध या राजनीतिक रूप से लाभकारी के रूप में तर्कबद्ध किया है। पूर्व में ऐसी घटनाएं हुई हैं जहां किसी स्त्री को, जिसने तीन से अधिक बच्चों को जन्म दिया है, को बहुत उर्वरा माना गया था और उन बच्चों के पिता को शक्तिशाली, मर्द या मर्दाना के रूप में जाना जाता था। हालांकि, यदि कोई गहन पड़ताल करे तो लोगों ने केवल दंपत्ति की, उनकी यौनिक क्षमता के कारण प्रशंसा की थी बजाय इस पर ध्यान देने के कि उनमें आत्मसंयम व नियंत्रण का अभाव था। इसी प्रकार, बड़ी संख्या में लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार,एक तानाशाह या एक हमलावर व महत्वाकांक्षी राष्ट्र का गुणगान किया गया था। दूसरे शब्दों में, लोगों ने बगैर इस तथ्य पर ध्यान दिए सत्ता की प्रशंसा की थी कि इसे हत्यारा होने की कीमत पर तथा क्षमाशीलता या करुणा के सद्गुणों पर कम ध्यान देकर हासिल किया गया।

इसके अलावा, उन्होंने स्वाभाविक अंतर्बोध, राजनीतिक रूप से उचित, सहज मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया या आचरण के रूप में आक्रामकता को उचित ठहराया था। यही वो तार्किकतावाद है जिसके कारण दुनिया इस मौजूदा मुकाम पर पहुंची है। इंसान की चरित्र की विभिन्न खामियों ने वैश्विक निहितार्थ हासिल किए हैं और अब ये समाज के अस्तित्व को धमका रही हैं। इंसान अपनी धूम्रपान करने, शराब पीने या मांसाहारी भोजन खाने जैसी बीमार आदतों तक को उचित ठहराता है। और जब तक इंसान अपने बुरे कामों को महसूस नहीं करता, कोई भी वैश्विक समस्या हल नहीं हो सकती।

पूर्वोक्त कथन के अनुसार, विकृति का समर्थन करने की इस प्रवृत्ति का परिणाम है कि छोटी समस्याएं वैश्विक आयाम ले रही हैं। उदाहरण के लिए, इंसान की लालसापूर्ण इच्छाओं ने, जिन्हें जैविक या मनोवैज्ञानिक आधारों पर उचित ठहराया गया है, अब अत्यधिक जनसंख्या, संकीर्णता, अवैध बच्चे, बलात्कार, अपहरण व एड्स के प्रसार का रूप ले लिया है। अत्यधिक आबादी से उत्पन्न खतरा लगभग परमाणु हथियारों से उत्पन्न खतरे के समान है। फिर भी इंसान आत्मसंयम वाला आचरण नहीं करता है। बल्कि वह अपने कर्मों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल उचित ठहराने का प्रयास करता है और वो काम करता है जो उसके लिए सुविधाजनक है। वह महसूस नहीं करता है कि यह किस प्रकार उसकी क्षमता व नैतिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है।

आज, समाज को इस विषय पर जागरुकता फैलाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है कि कैसे व्यक्तिगतह्य आचरण वैश्विक विकास को प्रभावित कर सकता है। हमें जानना चाहिए कि इंसान के व्यक्तित्व में गड़बड़ियां न केवल व्यक्ति विशेष की बल्कि समूचे समाज की चिंता का विषय होनी चाहिए।

इसी प्रकार, आक्रामकता व लालच जैसी भावनाएं न केवल लोगों को हानि पहुंचाती हैं वे स्वयं व्यक्ति को भी संक्रमित कर देती हैं। इंसान को अपने आत्महित का बहाना तथा सुरक्षा की गलत समझदारी ने दुनिया को भयानक आर्थिक संकट तथा युद्ध -हथियारों की दौड़ में धकेल दिया है और इसलिए, तत्काल आवश्यकता है कि अपनी तार्किकता की समक्ष को सही रास्ते पर लाया जाए और उससे, अपनी अतार्किकता, गैरजिम्मेदारी और हानिकारक आचरण को समाप्त करने में सक्षम हुआ जाए। जवाब में, अनेक वैश्विक मुसीबतों से मानवजाति को बचाया जाए।

इंसानी चरित्र में खामियों को कुछ इस तरह देखा गया है जो केवल व्यक्ति विशेष की चिंता होनी चाहिए। समाज ने व्यक्ति की समस्याकारी आदतों की परवाह नहीं की। यह मान लिया गया था कि ये केवल व्यक्ति के परिजनों या मित्रों का मसला होना चाहिए जो व्यक्ति से प्रत्यक्षतया जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, आज, समाज को इस विषय पर जागरुकता फैलाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है कि कैसे व्यक्तिगतह्य आचरण वैश्विक विकास को प्रभावित कर सकता है। हमें जानना चाहिए कि इंसान के व्यक्तित्व में गड़बड़ियां न केवल व्यक्ति विशेष की बल्कि समूचे समाज की चिंता का विषय होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, धूम्रपान न केवल पीने वाले के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि उन अन्य लोगों के लिए भी हानिकारक है जो सिगरेट नहीं पीते मगर सिगरेट के संपर्क में आते हैं। एक व्यक्ति की गलत आदतों के कारण समूचे समाज को कष्ट भोगना पड़ेगा। इन सभी समस्याओं का समाधान है आंतरिक रूपांतरण। इंसान को पहले अपनी गलतियों को स्वीकारने तथा उचित मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

नौ घंटे से अधिक सोना बढ़ा सकता है हृदयाघात का खतरा

एक नए अध्ययन ने चेतावनी दी है कि जो लोग रोज रात में नौ घंटे या उससे ज्यादा सोते हैं उनमें रोज रात में सात या आठ से कम घंटे सोने वाले लोगों की तुलना में हृदयाघात की संभावना 23 प्रतिशत अधिक होती है। परिणामों ने बताया है कि लंबी झपकियां आपके स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी नहीं हैं। द अमेरिकन ऐकेडमी आफ न्यूरोलाजी की मेडिकल

पत्रिका, न्यूरोलाजी में आनलाइन प्रकाशित अध्ययन ने कहा, कि जो लोग नियमित रूप से दिन में डेढ़ घंटे से अधिक समय की नींद लेते हैं उनमें रोज दिन में एक से तीस मिनट तक सोने वाले लोगों की तुलना में हृदयाघात होने के आसार 25 प्रतिशत अधिक रहे। जिन लोगों ने कोई नींद नहीं ली या आधे से लेकर एक घंटे के बीच तक की नींद ली उनमें आघात होने की संभावना नहीं पाई गयी। हुआझोंग युनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी इन वुहान, चाइना से संबंधित अध्ययन लेखक झियोमिन झांग ने कहा, '' लंबी नींद या रात में अधिक घंटों तक सोना किस प्रकार आघात के बढ़ते खतरे से जुड़ा हो सकता है, इस संबंध को समझने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है, लेकिन पूर्व के अध्ययनों ने दिखाया है कि ज्यादा लंबी झपकियां व नींद से व्यक्ति के कोलोस्ट्राल स्तरों में प्रतिकूल बदलाव होते हैं और मोटापा बढ़ने के आसार बढ़ जाते हैं दोनों ही कारक आघात के जोखिमपूर्ण कारक हैं।'' झांग के मुताबिक लंबी झपकी व सोना कुल मिलाकर एक निष्क्रीय जीवनशैली का पता दे सकता है जो हृदयाघात के बढ़ते खतरे से संबंधित भी है।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

स्वास्थ्य अच्छा रहता है लेकिन आपको अब भी सजग रहने की जरूरत है। सकारात्मक सोच बनाए रखें और चीजें आपके लिए आसान हो जाएंगी। पेशेवर जीवन में, आपकी प्रतिभा स्वयं को कठिनाइयों से दूर रखने में आपकी सहायता करेगी और आप सामान्य से अधिक आशावादी महसूस करेंगे। कार्य स्तर पर, आप अपने सपनों के प्रति आत्मविश्वास हासिल होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आप खुला व ईमानदार संवाद स्थापित करेंगे।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** मंगलवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य सर्वोत्तम रहेगा। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद, आप आराम व तरोताजगी के लिए समय निकालेंगे। यदि किन्हीं बिमारियों से जूझ रहे हैं तो संभावना है कि आप अपने उपचार का तरीका हासिल करेंगे। ऐसे संकेत हैं कि आपके इर्दगिर्द लोग आपकी व आपके प्रयासों की प्रशंसा करेंगे व आपके काम की गुणवत्ता पर ध्यान देंगे। जो कर रहे हैं, उसे करते रहिए क्योंकि आप उचित मार्ग पर हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** ब्राऊन **शुभ दिन:** रविवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

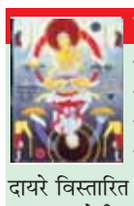

उन लोगों के लिए चीजें बेहतर हो जाएंगी जो रोगों से जूझ रहे हैं। कार्य मोर्चे पर, आपकी नवोन्मेषी आत्मा आपको अपने दायरे विस्तारित करने व नए लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता देगी। इस सप्ताह के बाद, आप एक रोमांचक खबर की अपेक्षा कर सकते हैं। प्रेरणादायी चर्चाएं बिजनेस सौदे पर पहुंचाएंगे। कुछ लोग काम में प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकते हैं। सजगता बरतें क्योंकि कोई आपको किसी गंभीर मामले में फंसा सकता है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

व्यायाम करते समय सजग रहें, चोट या खिंचाव हो सकता है। काम पर, आप पेशेवर होंगे व कंपनी की नीतियों का पालन करेंगे। व्यापार प्रतिबद्धताओं के कारण यात्रा करने के आसार हैं। इस यात्रा पर, आप नए मित्रों व प्रशंसकों से मिलने वाले हैं। आपके हिस्से में बहुत सारा काम करना आएगा। कार्य के प्रति समर्पण जरूरी है, लेकिन खुद को अत्यधिक तनाव देना आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

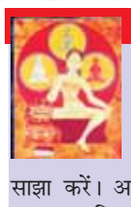

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा दिखता है। जो लोग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, अपनी स्वास्थ्य चिंताओं को दूसरों से साझा करें। आपको अपनी समस्या का कोई समाधान मिल सकता है। यह एक बहुत सकारात्मक नयी शुरुआत है, खासकर कार्य मोर्चे पर। यदि आप हाल में कठिन समय से गुजरे हैं तो जान लें कि चीजें बहुत जल्द बेहतर होने वाली हैं। आपमें से कुछ पदोन्नति की अच्छी खबर मिलने की अपेक्षा कर सकते हैं।

शुभ अंक: 31 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

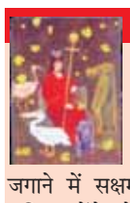

बुरे स्वास्थ्य दौर के बाद, यह सप्ताह बेहतर स्वास्थ्य के रूप में बड़ी राहत लेकर आता है। आप बच्चों जैसी आंतरिक ऊर्जा जगाने में सक्षम होंगे और समूचे सप्ताह भर सक्रिय रहेंगे। पेशेवर मोर्चे पर, आप इस सप्ताह अपने दूरगामी लक्ष्य को पाने में सक्षम होंगे। आपके इर्दगिर्द लोग आपसे ठोस सलाह की अपेक्षा करेंगे। आप खुद को बीमों व वसीयतों जैसे पारिवारिक मामलों की देखभाल में उलझा पा सकते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग** फिरोजी **शुभ दिन:** शुक्रवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

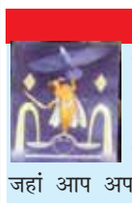

इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कोशिश करें कि अहंकारी टकरावों से दूर रहें तथा एक सुरक्षित स्थान पर जाए जहां आप अपनी रचनात्मक, आध्यात्मिक व उदार स्वभाव को विकसित कर सकें। काम में आप स्मार्ट व आशावादी होंगे और अपने सभी अधूरे कार्य पूरे करेंगे। इस सप्ताह के बाद आप कुछ रोमांचकारी अवसर मिलने की अपेक्षा कर सकते हैं। घरेलू मोर्चे को कोई खबर आपको परेशान कर सकती है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग :** गुलाबी **शुभ दिन:** सोमवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

अपना दैनिक व्यायाम या योग दिनचर्या जारी रखें। यदि आपने अभी आरंभ नहीं किया है तो फिर नयी शुरुआत करें। अपनी अपार हिम्मत व लड़ाकू भावना से, आप बेझिझक सभी चुनौतियों का सामना करेंगे। इस सप्ताह आप बहुत ही कम समय में अनेक काम पूरे करेंगे। बिजनेस मामलों व सौदेबाजियों के लिए यह अनुकूल समय है। वित्तीय हालात अच्छे नहीं हैं, इसलिए फिजूखर्ची करने से परहेज करें।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

आपके स्वास्थ्य में सुधार दिखेगा। इस सप्ताह आप खुद को मन ही मन अधिक उलझा पाएंगे, इसलिए जरूरी है कि अपने अंतर्बोध पर भरोसा करें। काम पर आपका मन बहुत सक्रिय रहने वाला है। अपने विचार दूसरों तक संप्रेषित करने के प्रति सुनिश्चित हों॥ अपने लक्ष्य स्पष्ट करें व अपने लक्ष्यों को हासिल करने की स्पष्ट योजनाएं व रणनीतियां बनाएं। दूसरों के साथ अपनी योजनाओं पर विचार करने का यह अच्छा समय है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

यह सप्ताह त्वरित चिंतन, निर्णायकता व प्रभावी संप्रेषण शैली लेकर आता है। बहसों का, समर्थन मांगने व भाषण देने का यह उत्तम समय है। आप सकारात्मक प्रतिक्रियाओं व अपनी सोच को मूल्यवान समर्थन की अपेक्षा कर सकते हैं। अकादमिक जगत के लोगों के लिए पढ़ाई करने व परीक्षाओं में भाग लेने का अच्छा समय है। अच्छी एकाग्रता व बारीकियों पर ध्यान देने का अर्थ है कि आप गलतियां नहीं करेंगे।

शुभ अंक : 30 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरुवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

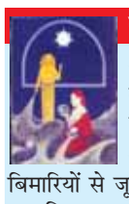

आप अच्छे स्वास्थ्य का सुख लेंगे। अपने ध्यान व योग दिनचर्या जारी रखें, यह आपको अपनी आत्मा से जोड़े रखेगा। बिमारियों से जूझते लोगों को थोड़ा गंभीर होने व उचित इलाज कराने की जरूरत है। त्वरित चिंतन की आपकी योग्यता व दृढ़ता इस सप्ताह को कार्य मोर्चे पर दूरगामी योजना तैयार करने का अनुकूल समय बनाएंगे। कुछ लाभकारी संपर्कों से संबंध आपको बदलाव लाने का अवसर प्रदान करेंगे।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** बुधवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

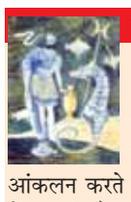

आपकी भावनात्मक क्षमता आपकी स्वास्थ्य अवस्था का फैसला करेगी। यह जरूरी है कि आप अपनी भावनाओं का आंकलन करते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं और खुद को उन्नत स्वास्थ्य में पाएंगे। अपने पेशेवर जीवन में, आप अपने लक्ष्यों व उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आपको क्या करना है, इसमें स्पष्ट हैं। दूरगामी रणनीतियां बनाने का यह उचित समय है। अपने जीवन साथी के प्रति धैर्यवान व संवेदनशील रहें।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

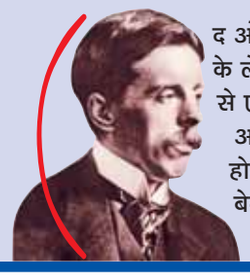

द ओल्ड वाइव्स टेल एंड क्लेहेंगर के लेखक, अर्नोल्ड बेनेट के नाम से एक आमलेट का नाम भी है। आमलेट को लंदन के सेवॉय होटल में खोजा गया था जहां बेनेट अक्सर रुका करते थे।
- विनोबा भावे

विभिन्न राज्यों में गुणात्मक शिक्षा की कमी देश के विकास में प्रमुख बाधा है। उत्तराखंड में स्कूलों की पड़ताल करते व सुधार के तरीकों बताते हैं नरेन्द्र सिंह बिष्ट

सिखाएं समानता

नीति आयोग की ''स्कूली शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक'' रिपोर्ट में उत्तराखंड को दसवां स्थान दिया गया है। यह बड़े पैमाने पर राज्य में सरकारी स्कूलों में गुणात्मक शिक्षा की कमी को इंगित करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है जहां कुछ क्षेत्रों में स्कूल की इमारतें तक कक्षाएं लगाने के अनुकूल नहीं हैं और शिक्षकों के पद खाली पड़े हुए हैं। सरकारी स्कूलों में असमावेशी व्यवस्था के कारण, अभिभावकों ने अपनी कम आमदनी के बावजूद प्राइवेट स्कूलों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। एक एनजीओ द्वारा कराए गए सर्वे के मुताबिक, 35 प्रतिशत अभिभावक अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए प्राइवेट स्कूलों को चुन रहे हैं। प्राइवेट स्कूलों में पंजीकृत छात्रों की दर साल 2006 में 20 प्रतिशत से बढ़कर 2018 में 33 प्रतिशत हो गयी है। 2014 से 2018 के बीच, उत्तराखंड में डेढ़ लाख छात्र सरकारी स्कूल छोड़कर प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने चले गए हैं। 13 जिलों में 1689 स्कूलों में 39000 छात्र हैं जो केवल एक शिक्षक की बदौलत पढ़ाई कर रहे हैं। राज्य में छात्र-शिक्षक दर में भारी अंतर है।

इसके विपरीत, प्राइवेट स्कूल अवसंरचना के मामले में कहीं अधिक उन्नत होने के कारण सरकारी स्कूलों पर वरीयता प्राप्त करते हैं। इसलिए भी माता पिता प्राइवेट स्कूलों की ओर मुड़ रहे हैं, क्योंकि वहां सरकारी स्कूलों की तुलना में प्राइमरी स्तर से ही अंग्रेजी भाषा बोलने पर जोर है और माता पिता सोचते हैं कि यह भविष्य में उनके बच्चों को नौकरी प्रदान करने में मददगार होगा। प्राइवेट स्कूलों बनाम सरकारी स्कूलों के छात्रों की शैक्षिक क्षमता में अंतर भी बढ़ रहा है। 2009 के मुताबिक, इसमें 2013 में 16 प्रतिशत से 29 प्रतिशत तथा वहां से 2018 में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में स्कूल शिक्षा के मामले में चिंताजनक असमानताएं हैं जहां बड़े पैमाने पर सुधार की आवश्यकता है। रिपोर्ट में, केरल को बेहतर शिक्षा के आधार पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य, को अंतिम स्थान हासिल हुआ है। यह रिपोर्ट स्कूल जाने वाले बच्चों के ज्ञान-स्तर पर आधारित है। रिपोर्ट यह भी दिखाती है कि देश में 20 प्रमुख राज्यों में से 11 राज्यों में प्राइमरी दाखिलों में जबरदस्त गिरावट हुई हैं। जबकि माध्यमिक स्तर पर, 20 सबसे बड़े राज्यों में से आठ राज्यों में यह गिरावट दर्ज हुई है। पुस्तकालय व कंप्यूटर प्रशिक्षण के मामलों में भी बहुत ज्यादा असमानताएं पाई गयी हैं।

राज्यों के बीच शिक्षा में असमानता देश के विकास में एक प्रमुख बाधा है क्योंकि यह वो सेक्टर है जो समूची पीढ़ी की स्थिति व दिशा को इंगित करता है। आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक सुधारों के लिए मजबूत पहल करना अभी भी आवश्यक है। एक नीति बनाने की आवश्यकता है जो सभी राज्यों में समानता से क्रियान्वित की जा सके। (बच्चों को निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम)आरटीई अधिनियम, 2009 देश के सभी राज्यों में समान रूप से लागू है। इसके बावजूद, रिपोर्ट के मुताबिक, केरल शिक्षा अधिकार को लागू करने में सबसे आगे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सबसे पीछे है। देश के सभी राज्य, शिक्षकों के प्रशिक्षण, शिक्षण शैली व कक्षाओं में उनकी नियुक्तियों आदि सभी मामलों में केरल से पीछे चल रहे हैं।

मेरे अपने अनुभव के मुताबिक, मैं देखा है कि सरकारी स्कूलों में छात्रों की न केवल शिक्षा को बल्कि उनके स्वास्थ्य को भी नजरंदाज किया जा रहा है। इस साल, नैनीताल में सरकारी स्कूल की यात्रा के दौरान मैंने गुटके, सिगरेट और बदबू से भरे शौचालय देखे, जहां एक मिनट के लिए खड़ा होना कठिन बनाया हुआ था। साथ ही साथ स्कूल का ऑडिटोरियम ऐसा था जहां छत किसी भी समय गिर सकती थी और किसी बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकती थी। यह स्थिति नैनीताल में सिर्फ एक स्कूल की नहीं है, बल्कि उत्तराखंड में नब्बे फीसदी से अधिक स्कूल इसी स्थिति का सामना कर रहे हैं।

यह राज्य सिस्मिक जोन चार में आता है जो क्षेत्र में भूकंप आने के खतरे बढ़ा देता है। ऐसी स्थिति में, जर्जर इमारतें भारी दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से इस पर गंभीर ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों में ज्ञान की कमी है। उनका मेरिट के आधार पर चयन किया जाता है लेकिन स्कूल कार्य के अलावा, शिक्षकों पर चुनावों, जनगणना व अन्य सर्वेक्षणों जैसे का बोझ रहता है। यह अक्सर उनके अध्यापन कार्य को प्रभावित करता है। इसके विपरीत, प्राइवेट स्कूलों में शिक्षकों को केवल पढ़ाना होता है और इसीलिए वे अपनी समस्त ऊर्जा छात्रों के समग्र विकास में लगाते हैं।

फिर भी, सरकार को नीतियों में सुधार करने की आवश्यकता है। प्राइवेट स्कूलों की तुलना में अधिकांश वित्तीय सहायताएं सरकारी स्कूलों को दी जाती हैं। शिक्षा के लिए विशेष धनराशि का बजट आवंटित होता है। इसके बावजूद, अभिभावकों का प्राइवेट स्कूलों की ओर रुख करना सरकारी संस्थानों में खराब शिक्षा पद्धति का संकेतक है। सरकार को इन स्कूलों के मॉडल सुधारने की जरूरत है।

दिल्ली और केरल दो सबसे बड़े उदाहरण है जिनसे प्रत्येक राज्य को इस मामले में सीखना चाहिए। केरल ने 2019-20 में अपने कुल बजट का 15 प्रतिशत शिक्षा पर निवेश किया और दिल्ली सरकार ने अपने सालाना बजट का 25 प्रतिशत शिक्षा पर निवेश किया जो भारत के सभी राज्यों मे सर्वाधिक है। अगर हम कक्षा 12वीं छात्रों के उत्तीर्ण प्रतिशत की बात करें तो दिल्ली सरकारी स्कूल इस साल 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 94.24 प्रतिशत पर पहुंच गए हैं जो एक अच्छी संख्या है।

उत्तराखंड अवसंरचना में सुधार लाकर तथा शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों को भरकर, छात्रों को सरकारी स्कूलों में वापस ला सकता है। अधिकारियों को केरल और दिल्ली द्वारा उपयोग में लाए गए मॉडल को देखने के बारे में सोचना चाहिए जिन्होंने अवंसरचना, पुस्तकालयों में सुधार लाने, व स्मार्ट क्लासरूप आरंभ करने जैसे विकल्पों पर काम किया है। ये प्रमुख बिन्दू हैं जिन पर प्रत्येक राज्य के सरकारी स्कूल को अपनाना चाहिए ताकि देश भर में शिक्षा का समग्र सुधार हो सके।

चुनौतियां भविष्य की

रितेश रावेल का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में पहली पीढ़ी के विद्याथी शिक्षा में ऐसी चुनौतियों से घिरे हैं जो उन्हें गरीबी, बेरोजगारी और असमानता की दलदल से बाहर निकलने से रोकती हैं

ग्रामीण भारत के अनेक इलाके हैं जो अभी भी गरीबी, बदतर स्वास्थ्य, भूख, बेरोजगारी व असमानता से त्रस्त हैं। यद्यपि सरकार ने हालात सुधारने के प्रयास किए हैं और कुछ उपलब्धियां भी दर्ज की हैं, मगर अभी एक लंबा रास्ता है जो हमें तय करने की आवश्यकता है।

हमें स्वीकारना चाहिए कि शिक्षा इन समस्याओं के समाधान का एकमात्र उपाय है। लेकिन दुर्भाग्यवश, ग्रामीण भारत में शुरुआती पीढ़ी के विद्यार्थी(वे विद्यार्थी जो ऐसे परिवार से आते हैं जिनकी औपचारिक शिक्षा तक कोई पहुंच नहीं है) ऐसी चुनौतियों का सामना करते हैं जो अक्सर अभेद्य नजर आती हैं। इन्हें निम्न रूपों में समझा जा सकता है:

स्कूलों की सीमित संख्या

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुसार, 2018 में शहरी इलाकों में 79.5 प्रतिशत के बरक्स, ग्रामीण इलाकों में साक्षरता 64.7 प्रतिशत थी। ग्रामीण इलाके जानकार शिक्षा के लक्ष्य से जूझ रहे हैं क्योंकि स्कूलों का अभाव है। इसके अलावा, खराब आवागमन और कनेक्टिविटी समस्या को और जटिल बना देते हैं। इसलिए माता पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते हैं। यह शिक्षा में भारी बाधा का काम करता है। ऐसर (एनुअल स्टेटस आफ एजूकेशन रिपोर्ट) के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर, 2018 में, दस सरकारी प्राइमरी स्कूलों में से चार में साठ से कम विद्यार्थी पंजीकृत थे।

वित्तीय संसाधनों की कमी

गरीबी लगातार प्रमुख सामाजिक समस्या बनती है और यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक प्रभावित करती है। वित्तीय समस्याओं के कारण बच्चे शिक्षा का खर्च वहन नहीं कर पाते हैं। निजी स्कूल एक महंगा विकल्प हैं और अधिकांश ग्रामीण परिवारों के बजट से ऊपर है। वे अपने पास मौजूद सीमित धन के या तो अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं या बुनियादी जीवन जी सकते हैं।

बदतर अवसंरचना

ग्रामीण स्कूल बदतर ढांचे से ग्रसित हैं। शुरुआत करें तो शिक्षक-छात्र दर अत्यंत असंतुलित है। और जो शिक्षक हैं वे भी उचित प्रशिक्षित नहीं हैं। स्वाभाविक तौर पर, यह मिल रही शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

बुनियादी सुविधाएं, मसलन पाठ्यपुस्तकें, पेयजल सुविधा, पुस्तकालय तक पर्याप्त नहीं हैं। ऐसर रिपोर्ट ने खास तौर पर जम्मू और कश्मीर तथा अधिकांश उत्तर-पूर्वी राज्यों में खामियों को चिन्हित किया है। इन राज्यों में, 2018 तक पचास फीसदी से कम स्कूलों में पीने के पानी या लड़कियों के शौचालय की सुविधा थी। असम को अपवाद मानें, मगर उत्तर-पूर्व के राज्यों में अधिकांश स्कूलों के पास छात्रों को उपलब्ध कराने के लिए पुस्तकालय की किताबें नहीं हैं। (डाइस) डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फार एजूकेशन का आंकड़ा दिखाता है कि कुछ सरकारी स्कूलों में से केवल 53 फीसदी में, जिनमें अधिकांश ग्रामीण भारत में हैं, बिजली का कनेक्शन है। केवल 28 फीसदी स्कूलों (18 प्रतिशत सरकारी स्कूल) में कंप्यूटर है व 9 प्रतिशत (4 फीसदी सरकारी स्कूलों में) के पास इंटरनेट कनेक्शन है।

पढ़ाने का पारंपरिक तरीका

हालांकि नवीन शिक्षण तकनीकों से शहरी इलाकों में शिक्षणशास्त्र के विभिन्न हिस्सों में सुधार हुआ है, मगर भारतीय गांवों में अभी भी आदिम व पारंपरिक शिक्षण तरीके कायम हैं। शहरी स्कूलों ने अवधारणागत शिक्षा को अपनाया है लेकिन ग्रामीण इलाके अभी पुरानी पद्धति में जकड़े हुए हैं। इसके अलावा, उनके पास शारीरिक शिक्षा ग्रहण करने की उचित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि उस विषय के लिए कोई शिक्षक नहीं है। रिपोर्ट पता लगाती है कि केवल 5.8 प्रतिशत प्राइमरी स्कूल तथा 30.8 प्रतिशत अपर प्राइमरी स्कूलों में ही पीटी शिक्षक उपलब्ध था। अधिकांश स्कूलों में, अन्य विषयों के शिक्षकों को पीटी शिक्षक गतिविधियां देखने का कार्य सौंपा गया था।

तकनीक का अभाव

21 सदी में भी, ग्रामीण स्कूल अभी तकनीक तथा उन्नत तकनीकों से वंचित हैं। बुनियादी कंप्यूटर साक्षरता हर बच्चे के लिए अनिवार्य है। हालांकि, ग्रामीण भारत के स्कूलों में कंप्यूटर नहीं हैं और न ही इस विषय को पढ़ाने वाले शिक्षक हैं। हमारे देश में डिजीटल विभाजन का कारण यह अलगाव है।

शहरी-ग्रामीण विभाजन

पढ़ाने के तरीकों, विषयों तथा पढ़ाए जाने वाली विषयवस्तुओं का भिन्न परिमाण का अर्थ है कि ग्रामीण व शहरी

शिक्षा में भारी अंतर है। ऐसर टीमों द्वारा 14 से 18 वर्ष के छात्रों के बीच सर्वे किया गया, उनमें केवल 43 प्रतिशत चौथी कक्षा के गणित के सवाल हल कर पाएं। 14 साल के बच्चों तथा 18 साल के विद्यार्थियों के बीच यह अनुपात आम तौर पर एक समान था, जो दिखाता है कि कमतर शिक्षण परिणाम की समस्या को स्कूल में अन्य बच्चों में सुलझाया नहीं गया था। केवल चालीस फीसदी 18 वर्षीय विद्यार्थी पूछे गए प्रश्नों के दस फीसदी प्रश्न हल कर पाए। 14 साल के 27 फीसदी तथा 18 साल के 21 फीसदी विद्यार्थी क्षेत्रीय भाषा में दूसरी कक्षा की पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ पाए और प्रत्येक आयुवर्ग में चालीस फीसदी छात्र अंग्रेजी के साधारण वाक्य नहीं पढ़ पाए। इसने ग्रामीण-शहरी विभाजन को गहरा कर दिया है।

माता पिता की अज्ञानता

यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारकों में से एक है जो पहली पीढ़ी के विद्यार्थियों की प्रगति को प्रभावित करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे अनेक परिवार हैं जिन्हें बमुश्किल ही परिवर्तन लाने में शिक्षा की महत्ता का ज्ञान था। अधिकांश बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं क्योंकि उनके माता पिता इसे महत्वपूर्ण नहीं मानते हैं, खासतौर पर अगर संतान लड़की हो। ग्रामीण स्कूलों में स्कूल छोड़ने वालों की दर अधिक है। अनुमानतया, पचास फीसदी छात्र 12वीं की पढ़ाई पूरी करने से पहले स्कूल आना बंद कर देते हैं। यह सब स्पष्ट संकेत करता है कि पहली पीढ़ी के विद्यार्थियों की स्थिति बहुत चिंताजनक है और निश्चित रूप से इस पर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है।

पेज एक का शेष

कार्बन फुटप्रिंट से स्याही बनाना

इसे फिर भराव क्षेत्रों में फेंक दिया जाता है या नदी में बहा दिया जाता है। जोर इन कंपनियों के साथ साझा कार्य करने पर था जिसमें ये कचरे को फेकें नहीं और इसे व्यवसायिक रूप से उपयोग बनाए और पुन: काम में लाएं व समाज की सहायता करें।''

कौशिक, जो कहते हैं कि किसी भी नए उत्पाद को स्वीकार्यता बनाने में समय लगता है, बताते हैं, ''स्याही बनाने की सामान्य प्रक्रिया यह है कि इसमें जैव ईंधन को जलाया जाता है, उसमें से काला कार्बन एकत्रित किया जाता है और फिर उसकी स्याही बनती है। लेकिन हम जिस प्रकार से स्याही बनाते हैं, उससे हम जलते हुए जैव ईंधन पर निर्भरता कम कर सकते हैं। यह प्रक्रिया आसान नहीं रही है। हम अपनी तकनीक में सुधार कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इसका उपयोग कर सकें। ''

नए उत्पाद की स्वीकार्यता में समस्या विभिन्न कारणों से है। कौशिक कहते हैं, ''हम इसे भारत में बहुत ज्यादा नहीं बेचते हैं। लेकिन यह सामान्य है। अगर नए उत्पादों के उपयोग करने की बात हो तो विकसित अर्थव्यवस्थाएं होती हैं जो इसमें पहल करती हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होता कि भारत में इसके खरीदार नहीं हैं। विगत 2017 में, स्टार प्लस पर शाहरुख खान के कार्यक्रम टेडटॉक नयी सूचना, ने दिल्ली, मुंबई और गुड़गांव में इस स्याही से बने बिलबोर्ड रखे गए थे। इसके अलावा कीमत के दबाव हैं। नया उत्पाद बाजार में पहले से उपलब्ध उत्पादों की तुलना में महंगा है।''

एक और समस्या यह है कि स्याही कोई समरूपी उत्पाद नहीं है। यह ऐसी नहीं कि किसी ने जब उत्पाद को बना दिया तो कोई भी इसका उपयोग कर सकता है। बताया गया कि जेल पेन से इस्तेमाल होने वाली स्याही से लेकर इंकपेन में इस्तेमाल होने वाली स्याही से लेकर छपाई में उपयोग होने वाली व प्रिंटर में उपयोग होने स्याही तक, सभी अलग किस्म की होती हैं। फिर लेजर प्रिंटर है और इंकजेट प्रिंटर्स हैं।

कौशिक कहते हैं, ''पत्रिकाओं के लिए ग्लॉस और मैट पेपर पर इस्तेमाल होने वाली इंक भी भिन्न होती है। प्रत्येक किस्म की स्याही को अनुकूल बनाने की जरूरत होगी। फिर इसे जांचने की जरूरत होगी। हालांकि मैं कह सकता हूं कि हमारे पास स्थूल स्तर पर समाधान है, पर सूक्ष्म स्तर पर ऐसा नहीं है ताकि कोई न्यूजपेपर स्याही खरीद सके और कल इसका उपयोग कर सके। दस विभिन्न किस्म की स्याहियां होती हैं और प्रत्येक की अपनी उपयोग अवधि होती है।'' वह बताते हैं कि वर्तमान में वे पेन जो चालीस से अधिक देशों में उपलब्ध हैं, मार्कर पेन हैं, जिनका कलाकार उपयोग करते हैं। इन पेनों को विभिन्न वातावरणों में जांचा गया है।

फिलहाल, कंपनी दुनिया के कुछ दैनिक अखबारों से इस स्याही का उपयोग करने के लिए संवादरत है और कोल्ड टेस्टिंग के लिए जाने वाली है। लेकिन, वह बताते हैं कि यह एक लंबी प्रक्रिया है। क्या इसका यह अर्थ है कि आने वाले कुछ वर्षों में हम इन पेनों का उपयोग कर सकते हैं, मसलन कहें तो चेक पर अपना नाम लिखने के लिए? बिलकुल- आज नहीं तो कल।

वह बताते हैं कि सरकार का सर्वोत्तम काम है नीति-निर्माण करने पर ध्यान देना। कौशिक कहते हैं, ''निश्चित रूप से, कुछ ऐसे काम हैं जो सिर्फ सरकार ही कर सकती है। निजी उद्यमियों का काम है लोगों को उनकी आदतें बदलने में सहायता करना। यह साझा मिलकर टेक्सी का उपयोग करने से कार्बन फुटप्रिंट को घटाने में आसानी होती है जो यह अच्छा है। सरकार को सिर्फ यही करने की जरूरत है कि वह साझा टेक्सी किराए पर लेने को गैरकानूनी न बनाए। हमारे लिए भी यही बात लागू होती है।''

कचरे से कला तक

ब्रांड की शुरुआत करने के पीछे खयाल भारतीय हस्तनिर्मित समकालीन कालीनों का एक ब्रांड खड़ा करना। और गुप्ता ने क्यों पर्यावरण अनुकूल रास्ता चुनने का फैसला किया, इसका कारण यह था कि वह कंपनी के दर्शन, ''पुन:विचार, पुन: अन्वेषण, पुनर्नवा'' से जुड़े रहना चाहते थे। वह कहते हैं, ''आज का उपभोक्ता कहानी व मर्म वाले उत्पाद पसंद करता है। यह उनके खरीदारी निर्णयों व रुचियों को निर्देश देता है। स्टाइल, क्वालिटी व सेवा केवल विशिष्टताएं नहीं हैं। हम एक जागरुक कंपनी हैं- आईएसओ 140001 प्रमाणित पहली कंपनी, जिसका अर्थ है कि आप अपने दावदारों, ग्राहकों व स्टाफ को साबित कर सकते हैं कि आप अपने पर्यावरण संबंधी दायित्वों के प्रति सजग हैं और अपने पर्यावरण संबंधी प्रभाव को घटाने के तरीके खोज रहे हैं। पुनर्चक्रित उत्पाद हमारे उत्साह के साथ भी मेल खाते हैं और वे बाजार शक्तियों के पक्ष में भी हैं। मैं रचनात्मकता का हामी हूं और यह महज एक सही विकल्प है।''

प्लास्टिक कचरे को कालीनों व कंबलों में बदलने की समूची प्रक्रिया में कुछ चरण सम्मिलित हैं और यह अत्यंत सरल है। पहला, प्लास्टिक बोतलें एकत्रित की जाती हैं और उन्हें कचरा व्यापारियों को भेजा जाता है। दूसरा, मैटल ढक्कन, रिंग्स, पीवीसी लेबलों को इन बोतलों से हटाया जाता है क्योंकि वे बाद की प्रक्रिया में समस्या का कारण बनते हैं। तीसरा, बेलिंग मशीनें, फिर दबाया जाता है और कूटकर गट्ठर बनाया जाता है। चौथा, गट्ठरों से लदा ट्रक फिर रीसाइकिलिंग प्रक्रिया में पहुंचता है जहां बोतलों को टुकड़े टुकड़े किया जाता है, शुष्क धुलाई होती है, जिससे वह स्वच्छ लच्छे में बदल जाता है। पांचवां, इन धुले हुए लच्छों से धागा कंपनियां सूत बनाती है- जिसका फिर कालीन बनाने में उपयोग किया जाता है।

इन कालीनों व गलीचों की कीमत डिजाइन व

Poufs made from recycled plastic

स्टाइल के आधार पर 400 से लेकर 1000 रूपए प्रति स्क्वायर फिट के बीच होती है। तीन मुख्य किस्म की बुनावटों का उपयोग किया जाता है- हाथ से बुनी हुई, हस्तनिर्मित कलगीनुमा व हस्तनिर्मित गांठदार। न केवल रीसाइकिल्ड प्लास्टिक का ,बल्कि ऊन, सूत, चमड़ा, पुनर्चक्रित डेनिम व कपड़ों जैसे प्राकृतिक उत्पादों का भी उपयोग किया जाता है।

आदित्य के पास भी बताने को काफी कुछ है। वह ब्रांड को और विस्तारित करना चाहता है इसमें नए उत्पादों के रूप में कुशन कवर और बेंचेज आदि को शामिल करना चाहता है। वह कहते हैं, '' हम और अधिक बाजारों में वितरक साझीदारों को अपने साथ जोड़ना चाहते हैं।''

इस क्षेत्र में अपना खुद का व्यापार करने के इच्छुक लोगों के लिए गुप्ता जी की एक सलाह है। वह बताते हैं, ''इंसान को, जो वह पाना चाहता है, उसके प्रति एकाग्रचित्त होना चाहिए। एक बार में एक ही काम इसका मूल मंत्र है। कोई भी छलांग आपकी सहायता नहीं करेगी। साथ ही, तैयारी और धैर्य को लगन की ताकत मिलनी आवश्यक है।''

-स्त्रोत सहायक - मुस्बा हाशमी

कैंसर वैज्ञानिकों को नोबल पुरस्कार

निरंकार सिंह

अमरीका के प्रोफेसर जेम्स पी एलिसन और जापान के प्रोफेसर तासुकू हॉन्जो ने मानव शरीर के इम्यून सिस्टम का इस्तेमाल कर कैंसर को निष्प्रभावी बनाने के लिए एक नया इलाज निकाला है। इन दोनों वैज्ञानिकों को इसके लिए इस साल का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला है। उनके इस इलाज को 'चेक प्वाइंट थेरेपी' कहा जा रहा है। पुरस्कार देने वाली स्वीडिश अकेडमी ने बताया कि इम्यून चेक प्वाइंट थेरेपी ने कैंसर के उपचार में काफी क्रांतिकारी बदलाव किया है। ये 'काफी प्रभावी' साबित हुआ है। टेक्सास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एलिसन और क्योटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हॉन्जो नोबेल पुरस्कार से मिलने वाली राशि को साझा करेंगे, जो नौ मिलियन स्वीडिश क्रोनर यानी लगभग 1.01 मिलियन डॉलर या लगभग 7.40 करोड़ रुपये है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए तासुकू हॉन्जो ने कहा, 'मैं अपना शोध जारी रखना चाहता हूं... ताकि ये इम्यून थेरेपी अधिक से अधिक कैंसर के मरीजों को बचा सके। प्रोफेसर एलिसन ने कहा, 'ये काफी अच्छा है, इम्यून चेक प्वाइंट ब्लॉकेड से पूरी तरह सही होने वाले मरीजों से मिलने का भी मौका है.। वे मूलभूत विज्ञान की शक्ति साबित करने के लिए हैं ताकि चीजें कैसे काम करती है, ये हम सीख और समझ सकें और उन्हें बता सकें।'

हमारा इम्यून सिस्टम हमें कई बीमरियों से बचाता है लेकिन अंदर ये अपने ही ऊतकों के हमले से बचने के लिए एक सेफगार्ड भी बनाता है। कुछ कैंसर उन 'ब्रेक्स' का फायदा उठा सकते हैं और हमले से बच सकते हैं। 70 के दशक में एलिसन और हॉन्जो ने ब्रेक लगाने वाले प्रोटीन को बंद करके ट्यूमर पर हमला करने वाले हमारे इम्यून सिस्टम को हटाने के लिए एक रास्ता ढूंढ़ निकाला है। जिस बीमारी का पहले इलाज होना नामुमकिन था उसके लिए नई दवाईयां लाई गईं। जो मरीजों को इस बीमारी से लड़ने के लिए एक नई उम्मीद देंगे। इम्यून थेरेपी चेक प्वाइंट का उपयोग एनएचएस द्वारा किया गया है। जिसका इस्तेमाल गंभीर मेलानोमा (त्वचा कैंसर) के इलाज के लिए किया जा रहा है। ये सबके लिए प्रभावी नहीं है लेकिन कुछ मरीजों में बहुत ही अच्छी तरह काम कर रहा है जिसके परिणाम अविश्वसनीय है। पूरी तरह से ट्यूमर से छुटकारा मिल रहा है चाहे वे शरीर में पूरी तरह ही क्यों न फैल गए हों। ऐसे मरीजों में इतने अच्छे परिणाम पहले कभी नहीं देखे गए हैं।

एडवांस लंग्स कैंसर में भी कई डॉक्टर इस ट्रीटमेंट का उपयोग कर रहे हैं। कैंसर रिसर्च यूके के प्रोफेसर चार्ल्स स्वांटन ने पुरस्कार विजेताओं का बधाई दी और कहा, ''इतने अच्छे काम के लिए धन्यवाद। हमारे अपने इम्यून सिस्टम ने कैंसर के प्रतिकूल स्वभाविक शक्ति महसूस की और मरीजों के जीवन रक्षक वाले उपचार का इस्तेमाल किया। त्वचा (मेलानोमा), फेफड़े और किडनी जैसे एडवांस कैंसर के लिए इन इम्यून बढ़ाने वाली दवाइयों ने कई मरीजों का जीवन बदल दिया है।'' 'इम्यूनोथेरेपी से एक नया रास्ता निकला है जो अभी अपने शुरुआती दौर में हैं, इसलिए भविष्य में इस दिशा में होने वाली प्रगति और नये अवसरों की कल्पना करना ही काफी रोमांचक है।'

कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का इलाज ढूंढ़ने की कोशिश लगातार हो रही है। और इसके इलाज की कड़ी में एक और कदम बढ़ाया गया ब्रिटेन में जहां पहली बार एक नई मशीन का इस्तेमाल किया गया। इससे डॉक्टर रेडियोथेरेपी करने के दौरान ही ट्यूमर की जांच भी कर सकते हैं।. इससे उम्मीद बंधी है कि कैंसर का ऐसा इलाज हो सकेगा जिसके साइड इफेक्ट काफी कम होंगे।

मर्दानी-2 एक ऐसी फिल्म है जो आज के समाज का एक प्रतिविम्ब है, जो आज के हालात को लेकर नया संदेश देती है।
- रानी मुखर्जी

जैव-विविधता से जुड़ने का संदेश देता है शो 'सेवेन वर्ल्ड्स वन प्लैनेट'

जाने-माने लेखक स्कॉट एलेक्ज़ेंडर पृथ्वी के हर महाद्वीप की विविधता से भलीभांति भिज्ञ हैं और अब इन अनुभवों को अपने टीवी शो 'सेवेन वर्ल्ड्स वन प्लैनेट' के माध्यम से वो ये जानकारी दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। टीम पायनियर की उनसे बातचीत के अंश-

❐ आपके शो 'सेवेन वर्ल्ड्स वन प्लैनेट' के पीछे का मूल विचार क्या है?

सात महाद्वीपों के पशुओं के रहने के स्थानों को देखने और अध्ययन करने का विचार ऐसे अत्यंत सरल लग सकता है। लेकिन हैरानी इस बात की है कि इस ओर कभी किसी ने काम नहीं किया। लेकिन सोच कर देखिये कि 200 मिलियन वर्ष पहले ये सातों महाद्वीप एक दूसरे से जुड़े हुए थे। लेकिन बाद में वे अलग होकर दूर होते चले गए। आज हर महाद्वीप का अपना अनूठा वन्यजीवन है। मुझे प्रसन्नता इस बात की है कि इस शो में हम दर्शकों तक इस जानकारी को साझा करने जा रहे हैं।

❐ इस शो में आपको सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्या लगता है?

इस सीरीज़ में मेरे अनुसार सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात ये है कि हम इसमें नई कहानियां, नई प्रजातियों और स्थानों को दिखाने जा रहे हैं। किसी भी शो की सबसे महत्वपूर्ण बात यही होती है कि उसमें दर्शकों को कुछ ऐसा परोसा जाए जो उन्होंने पहले कभी न देखा हो। लोग एक ही प्रकार की कहानियों को देखते-सुनते बोर होने लगते हैं। हमारे लिए प्रसन्नता की बात ये है कि हम इसमें नई कहानियां और नए दृश्य दिखाने जा रहे हैं। इस बात की हमें प्रसन्नता भी है क्योंकि हमनें इस दौरान कई नई प्रजातियों को खोजा भी है। हर महाद्वीप की हम अलग कहानियां लेकर आ रहे हैं। दर्शकों को इस सीरीज़ को देखकर विशेष आनंद आने वाला है।

❐ इन सात महाद्वीपों के विविधतापूर्ण वन्यजीवों तथा प्राकृतिक परिदृश्यों को लेकर आपकी क्या राय है?

ये अविश्वसनीय हैं। इस शो के बारे में जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वो ये कि इन सभी महाद्वीपों की जैवविविधता को इसमें दिखाया गया है। आज वैसे भी हम इस स्थिति में पहुंच गए हैं कि हमारे कई जीव विलुप्तता की कगार पर पहुंच गए हैं। और इनके कारणों में वैश्विक तापमान में अंतर, अवैध शिकार, या फिर उनके रहने के स्थानों का न बचना हो सकता है। हमने इन सभी पहलुओं को अपनी कहानियों में समेटने का प्रयास किया है। इस शो के माध्यम से हम दुनिया भर के वन्यजीवों के बारे में जान पाएंगे जिनका हमें ध्यान रखना है। हम इसी पर्यावरण में रहते हैं और अपने उपभोग में इसके संसाधनों का प्रयोग करते हैं तो इनका संरक्षण भी हमारा ही दायित्व होना चाहिये।

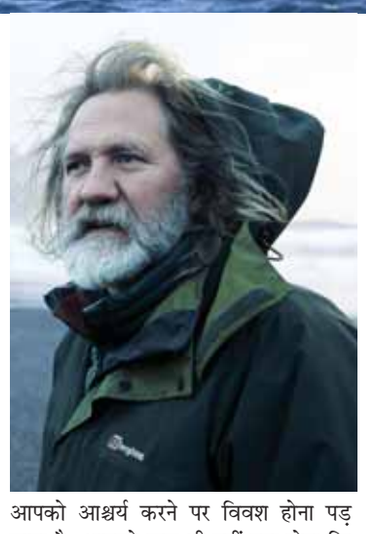

❐ विभिन्न महाद्वीपों की विषम जलवायु परिस्थितियों में आपको इस शो की शूटिंग कितनी चुनौतीपूर्ण रही। इस संबंध में किसी घटना के बारे यदि आप बताना चाहें...

जी हां, ये काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि पशुओं का व्यवहार आपकी स्क्रिप्ट के अनुसार नहीं हो सकता। आप उनके संबंध में किसी योजना पर काम नहीं कर सकते क्योंकि आप अपने अनुसार उनके बर्ताव को नहीं ढाल सकते। पशुओं को आपकी योजना के बारे में पता नहीं हो सकता लेकिन कई बार आपको इतने उत्कृष्ट दृश्य मिल जाते हैं कि आपको आश्चर्य करने पर विवश होना पड़ जाता है। आपको कुछ भी नहीं पता होता कि आपको किस प्रकार का शॉट मिलेगा और उसमें पशुओं का व्यवहार कैसा होगा? इस पूरी सीरीज़ की शूटिंग अत्यंत कठिन परिस्थितियों में की गई है। पांच मिनट के शॉट में आपको पांच सप्ताह का भी समय लग सकता है। लेकिन ये भी सच है कि वन्य जीवों की शूटिंग में आप जितना अधिक समय देंगे, परिणाम भी उतने ही अच्छे मिलेंगे। घटना अंटार्कटिका की है जो सर्वाधिक विषम परिस्थितियों वाला महाद्वीप है और सबसे ठंडा भी। ये सर्वाधिक तेज हवाओं वाला, शुष्क और सबसे अलग-थलग महाद्वीप है। वहां जाना ही सबसे कठिन काम हो जाता है। हमें वहां पहुंचने में छ: दिनों तक समुद्र की यात्रा करनी पड़ी। वहां काम करना तो कठिन है लेकिन कठिन परिश्रम के परिणाम भी सुखद ही मिलते हैं। हमनें वहां से आपके लिए सबसे अद्भुत परिदृश्य तथा विरले स्थानों को कैमरे में कैद किया है।

❐ आपके अनुसार कौन सा महाद्वीप अपने पर्यावरण तथा वन्यजीवों को संरक्षित करने में सर्वाधिक परिश्रम कर रहा है? और सभी महाद्वीप उनसे क्या सीख सकते हैं?

हम अपने शो के हर एपीसोड के माध्यम से अपने दर्शकों को कुछ संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं। हम अपने कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन सहित अन्य पर्यावरणीय समस्याओं को रेखांकित करने का प्रयास कर रहे हैं जैसे तूफानों की बढ़ती संख्या जिसके कारण वन्यजीवों की बड़े पैमाने पर हानि होती है, क्योंकि पक्षियों के बच्चे तूफानों के दौरान अपने घोसलों से उड़ जाते हैं और फिर वापस आने में असमर्थ होते हैं। बाद में वे अपने माता-पिता से कभी नहीं मिल पाते। हमनें अफ्रीका की कहानी दिखाई है जहां बड़े पैमाने पर वन्यजीवों अवैध शिकार होता है। ऑस्ट्रेलिया में भी मानवीय हस्तक्षेप के कारण वन्यजीवों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है और वहां तो स्थिति ये है कि कई प्रजातियां विलुप्त होने की कगार तक पहुंच गई हैं। अपने शो में हम इस प्रकार की समस्याओं को रेखांकित तो करते हैं लेकिन हम अपनी कहानियों में सदैव नकारात्मक नहीं दिखना चाहते। कई महाद्वीपों में अच्छा काम भी हो रहा है जिनसे हम लोगों को अपने पर्यावरण को बचाने के लिए प्रेरित कर ये संदेश दे सकते हैं कि अभी भी अधिक देर नहीं हुई है। हम कुल मिलाकर ये कहना चाहते हैं कि यदि हम मिलकर अपने हिस्से का योगदान दें तो अभी समस्या का समाधान तलाश सकते हैं।

❐ ये शो भारत में जनवरी में प्रीमियर होगा। प्रकृति के संरक्षण के महत्व को लेकर आप दर्शकों को क्या संदेश देना चाहते हैं?

मैं चाहता हूं कि लोग अविश्वसनीय वन्यजीव विविधता को ध्यान से देखें और ये भी ध्यान दें कि इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कैमरामेन द्वारा शूट किया गया है। इसके लिए संगीत भी हॉलिवुड के सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों द्वारा दिया गया है साथ ही इसका निर्देशन भी सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों ने ही किया है। यही कारण है कि शो की गुणवत्ता के स्तर को ऊपर लाने में हम काफी हद तक सफल रहे हैं। मैं चाहता हूं कि लोग इसकी अद्भुत कहानियों का आनंद लें और दुनिया की जैव-विविधता से जुड़ें और पृथ्वी ग्रह को बचाने का संकल्प लें।

(सीरीज़ सोनी बीबीसी अर्थ चैनल पर 13 जनवरी को प्रीमियर होगी)

अपारशक्ति को लगती है अपनी टीम अद्भुत

बॉलिवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना का कहना है कि, 'मेरे पास ऐसी टीम है जो कभी मेरा साथ नहीं छोड़ती, उसमें सभी लोग अत्यंत परिश्रमी हैं। मुझे उनके रहते कभी उन बातों की चिंता नहीं करनी पड़ती जो मेरे लिए अनावश्यक हैं और जिनके चलते मेरा प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है और यही कारण है कि मैं अपना शतप्रतिशत देने पर पूरी तरह से एकाग्र हो पाता हूं। वे इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किसी भी दूसरे कारण से मेरा ध्यान दूसरी बातों में न बंटे। मेरा मानना है कि सभी बातों के बारे में उनका दृष्टिकोण मुझसे भी अधिक पेशेवर है।'

अक्षय-दिलजीत ने किया 'लेबर पेन टेस्ट'

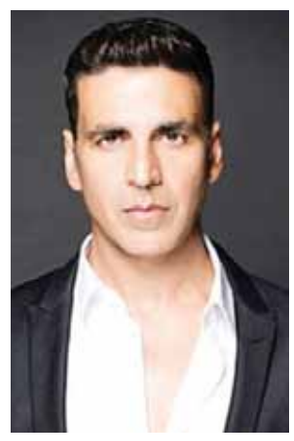

अक्षय कुमार अपनी नई फिल्म गुड न्यूज़ को लेकर नई नई बातें कर रहे हैं। अक्षय और दिलजीत दोसांझ ने गर्भवती महिलाओं बच्चे के जन्म के समय होने वाले लेबर पेन को समझने के लिए एक टेस्ट किया। अक्षय ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया जिसमें अक्षय और दिलजीत इस टेस्ट को कर रहे हैं। अक्षय ने लिखा, 'गुड न्यूज़, ये मेरे और दिलजीत द्वारा गर्भवती महिलाओं द्वारा बच्चे के जन्म के समय होने वाले लेबर पेन को समझने के लिए एक टेस्ट था। मैं उन सभी मांओं का सम्मान करता हूं। गुड न्यूज़ देना हम सभी की कल्पना से कहीं अधिक कठिन है।

केट से अपनी समानता पर अभिनेता रेनॉल्ड्स चकित

हॉलिवुड अभिनेता र्यान रेनॉल्ड्स का कहना है कि वो अभिनेता केट बेकिनसेल से उनकी समानता के बारे में काफी दिनों से सुनते आ रहे हैं। 43 वर्षीय अभिनेता का कहना था कि उन्हें एक शो में अभिनेता केट बेकिनसेल से अपनी समानता के बारे में पता चला था। र्यान ने बताया कि 'ये दर्पण के सामने खड़े होने जैसा अनुभव हो सकता है।' र्यान ने उस गाउन को देखकर जो केट पहने थे, मजाक में बताया, 'मैं भी आज ऐसा ही गाउन पहनने वाला था।' अक्तूबर माह में बेकिनसेल ने भी रेनॉल्ड्स से अपनी समानता का उल्लेख किया था।

भारतीय मॉडल सुमन राव और मिस एशिया 2019 ने कहा-

मैं अपने लिए और लैंगिक समानता के लिए खड़ी हुई हूं

21 वर्षीय तेजस्वी भारतीय मॉडल सुमन राव जिन्होंने इस साल मिस वर्ल्ड एशिया 2019 का खिताब अपने नाम किया, उनका कहना है कि उन्होंने खुद के लिए खड़ा होना सिखने के बाद लैंगिक समानता पर बोलना शुरू किया. मिस इंडिया 2019 का खिताब जीतने वाली सुमन का जन्म उदयपुर के पास औदना गांव में हुआ है, और उनके जन्म के बाद ही उनका परिवार मुंबई आ गया. उनकी परियोजना प्रगति, गांव की महिलाओं को हथकरघा, सजावटी हस्तशिल्प सामान और आभूषण बनाने के लिए प्रशिक्षित करती है.

एक साक्षात्कार में सुमन ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मुझसे कहा गया था कि %जब तक आप इसका सामना नहीं कर लेते हैं, जब तक आप सामाजिक समस्या का परिणाम नहीं भुगत लेते हैं, तब तक आप उसके समाधान के लिए काम करना शुरू नहीं करते हैं. मेरे साथ भी यही बात थी, जब मुझे महसूस हुआ कि महिलाएं अपनी आवाज बुलंद नहीं कर पा रही हैं और सिर्फ अपने परिवार के निदेशरें का पालन कर रही हैं. तभी मैंने बदलाव लाने के बारे में सोचा. मैं अपने लिए खड़ी हुई, और यह मेरे उद्देश्य की ओर मेरा पहला कदम था.

सुमन की परियोजना को राजकुमारी दीया कुमारी फाउंडेशन से भी समर्थन मिला. इस बारे में सुमन ने कहा,मैंने सोचा कि क्यों न मैं स्वतंत्रता का प्रसार पूरी दुनिया में करूं? मैंने महसूस किया कि किसी चीज की शुरुआत करनी चाहिए. इन मामलों में ग्रामिण महिलाएं ज्यादा कुछ नहीं कह पाती हैं, क्योंकि वे आर्थिक तौर पर स्वतंत्र महसूस नहीं कर पाती हैं. प्रगति परियोजना के तहत मेरी गांव की महिलाएं हस्तशिल्प और अन्य खूबसूरत चीजें बनाती हैं, और उसे बेच कर आमदनी करती हैं. इस माध्यम से वे खुद के लिए कुछ प्राप्त कर पाती हैं.

तमन्ना भाटिया को इंडस्ट्री में नहीं दे रहा है कोई काम

तमन्ना भाटिया भी एक ऐसी ही स्टार हैं जिन्होंने सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी फिल्म बाहुबली में काम किया था। फिल्म बाहुबली का कर किरदार आज भी जनता को याद है। तमन्ना के पास फिल्मों का आभाव चल रहा है। उनके पास दक्षिण की फिल्मों भी नहीं हैं। सिनेमा इंडस्ट्री कई बार ऐसा होता है कि एक बड़े स्टार को अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार फिल्में करना जरूरी होता है, अगर एक अच्छी फिल्म करने के बाद अगर स्टार गायब हो जाए तो लोग भूलने लगते हैं। ऐसा अच्छे-अच्छे स्टार के साथ हो चुका हैं। तमन्ना भाटिया भी एक ऐसी ही स्टार हैं जिन्होंने सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी फिल्म बाहुबली में काम किया था। फिल्म बाहुबली का कर किरदार आज भी जनता को याद है।

तमन्ना भाटिया का भी बाहुबली के पहले पार्ट में लीड रोल था। अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से तमन्ना भाटिया ने लोगों के दिन में अलग जगह बना ली थी, लेकिन लंबे समय बीत रहा है तमन्ना किसी दूसरी फिल्म में नजर नहीं आ रहीं। लोगों के दिमाग से तमन्ना उतरने लग गयी हैं। सूत्रो की माने तो तमन्ना के पास फिल्मों का आभाव चल रहा है। उनके पास दक्षिण की फिल्मों भी नहीं हैं। कहा जा रहा है कि तमन्ना को फिल्में नहीं बल्कि फिल्मों के अइटम नंबर के लिए ही अप्रोच किया जा रहा है।

पिछले दो साल का रिकॉर्ड अगर देखा जाए तो तमन्ना को किसी भी फिल्म के लिए अप्रोच नहीं किया गया है। दो साल में वह बस कुछ फिल्मों में साइड रोल और आइटम नंबर ही करती नजर आयी हैं। कन्नड़ फिल्म जैगुआर, यश की मल्टीस्टारर फिल्म और महेश बाबू की फिल्म सरिलेरू नीकिवारु में स्पेशल सॉन्ग्स में डांस किया है। हालांकि 2019 में वे फन एंड फ्रसट्रेशन, और देवी 2 जैसी सफल फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

हॉलीवुड अभिनेत्री जेन फोंडा पांचवीं बार गिरफ्तार

वाशिंगटन। हॉलीवुड अभिनेत्री जेन फोंडा को यहां जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन के लिए पांचवीं बार पुलिस ने गिरफ्तार किया। हॉलीवुड कलाकार ने हाल ही में फायर ड्रिल फ्राइडे पहल की शुरुआत की थी जिसके तहत वाशिंगटन डीसी में जलवायु परिवर्तन के लिए साप्ताहिक प्रदर्शन किए जाते हैं। द वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि शुक्रवार को फोंडा को हार्ट सीनेट फिस बिल्डिंग में 137 अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ हिरासत में ले लिया गया। अपनी गिरफ्तारी से एक दिन पहले ही वह 82 वर्ष की हुइ'। अभिनेत्री को रात में ही रिहा कर दिया गया।

कार्यस्थल उत्पीड़न के बारे में उठाये आवाज : सनी लियोन

अभिनेत्री सनी लियोनी ने कहा कि वह समझती हैं कि कार्यस्थल पर उत्पीड़न बेहद मुश्किल होता है, लेकिन उसके बारे में चुप नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे उजागर करना चाहिए. इस बारे में बात करते हुए उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया. सनी ने कहा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न के विषय में बात करना मुश्किल है लेकिन आपको चुप नहीं रहना चाहिए. आप अपने लिए एक सहायक बॉस की तलाश करें. वीडियो इस बात पर प्रकाश डालता है कि अगर किसी का शोषण करने के लिए पॉवरफुल पद का उपयोग किया जा रहा है, तो ऐसे में चुप नहीं रहकर व्यक्ति को चाहिए कि वह इस बारे में बात करे. उन्होंने संदेश दिया है. यह एक डरावनी कहानी के साथ अंतरंग होने के दौरान सहमति के महत्व पर प्रकाश डालती है. सनी ने सीरीज में पैरानॉर्मल एक्सपर्ट के तौर पर कैमियो किया है.